শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 265 | गुवाहाटी | रविवार, 23 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में पूरी अकीदत के साथ अदा की गई नमाज-ए-ईद पेज 3
पुंछ के आतंकी हमले के पीछे थी जी-20 समिट बैठकों को रद्द कराने की साजिश पेज 4
अमृत महोत्सव पर्व से लेकर शताब्दी महोत्सव तक कमल ही खिला रहेगा... पेज 5
भरतपुर में भड़की आरक्षण की चिंगारी, आगरा-बीकानेर हाइवे जाम पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

खुशी तंदुरुस्ती है, इसके विपरीत उदासी रोग है।
– हेली बर्टन

न्यूज गैलरी

आज मुस्कुराते चांद के साथ जोड़ी बनाएगा चमकता शुक्र

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए रविवार, 23 अप्रैल की शाम बड़ी रोचक होने जा रही है। इस दौरान पश्चिम आकाश में अद्भुत खगोलीय नजारा देखने को मिलेगा। सूरज के डूबते ही दो खगोलीय पिंडों की चमचमाती जोड़ी आपका ध्यान आकर्षित करेगी। भोपाल की नेशनल अवॉर्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने शनिवार को उक्त खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि रविवार शाम आकाशमंडल का सबसे चमकदार ग्रह वीनस (शुक्र) की हंसियाकार (मुस्कराते हुए) चंद्रमा -शेष पृष्ठ दो पर

ईसरो ने पीएसएलवी से अंतरिक्ष में भेजे सिंगापुर के दो सैटेलाइट

श्रीहरिकोटा (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के नाम एक और कामयाबी दर्ज हो गई है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शनिवार दोपहर 2.19 मिनट पर पीएसएलवी-सी 55 रॉकेट से सिंगापुर की दो सैटेलाइट टीईएलईओएस-2 और ल्यूमलाइट-4 को पृथ्वी की कक्षा में सफलता पूर्वक स्थापित किया गया। इसकी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने द्वारका में नए असम हाउस की रखी आधारशिला

राज्य में आंदोलन और विरोध के दिन बीत चुके हैं : डॉ. शर्मा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में आंदोलन और विरोध के दिन बीत चुके हैं, क्योंकि सड़क, फ्लाईओवर और पुल जैसी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। शर्मा ने शनिवार को यहां द्वारका में एक नए असम हाउस की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नया असम हाउस रोगियों और छात्रों की जरूरतों को पूरा करेगा, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में अन्य दो असम हाउस अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाएंगे। शर्मा ने आगे कहा कि द्वारका में नए असम हाउस का निर्माण 18 महीने के भीतर पूरा हो जाएगा, जबकि सरदार पटेल मार्ग पर मौजूदा एक भवन को ध्वस्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर एक नया भवन निर्माण होगा, जिसका काम जून में शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि लोक निर्माण विभाग (भवन एवं एनएच) विभाग के तहत आने वाले किसी भी प्रोजेक्ट को दो साल की निर्धारित समय सीमा में पूरा करना ही होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रमुख शहरों में संपत्ति बनाई है और नए असम हाउस वेल्लोर और बैंगलोर में बनाए जाएंगे, जबकि कोलकाता में मौजूदा एक भवन को ध्वस्त कर दिया जाएगा और उसके स्थान पर एक नया भवन निर्माण किया जाएगा। चेन्नई में असम हाउस पहले से ही बनाया गया है। उन्होंने आगे खुलासा किया कि सरकार ने असम की सांस्कृतिक विरासत जैसे कामाख्या मंदिर, बटाद्रवा थान, रंगघर, नामघर को प्रदर्शित करने वाली एक असम परियोजना के लिए मुंबई में भूमि का अधिग्रहण किया गया है, जबकि वह इस तरह की परियोजना के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक उपयुक्त भूखंड की तलाश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि असम में आंदोलन और विरोध के दिन बीत चुके हैं क्योंकि सड़क, फ्लाईओवर और पुल जैसी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 24 मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का -शेष पृष्ठ दो पर

अंग्किता दत्ता कांग्रेस से निष्कासित

गुवाहाटी। भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी पर लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली असम युवा कांग्रेस की पूर्व प्रमुख अंग्किता दत्ता को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि अंग्किता दत्ता को *पार्टी विरोधी* गतिविधियों के लिए छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। अंग्किता दत्ता ने कहा कि उन्हें बिना किसी पूर्व चेतावनी के असम युवा कांग्रेस प्रमुख के पद से हटा दिया गया था और सवाल किया कि क्या निष्कासन उनके लिंग के कारण किया गया था। उन्होंने बीवी श्रीनिवास पर *सेक्सिस्ट* और *रूढ़िवादी* होने और अपमानजनक टिप्पणियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) की असम इकाई की प्रमुख अंग्किता -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में केंद्रीय मंत्री ने 4-जी मोबाइल टावर राष्ट्र को किए समर्पित

इटानगर (हि.स.)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों के लिए 254 4-जी मोबाइल टावर राष्ट्र को समर्पित किए। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूर्वोत्तर के विकास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष जोर है। राज्य के सीमावर्ती गांवों के नजदीक 4-जी टावर की शुरुआत इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

अंग्किता मामले पर बोले सीएम

पार्टी मामले को नहीं सुलझाएगी तो कानून अपना काम करेगा

गुवाहाटी। असम यूथ कांग्रेस की प्रमुख अंग्किता दत्ता ने भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी और प्रधान सचिव पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। जिसके बाद दत्ता को कांग्रेस से छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। अब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यह पार्टी का अंदरूनी मामला है लेकिन अगर पार्टी मामले को नहीं सुलझाएगी तो कानून अपना काम करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से जब अंग्किता दत्ता -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : सीएम साहा ने पीएम को त्रिपुरा की दो सीटें *उपहार* में देने का लिया संकल्प

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *दो कमल का उपहार* देने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्वोत्तर राज्य में दो लोकसभा क्षेत्र हैं - पश्चिम और पूर्वी त्रिपुरा निर्वाचन क्षेत्र - जो सत्तारूढ़ दल के पास हैं। साहा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि मैंने अक्षय तृतीया के पावन मौके पर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा की उपस्थिति में बूथ सशक्तीकरण अभियान पर आयोजित कार्यशाला में पार्टी के विभिन्न स्तरों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अगले लोकसभा चुनाव में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को त्रिपुरा से दो कमल भेंट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करने के लक्ष्य को हासिल करने के -शेष पृष्ठ दो पर

ऑस्ट्रेलिया में नहीं बर्दाश्त करेंगे खालिस्तानियों की हिंसा : सुक्कर

नई दिल्ली। आवास, सामाजिक और सामुदायिक आवास मंत्रालय के मंत्री माइकल सुक्कर ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया में हिंसा और हिंदू मंदिरों की तोड़-फोड़ जैसी गतिविधियों और कुछ खालिस्तानियों की गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों में हो रही तोड़फोड़ के बारे में मंत्री सुक्कर ने कहा कि ठीक है, मैं भारत में कई लोगों की चिंता -शेष पृष्ठ दो पर

आत्मघाती बम से पीएम को मारने की धमकी, केरल में हाई अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। पीएम मोदी के केरल दौरे से पहले एक बड़ा अलर्ट जारी कर दिया गया है। केरल पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आत्मघाती बम हमले की धमकी वाले एक पत्र की जांच शुरू की। प्रधानमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 24 और 25 अप्रैल को राज्य का दौरा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन के कार्यालय को कथित तौर पर कोच्चि के एक निवासी द्वारा मलयालम में लिखा गया पत्र प्राप्त हुआ। पत्र को सुरेंद्रन ने पिछले सप्ताह पुलिस को सौंप दिया था। एडीजीपी (खुफिया) की एक रिपोर्ट मीडिया में प्रसारित होने के बाद आज धमकी भरे पत्र की खबर सामने आई। खबर के सामने आने पर सुरेंद्रन ने मीडिया से बातचीत की और कहा कि उन्होंने एक सप्ताह पहले राज्य पुलिस प्रमुख को धमकी भरा पत्र सौंपा था। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले सप्ताह केरल की भाजपा राज्य समिति के अध्यक्ष को मलयालम में लिखा एक पत्र मिला था जिसमें आत्मघाती हमलावर का उपयोग करके भारत के माननीय प्रधानमंत्री को जान की धमकी दी गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पत्र की सत्यता और इसके पीछे कौन है इसकी जांच की जा रही है। 49 पन्नों की -शेष पृष्ठ दो पर

वीडियो मामले में एससी का दरवाजा खटखटाएगा बौद्ध समुदाय

शिमला (हि.स.)। बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बौद्ध समुदाय में काफी रोष है। इसको लेकर दलाईलामा की ओर से एक आधिकारिक बयान भी जारी किया गया है, जिसमें दलाई लामा ने बच्चे और उसके परिवार वालों से माफी मांगी है। दलाईलामा ने अपने शब्दों के लिए क्षमा याचना की है, लेकिन अब बौद्ध समुदाय के लोगों में इसको लेकर काफी रोष है। बौद्ध समुदाय के लोगों का कहना है कि इस वीडियो को साजिश के तहत गलत तरीके से पेश किया जा रहा है और दलाईलामा को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है, जिसमें चीन व अन्य ताकतें शामिल हैं। बौद्ध समुदाय ने -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार में बवंडर से 8 की मौत 200 से अधिक घर तबाह

नाएप्यीडॉ। मध्य म्यांमार में राजधानी नेप्यीताव के पास दो गांवों में आए बवंडर ने आठ लोगों की जान ले ली और 200 से अधिक घरों को नष्ट कर दिया। बवंडर नेप्यीटॉ के दक्षिणी बाहरी इलाके में आंग म्यिन कोन और ताडाऊ गांवों में शाम करीब 6:10 बजे आया। शुक्रवार को दोह लेवे चैरिटी संगठन के एक प्रमुख सदस्य थेट पिंग सो ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय धर्मार्थ संगठनों ने 128 लोगों को अस्पतालों में पहुंचाया और दो गांवों में 232 घर नष्ट हो गए। मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के एक महानिदेशक ने कहा कि करीब 40 मिनट तक आंधी चली। गांवों में लगभग सभी घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बहाली में महीनों लगेंगे। म्यांमार में प्रमुख बवंडर दुर्लभ हैं। हालांकि, ऐसे आकार के बवंडर जो शायद ही कभी मौत का कारण बनते हैं और गंभीर नुकसान अक्सर गर्मियों और -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यपाल मामला : खाप पंचायतों ने केंद्र को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर सहित चार प्रदेशों के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक, शनिवार को करीब ढाई घंटे तक दिल्ली के आरके पुरम पुलिस थाने में बैठे रहे। पुलिस ने साफ कर दिया था कि पूर्व राज्यपाल को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मलिक के समर्थकों का दावा है कि हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से कई खापों के प्रतिनिधि आरके पुरम थाने के बाहर एकत्रित हुए। इन प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्र सरकार ने अगर मलिक के साथ कुछ भी गलत करने का प्रयास किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सर्वजातीय कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला ने कहा कि मलिक ने निडर होकर देश, समाज, किसान, गरीब और मजदूर तबके के हित में आवाज उठाई है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने जैसा साहसिक कार्य उन्हीं के राज्यपाल रहते हुए पूरा हुआ था। सभी खाप व किसान जत्थेदारी, सत्यपाल मलिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। फिलहाल, खाप प्रतिनिधियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

हिरासत में नहीं लिया गया, वह खुद थाना आए थे : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के आर के पुरम इलाके से हिरासत में नहीं लिया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) मनोज सी ने कहा कि हमने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को हिरासत में नहीं लिया है। वह अपने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अपने ही शहर में शक्तिशाली बम गिरा रहा रूस

कीव। यूक्रेन की सीमा के निकट एक रूसी शहर में शनिवार को 17 आवासीय इमारतों को तब खाली करा लिया गया जब उस स्थान पर एक विस्फोटक मिला जहां इस सप्ताह एक रूसी युद्धक विमान द्वारा गलती से बम गिराए जाने के बाद भीषण विस्फोट हुआ था। गुरुवार देर रात हुए बम विस्फोट से बेलगोरोद शहर दहल उठा था जिससे एक बड़ा गड्ढा हो गया और तीन लोग घायल हो गए थे। रूसी रक्षा मंत्रालय ने तुरंत इस बात को स्वीकार किया था कि उसके ही एसयू-34 बमवर्षकों में से एक विमान द्वारा गलती से गिराए गए बम के कारण विस्फोट हुआ। मंत्रालय ने कहा कि जांच जारी है, लेकिन इसने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। हालांकि, सैन्य विशेषज्ञों ने कहा कि यह 500 किलोग्राम का एक शक्तिशाली बम था। बेलगोरोद प्रांत के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लादकोव ने शनिवार को कहा कि गुरुवार को हुए विस्फोट स्थल की जांच करने वाली टीम को आज उसी जगह विस्फोटक वस्तु मिली जो आवासीय भवनों के पास थी। बेलगोरोद शहर के मेयर वैलेंतिन देमिदोव के अनुसार, एहतियात के तौर पर आवासीय इमारतों को खाली करा लिया गया है। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा कि बम को आवासीय क्षेत्र से हटा दिया गया और लोग अब वापस अपने घरों में वापस जा रहे हैं।

एसजीपीसी का बड़ा आरोप

अरुणाचल में गुरु नानक देव से जुड़े एक तीर्थस्थान को बौद्ध मंदिर में बदला गया

इटानगर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने शनिवार को आरोप लगाया कि अरुणाचल प्रदेश में सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव से जुड़े एक तीर्थस्थान को बौद्ध मंदिर में तब्दील कर दिया गया है। एसजीपीसी ने एक बयान में दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा आठ अप्रैल को सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि मेचुका में स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक तपस्थान को बौद्ध मंदिर में तब्दील कर दिया गया है। एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने इस कथित कृत्य को सिखों पर हमला करार दिया और कहा कि एक समुदाय के किसी भी धार्मिक स्थान को दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थान में बदलना संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन है। धामी ने कहा कि गुरुनानक देव ने मानवता के कल्याण के लिए विभिन्न स्थानों की धार्मिक यात्राएं की थीं, जिन्हें सिख इतिहास में उदासियां के नाम से जाना जाता है। इन यात्राओं में मेचुका की यात्रा भी शामिल है। एसजीपीसी के अध्यक्ष ने कहा कि गुरुद्वारा गुरु नानक तपस्थान की स्थापना गुरु नानक देव की याद में की गई थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। धामी ने कहा कि वह राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को पत्र लिखकर मामले में कार्रवाई की मांग करेंगे।

उल्लास महिला समिति ने अक्षय तृतीया पर पेयजल सेवा की

गुवाहाटी (विभास)। उल्लास महिला समिति की सदस्योंओ ने अक्षय तृतीया के उपलक्ष में माहेश्वरी भवन, गुवाहाटी गोशाला और मारवाड़ी हॉस्पिटल के आसपास तीन जगहों पर भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए राह चलते राहगीरों के बीच लीची जूस, नींबू पानी का वितरण किया। इस अवसर पर समिति की अध्यक्ष चंद्रकांता घोड़ावत ने सभी को अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष अमराव बोथरा, मंत्री संजना मालू के अलावा समिति की सदस्या अनीता खटेड, मीनू दूधोडिया, प्रमिला सेठिया, संगीता बोथरा, राजू सुराणा, वीणा चौरड़िया, गुलाब दुग्गड़, राज सुराणा, मंजू लुणीय, अमिता भंसाली, उषा सुराणा, मंजू दुग्गड़, ममता छाजेड़, सुमन झाबक, ममता घोड़ावत उपस्थित थी।

अक्षय तृतीया के दिन मारवाड़ी महिला सम्मेलन का दल पहुंचा गौशाला

होजाई (होस)। मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा की सदस्यों ने आज अक्षय तृतीया के दिन होजाई स्थित हवाईपुर के गौशाला में जाकर गायों हेतु तीन स्वामिणी का चारा गौशाला में उपलब्ध करवाया। साथही समिति की सदस्यों की तरफ से गौशाला में दो पंखे भी लगवाए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष ज्योति सुरेका व सचिव प्रियंका सरावगी, कोषाध्यक्ष ममता खाखोलिया के साथ पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा राठी, मृदुल अग्रवाल, मंजू छावछरिया, सरिता छावछरिया, बिनीता सरावगी, लवली बेरीवाल, डोली चनानी ने अपना सहयोग दिया। उल्लेखयोग्य है पौराणिक ग्रंथों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं उनका अक्षय फल मिलता है।

विश्वनाथ में महादेव मार्बल ग्रेनाइट एंड टाइल्स प्रतिष्ठान का शुभारंभ

विश्वनाथ (विभास)। अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के पावन अवसर पर विश्वनाथ चारिआलि शहर के लखीमपुर राष्ट्रीय मार्ग के दहगॉंव में आज महादेव मार्बल ग्रेनाइट और टाइल्स प्रतिष्ठान का शुभारंभ हुआ। प्रतिष्ठान के स्वत्वाधिकारी संजय चौधरी तथा बिकी पारीक ने प्रतिष्ठान के शुभारंभकर्ता (उद्घाटनकर्ता) विश्वनाथ पौरपति अमरज्योति बरठाकुर को स्वागत किया। इसके बाद उन्हें फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। पौरपति अमरज्योति बरठाकुर ने आज के मंगलमय दिन पर महादेव मार्बल ग्रेनाइट एंड टाइल्स प्रतिष्ठान का उद्घाटन करके अपने को गौरवान्वित महसूस करते हुए अपना संबोधन दिए। इस मौके पर हनुमानमल पांडिया, राजकुमार पारीक, दिलीप शर्मा, दिलीप अग्रवाल, शिक्षक संतोष कुमार महतो, अरुण सिंह, जय गोयिनका, शंकर लाल पारीक, राजु प्रसाद और समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

भाजपा के पाथरीघाट मंडल कार्यालय का हुआ उद्घाटन

दरंग (असम) (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के असम प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक और पाथरीघाट मंडल कार्यालय का उद्घाटन समारोह आज (शनिवार) दीपिला में आयोजित किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेयी भवन परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद प्रदेश भाजपा प्रभारी बीजे पांडा ने पार्टी का झंडा फहराया। प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ सिपाझार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पहले स्थायी कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश सांगठनिक महासचिव फणीनंद्र नाथ शर्मा, सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव दिलीप सैकिया, विधायक परमानंद राजवंशी, प्रदेश महासचिव पुलक गोहाई, प्रदेश सचिव एवं सांसद पल्लब लोचन दास, मंत्री नंदिता गार्लोसा, सांसद तपन गोगोई, विधायक नबा कुमार दलै, रेखा रानी दास आदि मौजूद रहे। इस बीच, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीजे पांडा ने कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित संगठन है और कोई भी ताकत भाजपा को नहीं रोक सकती है। वहीं, सांसद दिलीप सैकिया ने कांग्रेस नेता अंकिता दत्ता को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस में महिलाओं का कोई सम्मान नहीं है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में आंदोलन...

निर्णय लिया गया है, जिनमें से 12 पहले ही पूरे हो चुके हैं। द्वारका में नया असम हाउस लोक निर्माण (भवन और एनएच) विभाग, असम सरकार द्वारा 21.66 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा, चार मंजिला यह इमारत 1,000 वर्ग मीटर के भूखंड क्षेत्र पर होगा, जिसमें तीन बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर होंगे। इस भवन में एक वीवीआईपी सुइट, 18 गेस्ट रूम, 13 डॉर्मिटरी बेड और एक 2 बीएचके यूनिट होगा साथ ही रेजिडेंट स्टाफ के लिए एक बीएचके की दो यूनिट होंगे। इसमें कैफेटेरिया, रिसेप्शन और लाउंज, किचन, कॉमन टॉयलेट्स, कार पार्किंग, पैसेंजर लिफ्ट और कार लिफ्ट जैसी सुविधाएं भी होंगी। परियोजना की पूर्ण तिथि मार्च 2024 है। आधारशिला रखे जाने के अवसर पर केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, जीएडी मंत्री रंजीत कुमार दास, पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, सांसद क्वीन ओझा और पवित्र मार्घेरिटा, कार्बी आंग्लांग स्वायत्तशासी परिषद सीईएम तुलीराम रंगहांग और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंग्किता दत्ता कांग्रेस ...

दत्ता ने अपने सहयोगी और आईवाईसी प्रमुख श्रीनिवास बीवी पर सेक्सिज्म और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। असम यूथ कांग्रेस की प्रमुख अंग्किता दत्ता ने श्रीनिवास बीवी और सचिव प्रभारी वर्धन यादव पर उत्पीड़न का आरोप लगाते कहा कि वर्धन को पता नहीं है कि महिलाओं का सम्मान कैसे किया जाता है। वो मुझे डॉ दत्ता या अध्यक्ष के रूप में नहीं, ए लड़की के रूप में संबोधित करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रायपुर पूर्ण सत्र के दौरान श्रीनिवास ने मुझसे पूछा कि क्या पीती हो तुम, वोडका पीती हो? मैं चकित रह गई। अंग्किता दत्ता ने कहा था कि अब उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा के साथ मेरे पोस्टर बनाए हैं, जिसमें कहा गया है कि मैं मुख्यमंत्री को खुश करने की कोशिश कर रही हूं। अगर कोई महिला अपने अपमान की बात करती है, तो पार्टी उस तरह की प्रतिक्रिया देती है? मेरे दादा, पिता और मैं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। । हम पार्टी नहीं छोड़ना चाहते हैं। अगर आप चाहते हैं तो हमें बाहर फेंक दें।

लोस चुनाव : सीएम साहा ...

लिए पार्टी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। भाजपा की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य ने कार्यशाला में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिपुरा में 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हर संभव तरीके से मदद की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राज्य की दो लोकसभा सीट उपहार में दी जाएं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक, सांसद बिप्लब कुमार देब और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

अरुणाचल में केंद्रीय ...

कि 254 टावर सीमावर्ती 336 गांवों को डिजिटल सम्पर्क से जोड़ेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर और मुख्यमंत्री पेमा खांडू वर्चुअली उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि अरुणाचल के लोगों के लिए केंद्र सरकार की ओर से यह एक खूबसूरत उपहार है, जिसमें अन्य बुनियादी विकास सुविधाएं शामिल हैं। छह से सात महीने के बाद राज्य के प्रत्येक गांव विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्र के गांव 4जी मोबाइल टावर से जुड़ जाएंगे। हम इस खूबसूरत तोहफे के लिए प्रधानमंत्री मोदी के बहुत आभारी हैं। क्षेत्र में विकास के लिए सरकार की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों जैसे बीआरओ, बिजली, राजमार्ग आदि का उपयोग किया जा रहा है।

पार्टी मामले को ...

मामले पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जब यह मामला उनके सामने आया तो उन्होंने कांग्रेस से कहा था कि यह उनका अंदरूनी मामला है और उन्हें इसे सुलझाना चाहिए। लेकिन जब बेटी की अस्मिता का सवाल है तो कार्रवाई करनी पड़ेगी। जब मुझे पता चला कि कांग्रेस ने उसे निष्कासित कर दिया है तो अगर वह मामले को नहीं सुलझाएंगे, पार्टी नहीं सुलझाएगी तो कानून अपना काम करेगा। बता दें कि असम यूथ कांग्रेस की प्रमुख अंग्किता दत्ता ने यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी और सचिव प्रभारी वर्धन यादव पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने गुरुवार को अंग्किता दत्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अब पार्टी ने अंग्किता दत्ता को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया में नहीं ...

को पूरी तरह से समझ सकता हूं। हमारे पास जीरो टॉलरेंस की नीति है, विशेष रूप से गठबंधन विपक्षी दलों में, जीरो टॉलरेंस की नीति ऑस्ट्रेलिया में हो रहे इस तरह के मुद्दों के प्रति एक दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में इस तरह के हिंसक कार्य को हम बिल्कुल सहन नहीं करेंगे। मैं समझता हूं कि उन पांच लोगों पर इन गतिविधियों के संबंध में आरोप लगाया गया है क्योंकि हम किसी भी तरह से इस तरह के हिंसक कार्य का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों के बारे में भी बात की और कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ा भारतीय प्रवासी समुदाय है, भारत के साथ लोगों के बीच अद्भुत संबंध हैं। मुक्त व्यापार समझौते के रूप में ऑस्ट्रेलिया और भारत को आर्थिक संबंध बनाने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है। क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया की अपेक्षित यात्रा के बारे में बात करते हुए मंत्री सुक्कर ने कहा कि यह बहुत ही रोमांचक है कि आपके प्रधानमंत्री क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया आने की योजना बना रहे हैं। हमें लगता है कि यह हमारे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। एशिया प्रशांत क्षेत्र दुनिया में समृद्धि और शांति के भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है कि चार लोकतंत्र एक साथ आने और क्वाड का निर्माण करने में सक्षम थे जो आज है, जो कि मेरे विचार से बहुत अधिक प्रभावशाली है जिसकी हम कल्पना कर सकते हैं, मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत चीज है।

आत्मघाती बम से ...

इस रिपोर्ट में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के नाम, उनकी भूमिका, प्रधानमंत्री के विस्तृत कार्यक्रम की समय-सारणी सहित अन्य बातों की जानकारी दी गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने भी एडीजीपी (खुफिया) रिपोर्ट के कथित लीक होने की निंदा की और कहा कि यह एक गंभीर मामला है। इस बीच, कोच्चि निवासी एन. जे. जॉनी ने आज कहा कि वह निर्दोष हैं। जॉनी का नाम और नंबर कथित धमकी भरे पत्र में था। उन्होंने मीडिया से कहा कि पुलिस ने मुझसे पूछताछ की है। मैंने उन्हें सारी जानकारी दी है। उन्होंने लिखावट और हर चीज की जांच की। जॉनी के परिवार ने कहा कि पत्र को लेकर उन्हें इलाके के एक अन्य व्यक्ति पर शक है, जिससे एक चर्च से संबंधित किसी मामले को लेकर कुछ विवाद है।

वीडियो मामले में ...

इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का दावा किया है। इस बीच बौद्ध समुदाय के लोगों ने धर्मगुरु दलाई लामा के समर्थन में शनिवार को शिमला शहर में शांतिपूर्ण तरीके से विरोधस्वरूप रैली निकाली। लाहौल-स्पीति बुद्ध सेवा संघ, किन्नौर लाहौल-स्पीति स्टूडेंट वेलफेयर संघ, भारत तिब्बत समन्वय संघ, शिमला तिब्बतियन पीपल और किन्नौर छात्र संघ के कार्यकर्ताओं ने इस रैली में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दलाईलामा और एक लड़के से जुड़े हालिया वीडियो को लेकर किए गए आक्षेपों से तिब्बती समुदाय के लोग आहत हैं। उन्होंने कहा कि दलाई लामा एक लड़के से जुड़े हालिया वीडियो को गलत तरीके से सोशल मिडिया में प्रसारित किया गया है, जिससे आध्यात्मिक नेता की छवि को खराब कर सके और इस पूरे मामले में चीन द्वारा साजिश की जा रही है, जिसको किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि हाल ही में धर्मगुरू दलाईलामा का एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें उन्हें एक बच्चे को होठों पर कीस (चुम्मा) करते देखा गया था। इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद दलाई लामा की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर मामले पर सफाई जारी की गई है। दलाईलामा ने इस पूरे मामले में 10 अप्रैल को माफी भी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि अगर उनकी शब्दों से भावनाएं आहत हुई हैं तो वह एक बच्चा उसके परिवार और दोस्तों से माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि जो क्लिप प्रसारित की जा रही है उसके संदर्भ को समझाने के लिए पूरी वीडियो को देखा जाना चाहिए। लाहौल स्पीति के विधायक रवि ठाकुर ने शनिवार को शिमला में कहा कि दलाई लामा को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। टीआरपी के लिए सोशल मीडिया में विडियो को गलत तरीके से पेश कर इसे वायरल किया गया है। इससे बौद्ध समुदाय के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि दलाई लामा के कार्यालय धर्मशाला से अनुमति के बाद वह इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय में मानहानि की याचिका दायर करेंगे। उनका कहना है कि भारत की सीमा चीन से नहीं, बल्कि तिब्बत से लगती है, लिहाजा चीन की ओर से इस तरह की साजिश रची जा रही है।

म्यांमार में बवंडर ...

प्री-मानसून अवधि में होता है जब तापमान बढ़ता है। इस अवधि के दौरान, म्यांमार के निचले हिस्सों में अक्सर बवंडर आते हैं, लेकिन बहुत कम लोग हताहत होते हैं। मध्य म्यांमार में इस प्रकार की मौतें दुर्लभ हैं। म्यांमार लगभग हर साल मानसून के मौसम के दौरान चरम मौसम का अनुभव करता है। 2008 में, चक्रवात नरगिस ने 138,000 से अधिक लोगों की जान ली थी। राज्य द्वारा संचालित एमआरटीवी टेलीविजन ने बताया कि म्यांमार की सैन्य-स्थापित सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलिंग ने शनिवार को आपदा क्षेत्र का दौरा किया और निवासियों को सहायता प्रदान की।

सत्यपाल मामला : खाप ...

केंद्र सरकार को सत्यपाल मलिक से जुड़ी कई मांगें पूरी करने का अल्टीमेटम दे दिया है। अगर सरकार, इन मांगों को नहीं मानती है, तो देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। पूर्व राज्यपाल मलिक को संविधान के अनुसार मिलने वाली वे सभी सुविधाएं दी जाएं, जिन्हें केंद्र सरकार ने छीना है। लिहाजा, सत्यपाल मलिक ने अनुच्छेद 370 हटाने का साहसिक कार्य किया है, इस वजह से उनकी जान को खतरा है। उन्हें जेड प्लस सिक्योरिटी मुहैया कराई जाए। अगर मलिक पर कोई हमला होता है, तो उसकी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी। हमला होने की स्थिति में देश शांत नहीं बैठेगा। मलिक ने तथ्यों के साथ, केंद्र सरकार पर जो गंभीर आरोप लगाए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और विपक्षी दलों से दो-दो सदस्यों की कमेटी बनाकर उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि सरकार, इन मांगों को पूरा नहीं करती है तो सभी खाप पंचायतें आगे की रणनीति तय करेंगी। इस बाबत राष्ट्रपति से मिलकर मांग पत्र सौंपा जाएगा। हरियाणा के जींद जिले से आए नौगामा खाप के प्रधान दलबीर सिंह बीबीपुर ने बताया, केंद्र सरकार जानबूझकर मलिक को परेशान कर रही है। मलिक ने पुलवामा हमले को लेकर जो खुलासे किए हैं, उससे केंद्र सरकार परेशान हो उठी है। सीआरपीएफ के चालीस जवानों के बलिदान की सच्चाई को देश जानना चाहता है। मलिक ने पुलवामा हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है, वह सुरक्षा बलों से जोड़ा है। खटखड़ खाप के उपप्रधान लीला छापड़ा बोले, मलिक ने राज्यपाल के पद पर रहते हुए किसानों के समर्थन में आवाज उठाई थी। उसके बाद भी वे लगातार किसानों के हक में बोलते रहे हैं। ये बातें केंद्र सरकार और भाजपा को रास नहीं आ रही। केंद्र सरकार, अपने विरोधी नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई को लगा देती है। अब वही काम मलिक के साथ हो रहा है। किसान वर्ग, मलिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। सरकार ने मलिक को लेकर कोई भी गलत कदम उठाया तो देशभर के किसान, केंद्र के खिलाफ आंदोलन करने से नहीं चूकेंगे।

हिरासत में नहीं ...

समर्थकों के साथ आर के पुरम थाने में अपनी इच्छा से आए थे और हमने उन्हें सूचित किया कि वह अपनी इच्छा से जा सकते हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आर के पुरम के एमसीडी पार्क में एक बैठक होनी थी और मलिक को इसमें हिस्सा लेना था। उन्हें बताया गया कि यह बैठक करने की जगह नहीं है और न ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कोई अनुमति ली थी, जिसके बाद मलिक और उनके समर्थक वहां से चले गए और बाद में पूर्व राज्यपाल खुद थाना आए। दिल्ली पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि मलिक की हिरासत के बारे में झूठी खबर फैलाई जा रही है। एक ट्वीट में कहा गया, सत्यपाल मलिक को हिरासत में लेने के संबंध में कई सोशल मीडिया हैंडल पर गलत सूचना फैलाई जा रही है। वह खुद आर के पुरम थाना अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। उन्हें सूचित किया गया कि वह अपनी मर्जी से जाने के लिए स्वतंत्र है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मलिक से जम्मू-कश्मीर में कथित बीमा घोटाले के सिलसिले में कुछ सवालों के जवाब मांगे हैं। 7 महीने में यह दूसरी बार है जब विभिन्न राज्यों के राज्यपाल रह चुके मलिक से संघीय एजेंसी पूछताछ करेगी। बिहार, जम्मू-कश्मीर, गोवा और अंत में मेघालय में राज्यपाल की जिम्मेदारी पूरी करने के बाद पिछले साल अक्तूबर में मलिक से सीबीआई अधिकारियों ने पूछताछ की थी। मलिक द्वारा द *वायर* को एक साक्षात्कार दिए जाने के बमुश्किल एक हफ्ते बाद सीबीआई ने यह कदम उठाया। साक्षात्कार में मलिक ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की थी, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर से निपटने के संबंध में, जहां उन्होंने तत्कालीन राज्य के दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजन से पहले अंतिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया था।

आज मुस्कुराते चांद ...

के साथ जोड़ी दिखने जा रही है। पिछले महीने दिखी जोड़ी में वीनस चंद्रमा के नीचे था, लेकिन इस बार वीनस चंद्रमा के बगल में होगा। सारिका ने बताया कि इस अद्भुत खगोलीय घटना में खास बात यह होगी कि चंद्रमा हंसियाकार होते हुए भी पूरे गोलाकार दिखने का आभास करा सकता है। इसमें लगभग 11 प्रतिशत चमकदार भाग के अलावा चंद्रमा का बाकी भाग भी हल्के प्रकाश के साथ दिखेगा। उन्होंने बताया कि खगोल विज्ञान में इसे अर्थशाइन कहते हैं। इस घटना को लियोनार्डो द विंची चमक भी कहा जाता है। लियोनार्डो द विंची ने पहली बार स्केच के साथ 1510 के आसपास अर्थशाइन की अवधारणा को रखा था। सारिका ने बताया कि अर्थशाइन तब होता है, जब सूरज की रोशनी पृथ्वी की सतह से परावर्तित होती है और चंद्रमा की सतह के अंधेरे वाले भाग को भी रोशन करती है। रविवार शाम को जब आप चंद्रमा को देखें तो याद रखें कि उसे चमकाने में उस पृथ्वी का भी योगदान है, जिस पर आप खड़े हैं। सारिका ने बताया कि विदेशों में इस खगोलीय घटना को अशेन ग्लो या नए चंद्रमा की बांहों में पुराना चंद्रमा भी नाम दिया जा रहा है। अगर बादल बाधा न बने तो शाम को इस जोड़ी को निहारने के लिए कुछ पल अवश्य निकालें।

ईसरो ने पीएसएलवी ...

उल्टी गिनती शुक्रवार दोपहर शुरू हो गई थी। इसरो की तरफ से इसकी जानकारी ट्वीटर पर साझा की गई थी जिसमें बताया गया था कि शनिवार को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी रॉकेट पीएसएलवी-सी55 सिंगापुर के 741 किलो वजन वाले सैटेलाइट टीईएलईओएस-2 और 16 किलो वजन वाले ल्यूमलाइट-4 सैटेलाइट ऑर्बिट में भेजेगा। टीईएलईओएस-2 एक रडार सैटेलाइट है जिसे सिंगापुर के डिफेंस साइंड एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी ने बनाया है। इससे दिन-रात मौसम की सटीक जानकारी मिलेगी। दूसरी ल्यूमलाइट-4 काफी एडवांस सैटेलाइट है जिसे उच्च आवृत्ति डेटा विनिमय प्रणाली को प्रदर्शित करने के लिए विकसित किया गया है। इसे सिंगापुर की ई-नेविगेशन समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने और वैश्विक शिपिंग समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

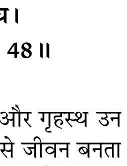

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

शुभ गुण शिष्य अधीनता, मूढ़न चिह्न अभिमान॥
सद्गुरु से मनमुख चलै, पर चौरासी खान॥ 47॥

शब्दार्थ : (शुभ गुण) मंगलमय उत्तम गुण (अधीनता) अनुशासनप्रियता, आज्ञाकारी विनम्र।

भाष्य : शिष्यों में शुभ उन्नतिशील गुण अधीनता है और नीचे गिरने का चिह्न अइभमान है। सद्गुरु आज्ञा-नियम से विरुद्ध हो कर मनमुख चलने वाला शिष्य चौरासी लाख योनियों में जाकर अधोगति को प्राप्त हो महान कष्ट को प्राप्त होता है। सद्गुरुविमुखी शिष्य का कभी कल्याण नहीं होता। वह सदैव दुःखमय जीवन को प्राप्त हो कर नष्ट-भ्रष्ट हो जाता है।

सेवा संतन की करो, एक आवै एक जाय।
सत्संगति जीवन बने, सुमिरन भजन समाय॥ 48॥

शब्दार्थ : (सेवा) भक्ति (सन्तन) संतगण।

भाष्य : बारबार संतों का आवागमन गृहस्थों के घर हो और गृहस्थ उन संतजनों की श्रद्धायुक्त सदैव सेवा करें। उनकी सत्संगति से जीवन बनता है और प्रभु के सुमिरन, भजन में आत्मा अंतर्मुख प्रवेश करती है।

असम में पूरी अकीदत के साथ अदा की गई नमाज-ए-ईद

गुवाहाटी/कोकराझाड़/होजाई/नगरबेड़ा (हिंस/विभास/होस)। असम सहित देशभर में ईद-उल-फितर का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज सुबह लोगों ने ईदगाहों और बड़ी मस्जिदों में पूरी अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की। गुवाहाटी के माछखोवा, फटाशिल आमबारी बूढ़ा मस्जिद, आठगांव कब्रिस्तान मस्जिद, दक्षिणगांव ईदगाह मैदान, गाड़ीगांव, हातीगांव, भांगागढ़ सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान सामूहिक नमाज के लिए ईदगाहों को सजाया गया। रमजान के पवित्र महीने के अंत में चांद देखे जाने के बाद ही ईद मुबारक के संदेश की घोषणा की जाती है। प्रेम और भाईचारे का संदेश देने के साथ एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी जा रही है। इस त्योहार में रमजान के पूरे महीने मुस्लिम समाज के लोग मन के सभी नकारात्मक विचारों, बुराइयों को दूर करने और पवित्रता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए उपवास रखते हैं। एक महीने के उपवास के अंत में संयम, ईमानदारी और सद्भावना के साथ, हर कोई पवित्र ईद मनाता है। इतिहास के अनुसार इस त्योहार की शुरुआत स्वयं इस्लाम के पैगंबर हजरत मोहम्मद ने की थी। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य के अन्य हिस्सों की तरह कोकराझाड़ जिला के अंतर्गत फकीराग्राम, चिथाला, सापटग्राम, दोतमा, गोसाईगांव आदि इलाकों में पूरे उत्साह के साथ ईद-उल-फितर मनाई गई। आज सुबह से ही इलाके के लगभग 60 से अधिक ईदगाह मैदानों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने नमाज अता की। इस मौके पर मिठाइयों एवं खिलौने की दुकानों पर भी काफी भीड़ देखी गई। नमाज के बाद सभी एक-दूसरे के गले लगकर ईद की शुभकामनाएं दीं। कोकरझाड़ जिला के फकीराग्राम मागुरमारी ईदगाह मैदान, फकीराग्राम जामा मस्जिद में स्थानीय लोगों नमाज अता की। सभी ने संपूर्ण विश्व के साथ असम और बोड़ोलैंड में शांति बहाली और एक-दूसरे के साथ भाईचारे से जीवन व्यतित करने की दुआ मांगी गई। ईद के इस मौके पर कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम समेत सभी इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार देशभर के साथ-साथ होजाई में भी ईद-उल-फितर का महापर्व मनाया गय। इस मौके पर हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्म के लोगों ने होजाई, नीलबागान, उदाली, जोगीजान, मुड़ाझाड़, गोपालनगर, कपास बड़ी, लंका, लमडिंग आदि जगहों में हर्षोल्लास के साथ इस पावन पर्व को मनाया। होजाई ईदगाह मैदान में हजारों की संख्या में मुसलमानों ने आज सुबह ईद की नमाज अदा की। इस दौरान ईदगाह मैदान की तरफ जाने वाले रास्ते को रंग-बिरंगे ध्वज व तोरण द्वार से सजाया गया जिससे उसकी शोभा देखते ही बनती थी। ईद की नमाज के बाद बच्चे, युवा, बुजुर्ग आपस में मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। शहर में आज बच्चों ने जमकर खरीदारी की एवं हर्षोल्लास के साथ आपस में एक-दूसरे के साथ मिलकर पर्व का आनंद लिया। वहीं होजाई बाजार में बच्चों की काफी चहल कदमी देखी गई, खाद्य वस्तुओं, खेल वस्तुओं की किस्मों की खरीद करके व उत्सव का आनंद ले रहे थे। गौरतलब है दोपहर को हुई बारिश ने पर्व के जोश कुछ कम किया फिर भी बच्चों में उत्साह कम नहीं हुआ। **नगरबेड़ा** से हमारे संवाददाता के अनुसार देशभर में ईद उल-फितर की नमाज के साथ-साथ कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर नगरबेड़ा में भी मनाई गई ईद-उल-फितर। इस मौके पर नगरबेड़ा, रंगेश्वरी, तुपामारी, जमलाई, कल्याणपुर, नाईटर, खमेरी, पलाहरतरी, बदला, रंगापानी, बरुवा-बलिझाड़, बामुनबाड़ी, मालीबाड़ी, डालागांव, भखुराड़िया, मंदिरा एनसी आदि सभी ईदगाहों में वे पवित्र ईद-उल फितर की नमाज आद की गई। इसके अलावा इस्लाम धर्मावलंबियो ने अल्लाह से प्रार्थना करते हुए विश्व शांति और भाईचारे के लिए प्रार्थना की। साथ ही रिश्तेदारों के अलावा पूरी मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसी तरह नगरबेड़ा से सटे बरपेटा जिले के ग्रेटर आलोपति, बाघमारा, कासुमारा, अंडाभांगा, महसरा, खोलाबांधा, मोइराडिया, पाथिमारी, कराईखैती, माजरचर, कालैरदिया, निसांचर में भी ईद-उल-फितर की सामूहिक नमाज अदा करने के साथ-साथ उन लोगों ने भी विश्व शांति के लिए अल्लाह से मोनाजात किया।

बोरझाड़ हवाई अड्डे पर डेढ़ किलो सोना जब्त, तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बोरझार स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री के पास से भारी मात्रा में सोना जब्त किया गया है। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार गुवाहाटी से दिल्ली के लिए एयर एशिया फ्लाइट से दिल्ली जाने के लिए एयरपोर्ट में प्रवेश करते समय सीआईएसएफ ने करीब डेढ़ किलो वजन का सोना जब्त किया है। खबरों के मुताबिक मणिपुर के एक हवाई यात्री के पास से सोना जब्त किया गया है। यात्री की पहचान सुबचन्द्रक सिंह के रूप में की गई है। यात्री को फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सीआईएसएफ ने आरोपी को असम पुलिस को कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया है।

प्रकाश प्रधान ने बॉडी बिल्डिंग में जोरबाट का नाम किया रोशन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट निवासी प्रकाश प्रधान बॉडी बिल्डिंग खेल में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहे हैं। हाल में ही उत्तराखंड में आयोजित फेडरेशन कप नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2023 में 80 किलो भार वर्ग में प्रकाश प्रधान ने गोल्ड मेडल जीतकर असम का नाम रौशन किया। प्रकाश प्रधान द्वारा गोल्ड मेडल जीतने के बाद जब वह घर पहुंचे तो जोराबाट और बर्नीहाट क्षेत्र के युवाओं के एक समूह ने बर्नीहाट से नौ माइल तक रैली निकालकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले प्रकाश प्रधान को बधाई दी। प्रकाश प्रधान मिस्टर सरायघाट- 2023 का खिताब हासिल किया और 2022 में आयोजित मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे। क्षेत्र की युवा पीढ़ी अब इस प्रतिष्ठा को हासिल करने के लिए उत्साहित है। स्थानीय लोगों ने आह्वान किया है कि नई पीढ़ी नशा और अन्य नशीले पदार्थों को छोड़कर स्वस्थ शरीर और समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़े।

अभिनेत्री निशिता गोस्वामी ने डायमंड व पोल्की के एक्सक्लूसिव शोरूम *ज्वेलरी हब* का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। देश की अग्रणी व सबसे भरोसेमंद डायमंड ज्वैलरी ब्रांड *ज्वेलरी हब* के एक्सक्लूसिव शोरूम का उद्घाटन शनिवार को उलूबाड़ी स्थित आस्था प्लाजा में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में असमिया फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री निशिता गोस्वामी, विशिष्ठ अतिथि जीएसटी मुख्य आयुक्त योगेंद्र गर्ग ने शोरूम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर शोरूम के पार्टनर विजय सराफ, पार्टनर राहुल सिंघल, पाटनर श्याम सुंदर कनोई, पूनम सराफ, प्रीति अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। करीब 2000 वर्ग फुट में फैले डायमंड व पोल्की आभूषणों के इस एक्सक्लूसिव शोरूम के पार्टनर विजय सराफ ने कहा कि पूर्वोत्तर का यह पहला शोरूम हैं जहां शादी या उत्सवों से पूर्व युवती एवं महिलाएं शोरूम में मौजूद ब्राइडल स्टूडियो (विशेष कक्ष) में हीरे के आभूषणों को पहनकर देख सकती है। हमारे शोरूम में ग्राहक हीरे को पूरी तरह से ठोक बजा कर खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने ग्राहकों को एक शानदार अनुभव देना चाहते हैं जहां हम उन्हें सबसे अच्छे हीरे के आभूषणों को लेटेस्ट डिजाइन व कस्टमाइज करने में सक्षम हैं। हमारे शोरूम में विशेष रूप से डिजाइन किए गए गुणवत्ता वाले डायमंड और पोल्की के गहने ग्राहकों के बजट अनुसार उपलब्ध हैं। हमारा उद्देश्य न केवल उत्तम आभूषण संग्रह के साथ ग्राहकों को प्रदान करना है, बल्कि ज्वेलरी से जुड़ी एंड टू एंड सर्विसेज उपलब्ध कराना हमारा मूल्य लक्ष्य भी हैं। इस मौके पर पार्टनर राहुल सिंघल ने बताया की विनिर्माण इकाई व ज्वैलरी पैलेस नामक पहला शोरूम सूरत में है। ज्वेलरी हब ग्राहकों को आईजीआई प्रमाणित के साथ सभी हीरे के आभूषणों में हॉलमार्क युक्त देते है और हम पोल्की ज्वेलरी को भी ग्राहकों की मांग पर प्रमाणित करते हैं।

इंडिगोरीच और ग्रामीण सहारा ने असम में महिलाओं को सशक्त बनाया

गुवाहाटी। इंडिगो के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) आर्म, इंडिगोरीच ने 2018 में एक नॉन प्रॉफिट सोसायटी, ग्रामीण सहारा के साथ साझेदारी की है, जिसके अंतर्गत असम-मेघालय सीमा क्षेत्रों में महिला किसानों को सशक्त बनाया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक खेती और हल्दी, अदरक, काली मिर्च, एवं मिर्च जैसे इस क्षेत्र के स्थानीय मसालों को बढ़ावा देकर गरीबों एवं वंचितों की आजीविका बढ़ाना है। यह प्रोजेक्ट बड़ा प्रभाव उत्पन्न कर चुका है, और (लक्ष्य के अनुरूप 1500 की बजाए) 1670 प्रतिभागी महिलाओं को बेहतर क्षमता द्वारा लाभ पहुंचाया है, और 1155एकड़ जमीन को मसालों की खेती के साथ इंटीग्रेटेड क्रॉपिंग विधियों के अंतर्गत लाया गया है। इससे

इस पहल के अंतर्गत लक्षित परिवारों की आय में तीन गुना वृद्धि हुई है और उनकी औसत वार्षिक आय 2018 में 42, 000 रु. (बेसलाईन) से बढ़कर 30 सितंबर, 2022 को 1, 04, 560 रु. हो गई है। इस परियोजना के फलस्वरूप किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी), प्रतिश्रुति प्योर एग्रो प्राईवेट लिमिटेड (पीपीएपीएल) का गठन सामुदायिक समूह के साथ किया गया था, जिसमें ग्रामीण महिला किसान अंशधारक थीं। पीपीएपीएल एक कमर्शियल आउटलेट है, जो कृषि उत्पाद की बिक्री करता है, जिससे परियोजना द्वारा एक सस्टेनेबल मॉडल का निर्माण होता है। इसके अलावा, क्षेत्र में उन सभी किसानों को सपोर्ट करने के लिए एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना की गई, जो अपने कृषि उत्पाद को प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वैल्यू एडिशन के लिए लेकर आते हैं। इससे किसानों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण करने में मदद मिलती है। सीएफसी को मध्यम और छोटे उद्यमों के मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार का सहयोग प्राप्त है। इंडिगो ने 2018 में ग्रामीण सहारा के साथ साझेदारी की और तब से ही संगठनों के साथ काम कर रही है। इस कार्यक्रम की सफलता उस सकारात्मक प्रभाव का प्रमाण है, जो कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी अभियान समुदायों के लिए ला सकते हैं और इससे प्रदर्शित होता है कि सस्टेनेबल मॉडल दीर्घकालिक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम में रोहिणी भाटिया (अध्यक्ष, इंटरग्लोब फाउंडेशन) और पीटर एल्बर्स (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इंडिगो) शनिवार, 22 अप्रैल, 2023 को छायगांव में सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) में।

पति ने पत्नी पर किया हमला अस्पताल में तोड़ा दम

जोरहाट (हिंस)। पति द्वारा जानलेवा हमले में पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया जहां से उसको भेज दिया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया है कि जोरहाट जिला के टियक पुलिस थानांतर्गत आखैदिसा चाय बागान में कथित तौर पर पति ने अपनी पत्नी की बुरी तरह से पिटाई कर दी जिसके चलते अस्पताल में इलाजरत अवस्था में उसकी मौत हो गई।

सांस्कृतिक व उद्यमिता क्षेत्र के दो महानुभावों का सम्मान

गुवाहाटी। गुवाहाटी के खानापाड़ा पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित रोंगाली उत्सव का तीसरा दिन सभी आगंतुकों के लिए शानदार रहा और असम और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की अनूठी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई रोमांचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह महोत्सव अब तक एक बड़ी सफलता रही है, जिसमें पिछले तीन दिनों में लगभग एक लाख दर्शक पहुंचे हैं। महोत्सव में पहुंचे लोगों को उत्साहित देखा गया और आगंतुकों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की अनूठी संस्कृति के बारे में अधिक जानने में गहरी रुचि दिखाई है। महोत्सव के आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले श्याम कानू महंत ने कहा कि रोंगाली सिर्फ

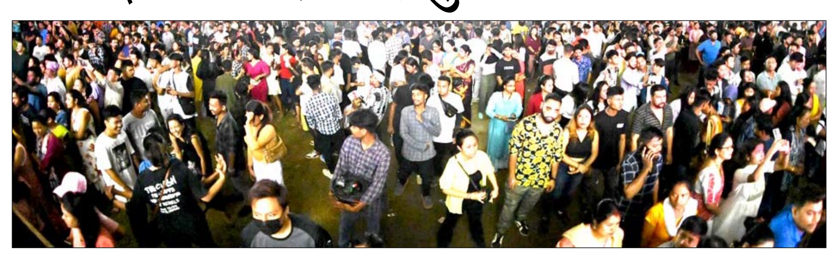

एक महोत्सव नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर क्षेत्र की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। हम जनता की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखकर रोमांचित हैं, और हम आने वाले दिनों में इस तरह के आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र की अनूठी संस्कृति को बढ़ावा देना जारी रखने की उम्मीद करते हैं। महोत्सव में आज मास्टर शेफ इंडिया 2023 की रनर अप शांता शर्मा, मनोरंजन को बढ़ावा देने के लिए संजीव नारायण को सम्मानित किया गया।

गुवाहाटी हवाई अड्डा सहित कई इलाकों मना पृथ्वि दिवस

गुवाहाटी। लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, गुवाहाटी में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। जीआईएएल ग्रुप ने विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर एयरपोर्ट के आसपास की सफाई की। मुख्य विमानपत्तन अधिकारी उत्पल बरुवा और एयरलाइन अधिकारियों सहित हवाई अड्डे के सभी सहयोगियों ने स्वच्छता अभियान के दौरान संयुक्त रूप से उनकी सहायता की है। सीआईएसएफ कमांडेंट लालमोहन ठाकुर भी अपने सहयोगियों के साथ उपस्थित थे। विश्व पृथ्वी दिवस का मुख्य उद्देश्य हवाई अड्डों पर प्लास्टिक को पूरी तरह से खत्म करना है। *नो प्लास्टिक जोन* के संदेश को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य एजेंडा में से एक दिन को उल्लेखनीय बनाने के लिए हवाई अड्डे के परिसर में 500 से अधिक पेड़ लगाना था। **हमारी संवाददाता के अनुसार** पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण कामरूप मेट्रो ने नखराली बाईसा फाउंडेशन टीम के सहयोग से धरती माता को बचाने के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया। जिसमें 40 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। नखराली बाईसा फाउंडेशन की संस्थापक सदस्या एवं अधिवक्ता खुशबू वर्मा ने बताया की पृथ्वी को बचाने हेतु जागरूकता फैलाने के लिए दिघलीपुखुरी और पान बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर, दिघलीपुखुरी पार्क से शुरुवात कर लताशील पुलिस स्टेशन, गौहाटी उच्च न्यायालय, मेघदूत भवन और जिला एवं सत्र न्यायालय होते हुए विभिन्न प्रदूषणकों के दुष्प्रभाव से धरती को बचने हेतु नागरिको को जागरूक किया और पर्यावरण को अधिक स्वस्थ बनाने के लिए फल और फूल के पौधे लगाए। कार्यक्रम को सफल बनाने मे कौशिक गुहा का विशेष सहयोग रहा।

धूमधाम से मना श्री परशुराम भगवान का जन्मोत्सव

गुवाहाटी। भगवान विष्णु के छठे अवतार राज राजेश्रर चिरंजीवी भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव (अक्षय तृतीया) परशुराम भवन में मनाया गया। सबसे पहले दीप प्रज्ज्वलित करके फिर भगवान का पूजन एवं आरती की गई। उसके पश्चात बड़ी संख्या में उपस्थित सभी वधु वाधुका की प्रसाद वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सतीश बठाठरा, बजरंग बनछिया, बजरंग काइचाम, गीर्चन, रिनवा, राम पिपलवा, रवि, जोशी, केशव, काछवाल महेश, भागलछारा, महेश जोशी, समाज के काफी संख्या में विप्र बंधु एवं मातृ शक्ति, साथ ही कार्यक्रम में महामंत्री बजरंग लाल बंसिया, पुष्पा शर्मा, भगीरथजी पीपलवा, महेश कुमार जोशी, महेश मंगलहारा, सतीश भूधाधरा, गोरधन रिणवा, जुगल किशोर भूधरा, बजरंग लाल कच्छवाल, हनुमान प्रसाद भटिवारा, रमेश माटोलिया, अजीत कुमार शर्मा, कृष्णा शर्मा, रतन कुमार मंगलहारा, किरण शर्मा, श्रीराम पिपलवा, बालमुकुंद जोशी, नरेश कुमार शर्मा, नेमीचंद माटोलिया, राजकुमार शर्मा, रामप्रताप माटोलिया, बिशांत माटोलिया, रामपूजन दुबे, गौरीशंकर सेवदा, बनवारी लाल मंगलहारा, महेंद्र कुमार चोटिया, राजेश नोवल, कैलाश कच्छवाल, अमित कुमार चोटिया, अनिल चोटिया, जुगल किशोर पाण्डेय, अशोक सेवदा, प्रिय मुना सेवदा, शिव कुमार सोती, रवि सोती, मांगीलाल रुंथला, हर्षित सोती, हर्षवर्धन मंगलहारा, कमल माटोलिया, मनोज भूधाधरा, विजय कुमार शर्मा, बजरंग लाल बंसिया (कालापहाड़), राजेंद्र प्रसाद जोशी, सुशील बंस, सांवरमल व्यास, कैलाश माटोलिया, मनोहर लाल शर्मा, राज कुमार बील, लोकेश शर्मा, मानव शर्मा, मानश शर्मा और राघव माटोलिया उपस्थित थे।

पुंछ के आतंकी हमले के पीछे थी जी-20 समिट बैठकों को रद्द कराने की साजिश

- सात आतंकियों को खोजने के लिए 2000 कमांडो को सर्च ऑपरेशन में लगाया गया
- ड्रोन और हेलीकॉप्टरों के जरिए ऑपरेशन में सेना ने 'शूट एट साइट' के ऑर्डर दिए

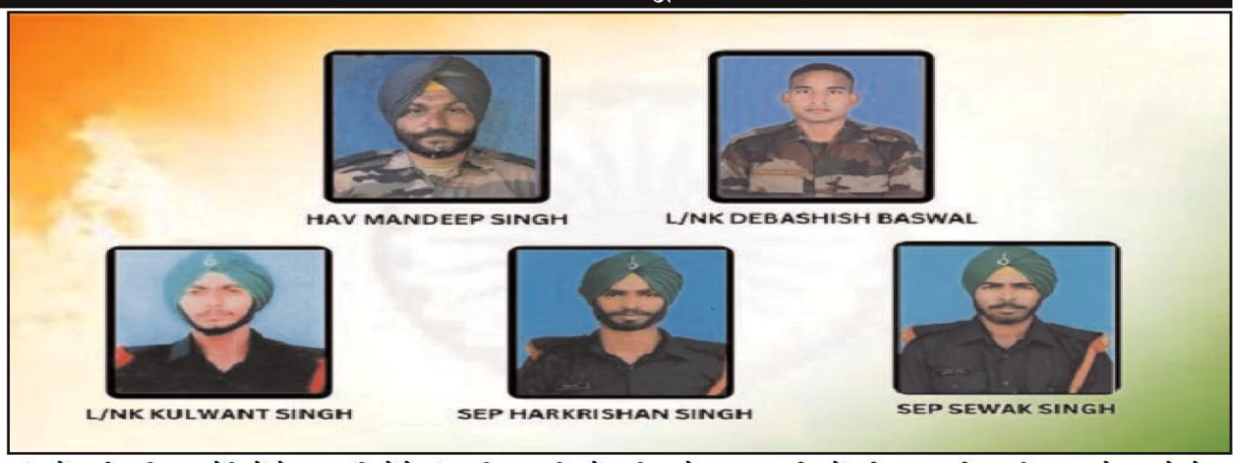

नई दिल्ली, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के ट्रक पर हुआ आतंकी हमला इसी माह लेह में और अगले महीने श्रीनगर में होने वाली जी-20 समिट की बैठकों को रद्द कराने की साजिश के तहत किया गया था। खुफिया एजेंसियों की जांच में खुलासा हुआ है कि आतंकियों ने ट्रक पर करीब 36 राउंड गोलियां दागी थीं और हमले के लिए स्टिकी बम का इस्तेमाल किया था। हमले को अंजाम देने वाले 7 आतंकियों को खोजने के लिए 2000 कमांडो को सर्च ऑपरेशन में लगाया गया है। ड्रोन और हेलीकॉप्टरों के जरिए अंजाम दिए जा रहे ऑपरेशन में सेना ने 'शूट एट साइट' के ऑर्डर दिए हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का सफाया करने के लिए भारतीय सेना की यूनिट राष्ट्रीय राइफल्स ने बीते कुछ सालों से 'ऑपरेशन ऑल आउट' चला रखा है। इसीलिए इसी यूनिट के जवान हमेशा आतंकियों के निशाने पर रहते हैं। 20 अप्रैल को हुआ आतंकी हमला भी राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों पर हुआ, जिसमें हवलदार मनदीप सिंह, लांस नायक देबाशीष बसवाल, लांस नायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकृष्ण सिंह और सिपाही सेवक सिंह शहीद हुए। जांच में जुटीं खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है कि आतंकियों ने इस हमले को मई, 2022 में हुए 'कटरा बस अटैक' की तर्ज पर अंजाम दिया है। गृह मंत्रालय और एनआईए को साझा की गई इस रिपोर्ट में बताया गया कि आतंकियों ने ट्रक पर करीब 36 राउंड स्टील बुलेट दागी थीं और हमले में स्टिकी बम का भी इस्तेमाल किया था। फॉरेंसिक टीम और एनआईए ने घटनास्थल से सभी सैंपल ले लिये हैं। जांच टीम को ट्रक से 2 ग्रेनेड पिन और मिट्टी के तेल के वाष्प मिले हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कि इस आतंकवादी हमले को सात आतंकियों ने अंजाम दिया था, जिसमें तीन विदेशी हैं। सेना को इनपुट मिला है कि घटनास्थल के आसपास जंगलों में सातों आतंकवादी छिपे हैं, इसीलिए यहां गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

सेना के मुताबिक इस सर्च ऑपरेशन में ड्रोन और हेलीकॉप्टरों को भी लगाया गया है और आतंकियों को 'शूट एट साइट' के ऑर्डर दिए गए हैं। हमले का बदला लेने के लिए सेना ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अपना एक्शन शुरू किया है, जिसमें करीब 2000 कमांडो को लगाया गया है। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इसे जम्मू-कश्मीर में जी-20 सम्मेलन से पहले एक सुनियोजित हमला बताया जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब भारत इस साल जी-20 समिट की अध्यक्षता कर रहा है। इसके तहत लेह में 26 से 28 अप्रैल को और श्रीनगर में 22 से 24 मई को बैठक होनी है। इसी साल जनवरी-फरवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आर्मी यूनिट्स को एक एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें कश्मीर में होने वाले जी-20 समिट को देखते हुए बॉर्डर से घुसपैठ बढ़ने की आशंका जताई गई थी। कश्मीर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मस्जिदों के लाउडस्पीकरों पर सीमित अवधि के लिए जिहाद ब्रिगेड को प्रोत्साहित करने की घोषणा की जा रही है। घोषणाओं में कहा गया है कि कश्मीर में जी-20 शिखर सम्मेलन में खलल डालने के लिए जिहाद ब्रिगेड को हथियारों से लैस किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि हालांकि, इस अपील का असर कम होने की संभावना है लेकिन छोटे समूहों को प्रेरित करने और इस तरफ धकेलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को रीवा में, मप्र के 4.11 लाख लोगों को कराएंगे गृह प्रवेश

भोपाल (मप्र), (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 24 अप्रैल को रीवा आ रहे हैं। वो रीवा के एसएएफ ग्राउंड पर आयोजित गृह प्रवेशम् कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के चार लाख 11 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराएंगे। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी संदीप कपूर ने दी। जनसंपर्क अधिकारी कपूर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जल जीवन मिशन के 7573 करोड़ 64 लाख रुपये के कार्यों का शिलान्यास भी करेंगे। इसमें रीवा बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना, टमस समूह जल प्रदाय

योजना, सतना बाणसागर-2 समूह जल प्रदाय योजना, सीधी बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना और गुलाब सागर समूह जल प्रदाय योजना शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एकम समावेशी विकास वेबसाइट और मोबाइल ऐप की नेशनल लॉन्चिंग भी करेंगे। ई ग्राम स्वराज पोर्टल और पंचायत स्तर पर सामग्री क्रय के लिए जेम पोर्टल का भी राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया जाएगा। संदीप कपूर ने बताया कि रीवा में इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन, अमृत सरोवर, ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत विकसित होम स्टे, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, रीवा अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजना, बाणसागर परियोजना, व्हाइट टाइगर (सफेद शेर) और कृषि संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

राहुल गांधी ने सरकारी बंगला किया खाली, अधिकारियों को सौंपी चाभी

अजय कुमार

नई दिल्ली। लोकसभा सदस्यता समाप्त किए जाने के बाद राहुल गांधी ने शनिवार को 12, तुगलक लेन के सरकारी आवास को पूरी तरह खाली कर आवास की चाभी अधिकारियों को सौंप दी है। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सच बोलने की कीमत चुकाई है और आगे भी सच के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार हैं। राहुल ने कहा कि यह घर उन्हें देश की जनता ने दिया था। वह जनता को धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि वह अब अपनी मां सोनिया गांधी के आवास पर रहेंगे। राहुल आज जब अपना घर खाली करने पहुंचे थे तो उनकी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी के साथ पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने 2019 के

एक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। जिसके एक दिन बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। संसद सदस्य न होने के कारण ही राहुल गांधी से सरकारी बंगला खाली करने को कहा गया था। लोकसभा आवास समिति ने राहुल गांधी को सरकारी बंगला खाली करने के लिए बीते दिनों नोटिस दिया था। इसी नोटिस का जवाब देते हुए राहुल ने कहा था कि वह 12, तुगलक लेन के सरकारी बंगले को बिना किसी पूर्वाग्रह के आदेश का पालन करते हुए उसे खाली कर देंगे। बंगला खाली करने के लिए राहुल को एक माह का समय दिया गया था। जिसके बाद आज उन्होंने आवास खाली कर दिया। राहुल गांधी को 2004 में लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद 12, तुगलक लेन बंगला आवंटित किया गया था। तब से वह इसी आवास में रह रहे थे।

एमसीडी चुनाव में किया वादा पूरा कर रही है केजरीवाल सरकार : आप

अजय त्यागी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव से पहले जो वादा किया था उसे पूरा कर रहे हैं। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में मेयर डॉ. शैली ओबरॉय के साथ शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि केजरीवाल की ओर से एमसीडी चुनाव के दौरान किया गया एक और वादा पूरा हो गया है। व्यावसायिक संपत्तियों के कर को एमसीडी ने कम कर दिया है। किराए की व्यावसायिक संपत्तियों के यूज फैक्टर को 2 फीसदी से घटाकर 1.25 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा कॉलोनियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाकर और कॉलोनियों की श्रेणियों में बदलाव करके लोगों के भारी भरकम करों से राहत दी गई है। पांचवीं म्युनिसिपल वैल्यूएशन कमेटी की सिफारिशों को

AAM AADMI PARTY

लागू करने से दिल्ली वासियों को - 01 अप्रैल 2023 से इसका लाभ मिलने भी लग गया है। सौरभ ने कहा कि इसके अलावा कॉलोनियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं और कई कॉलोनियों की श्रेणियों में बदलाव लाया गया है। ओल्ड एज, होम बारातघर, सामुदायिक केंद्र, फार्म हाउस इन सभी के लिए अलग-अलग श्रेणी बनाई गई हैं। इसके अलावा किराए की जो संपत्तियां हैं उनके यूज फैक्टर को 2 फीसदी से घटाकर 1.25 फीसदी कर दिया गया है। इससे किराए की व्यावसायिक संपत्तियों को बहुत बडी राहत मिलेगी। बैंक्विट हॉल के यूज फैक्टर को घटाकर 06 फीसदी से 04 फीसदी भी कर दिया गया है। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर के यूज फैक्टर को घटाकर 03 फीसदी से 02 फीसदी कर दिया गया है। पीजी और हॉस्टल के यूज फैक्टर को 04 से घटाकर 02 फीसदी कर दिया गया है। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि इसके अलावा कॉलोनियों और सोसाइटियों को भी बहुत बड़ी राहत दी गई है। कॉलोनी और सोसायटी 100 फीसदी वेट वेस्ट को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करेगी तो उनको भी 05 फीसदी की रियायत दी गई है। इससे लोगों के ऊपर टैक्स का भार कम किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार है। आम आदमी पार्टी ने करदाताओं को हमेशा से बड़ी राहत दी है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली नगर निगम में दोबारा से एक बार राहत दी है। यह सभी करदाताओं के लिए बड़ी खुशी की बात है। आम आदमी पार्टी आने वाले समय में करदाताओं को राहत देती रहेगी।

दिल्ली की सड़कों पर 2025 तक दौड़ेंगी मोहल्ला बसें

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार का फोकस दिल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर है। इसे लेकर उन्होंने इस बार के बजट में योजनाओं का खाका पेश कर अच्छी खासी रकम का भी प्रावधान किया है। जिसमें केजरीवाल सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मोहल्ला क्लिनिक की तर्ज पर मोहल्ला बस चला कर राजधानी की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाने की योजना है। जिसे लेकर सरकार के परिवहन मंत्रालय ने कवायद भी शुरू कर दी है। दिल्ली के लोगों को उनके घर के पास तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सके और कॉलोनी-मोहल्लों की सड़कों पर आसानी से बसों का आवागमन हो सके। इसके लिये लोगों के घरों के आसपास 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों को चलाया जाएगा। इसके तहत 2025 तक 2,180 एसी इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सोमवार को मोहल्ला बस योजना की रूपरेखा विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ वर्चुअल परामर्श कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वैश्विक विशेषज्ञों ने आप सरकार की मोहल्ला बस योजना का स्वागत किया और इसे लास्ट माइल कनेक्टिविटी की समस्या को हल करने की दिशा में गेम चेंजर माना। बैठक में विशेषज्ञों ने दुनिया भर में अपने अनुभवों के आधार पर मोहल्ला बस योजना के विभिन्न पहलुओं सेवा डिजाइन, औसत मार्ग की लंबाई, किराया डिजाइन, किराया एकीकरण व ब्रांडिंग आदि पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

खुद्दार हैं सिंधिया, कांग्रेस में छोटेपन और ओछेपन की होड़ : शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान का कहना है कि कांग्रेस में हर नेता दूसरे नेता को छोटा करने के लिए बड़ा बयान देना चाहता है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह भी इस होड़ में शामिल है। उन्होंने कहा कि हृदिग्विजय सिंह जी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आये सिंधिया जी और उनके साथियों को गद्दार बता रहे है, सच यह है कि ये लोग खुद्दार हैं। आखिर ये लोग कांग्रेस में कितना अपमान सहते। चुनाव लड़ा सिंधिया जी के नाम पर और मुख्यमंत्री बना दिया बुजुर्ग कमलनाथ जी को, और सरकार भी कमलनाथ जी नहीं बल्कि पर्दे के पीछे से दिग्विजय सिंह चला रहे थे। कमलनाथ जी तो नाममात्र के चेहरे थे। बार-बार सिंधिया जी और उनके साथी जन समस्याओं की तरफ ध्यान दिला रहे थे। पर कमलनाथ जी का अहंकार इतना बड़ा था कि जब सिंधिया जी ने कहा कि हम सड़कों पर उतरेंगे तो कहा उतर जाओ। मुख्यमंत्री चौहान ने आगे कहा कि कमलनाथ जी में घमंड इतना भर गया था कि वे कहते

थे कि जिन्हें जाना है मैं उन्हें अपनी गाड़ी में बैठा कर दूसरी पार्टी में छोड़ आऊंगा। कोई भी खुद्दार व्यक्ति यह कैसे बर्दाश्त करता। शिवराज चौहान ने कहा कि एक बात मैं जोर देकर कहना चाहता हूं कि अगर वह गलत लोग होते तो जनता उनको हजारों वोटों से कैसे जीताती? जो कांग्रेस में रहकर हजार-दो हजार वोटों से जीते थे, वह भाजपा में आकर 50-60 हजार वोटों से चुनाव जीते। उन्होंने इस्तीफा दिया, चुनाव लड़ा और शान से जीत कर आए। लेकिन कांग्रेस में तो छोटेपन और ओछेपन की होड़ लगी हुई है। हर नेता दूसरे नेता को छोटा करने के लिए बड़ा बयान देना चाहता है। कमलनाथ जी और दिग्विजय सिंह जी भी इस होड़ में शामिल है। कांग्रेस का क्या होगा भगवान मालिक है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही शुक्रवार को उज्जैन में दिग्विजय सिंह ने बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि हे महाकाल, कांग्रेस में कोई दूसरा ज्योतिरादित्य सिंधिया पैदा न हो। इस पर जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शाम को ट्वीट किया कि- हे प्रभु महाकाल, कृपया दिग्विजय सिंह जी जैसे देश-विरोधी और मध्यप्रदेश के बंटाधार, भारत में पैदा ना हो।

नक्सली मुठभेड़ में सफलता के लिए दी बधाई - इसके अलावा मुख्यमंत्री चौहान ने बालाघाट के गढ़ी क्षेत्र में हॉक फोर्स एवं बालाघाट पुलिस की नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में दो दुर्दांत महिला नक्सली के मारे जाने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मैं बालाघाट की पुलिस, हॉक फोर्स और बाकी सभी जिला पुलिस बल को बधाई देना चाहता हूँ। एनकाउंटर में 2 दुर्दांत नक्सली और मारे हैं, जिन पर 14-14 लाख का इनाम घोषित था। सवा साल में यह चौथा एनकाउंटर था। यह हमारी पुलिस की वीरता, सजगता है।

ईद की नमाज में शामिल होकर ममता ने कहा, शांति से मनाएं त्योहार, बहकावे में न आएं

कोलकाता, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहां रेड रोड में शनिवार सुबह आयोजित ईद की नमाज में शामिल होकर सभी को ईद की मुबारकबाद दी। मुख्यमंत्री के साथ उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी भी थे। इस मौके पर ममता ने कहा, 'सब लोग शांति से रहें। किसी बहकावे में न आएं। भाजपा बंगाल में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही है। मैं किसी भी तरह से बंगाल में अशांति बर्दाश्त नहीं करूंगी।' केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए ममता ने कहा, 'जब लोकतंत्र जाता है, तो सबकुछ जाता है। आज देश का संविधान और इतिहास बदल रहा है। उन्होंने (केंद्र) एनआरसी लाने की बात कही। लेकिन मैं कुछ नहीं होने दूंगी। मैं नहीं झुकूंगी। हम लड़ेंगे, हम डरेंगे नहीं।' उन्होंने कहा कि अगर किसी को लगता है कि मुस्लिम वोट मुझसे टूट जाएगा, तो यह संभव नहीं। उन्होंने सभी से 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में सत्ता परिवर्तन के लिए मतदान

करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'भाजपा बांटने की राजनीति करती है। एक साल बाद लोकसभा चुनाव है। सरकार में कौन रहेगा, यह तय होगा। आगामी लोकसभा चुनाव में आप सभी मिलकर मतदान करेंगे।' मुख्यमंत्री ने सभी को एकजुट होने का संदेश देते हुए कहा, अगर सब एकजुट हो जाएं तो केंद्र की सत्ता पलट सकती है। केंद्र पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए ममता ने कहा, 'हमें केंद्रीय जांच एजेंसियों से भी लड़ना है। हमें और परेशान किया जाएगा लेकिन हम लड़ने के लिए तैयार हैं।' अभिषेक ने भी यह कहते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा कि जो लोग देश को बांटना चाहते हैं उनका अंत भला नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'जो देश को बांटना चाहते हैं उनका क्या होगा यह आने वाले दिनों में स्पष्ट हो जाएगा। कई लोग धर्म के नाम पर मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रलोभन में ना जाएं। बंगाल में धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं है। इसीलिए बंगाल अन्य सभी राज्यों से अलग है।'

सीबीआई ने भेजा सत्यपाल मलिक को नोटिस, कांग्रेस ने कसा तंज

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने दावा किया है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। हालांकि, सीबीआई ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि सत्यपाल मलिक ने बीते दिनों मोदी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिसकी वजह से मोदी सरकार मलिक से नाराज है और सीबीआई के जरिये उन्हें चुप कराना चाहती है। खेड़ा ने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पूरा देश इंतजार कर रहा है कि पुलवामा हमले पर सत्यपाल मलिक ने जो खुलासा किया है, उसपर सरकार कुछ बोले। लेकिन मोदी सरकार चुप है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों सत्यपाल मलिक ने एक साक्षात्कार के दौरान कश्मीर एवं गोवा में भ्रष्टाचार के साथ-साथ पुलवामा हमले को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी, जिसको आधार बनाकर कांग्रेस पार्टी लगातार जांच की मांग कर रही है।

दिल्ली की अदालतों में 9 साल में सात आपराधिक घटनाएं

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट में जिस तरह से एक महिला से निलंबित वकील ने पहले अदालत परिसर के अंदर हाथापाई की फिर उसे दौड़ा-दौड़ाकर गोलियां मारी उसे पूरे देश ने देखा। निलंबित वकील ने महिला को कुल चार गोलियां मारी जिसमें से उसे तीन गोली लगी, दो पेट और एक हाथ में। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि दिल्ली की अदालतों में ऐसी आपराधिक घटना हुई हो। बीते 9 साल में कुल सात आपराधिक वारदातें दिल्ली के अलग-अलग अदालतों में हो चुकी हैं, जिसमें एक गैंगस्टर और एक पुलिसवाले की मौत तक हो चुकी है। 22 अप्रैल 2022 को रोहिणी कोर्ट में वकील और

सुरक्षाकर्मी के बीच बहस के दौरान गोली चली, जिसमें दो वकील घायल हुए। 3 दिसंबर 2022 को अरमान नाम के गैंगस्टर ने कड़कड़डूमा कोर्ट के गेट नंबर चार पर की हवाई फायरिंग । 9 दिसंबर 2021 को रोहिणी कोर्ट परिसर के अंदर कोर्ट नंबर 102 में बम धमाका हुआ था। 24 सितंबर 2021 को रोहिणी कोर्ट में गैंगस्टर जितेंद्र उर्फ गोगी की गोली मारकर हत्या। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों हमलावर ढेर।

ईसरो पर और मजबूत हुआ दुनिया का विश्वास, पीएसएलवी से अंतरिक्ष में भेजे सिंगापुर के दो सैटेलाइट

श्रीहरिकोटा, (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के नाम एक और कामयाबी दर्ज हो गई है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शनिवार दोपहर 2.19 मिनट पर पीएसएलवी-सी 55 रॉकेट से सिंगापुर की दो सैटेलाइट टीईएलईओएस-2 और ल्यूमलाइट-4 को पृथ्वी की कक्षा में सफलता पूर्वक स्थापित किया गया। इसकी उल्टी गिनती शुक्रवार दोपहर शुरू हो गई थी। इसरो की तरफ से इसकी जानकारी ट्वीटर पर साझा की गई थी जिसमें बताया गया था कि शनिवार को श्रीहरिकोटा से

पीएसएलवी रॉकेट पीएसएलवी-सी55 सिंगापुर के 741 किलो वजन वाले सैटेलाइट टीईएलईओएस-2 और 16 किलो वजन वाले ल्यूमलाइट-4 सैटेलाइट ऑर्बिट में भेजेगा। टीईएलईओएस-2 एक रडार सैटेलाइट है जिसे सिंगापुर के डिफेंस साइंड एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी ने बनाया है। इससे दिन-रात मौसम की सटीक जानकारी मिलेगी। दूसरी ल्यूमलाइट-4 काफी एडवांस सैटेलाइट है जिसे उच्च आवृत्ति डेटा विनिमय प्रणाली को प्रदर्शित करने के लिए विकसित किया गया है। इसे सिंगापुर की ई-नेविगेशन समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने और वैश्विक शिपिंग समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

चारधाम यात्रियों को ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप में किफायती दर पर मिलेगा खाना

-फीडिंग इंडिया जोमैटो ने ली जिम्मेदारी, संयुक्त पर्यटन सचिव ने फीता काटकर किया शुभारंभ

ऋषिकेश, (हि.स.)। उत्तराखंड सरकार के चार धामों में आने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को किफायती दर पर स्वच्छ खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा के चलते चार धाम के मुख्य द्वार ऋषिकेश के ट्रांजिट कैंप में फीडिंग इंडिया बाई जोमैटो के सहयोग से सस्ती रसोई (केदारनाथ जी यात्री भोजनालय) का शुभारंभ राज्य सरकार के संयुक्त पर्यटन सचिव योगेंद्र सिंह गंगवार ने फीता काटकर किया। शनिवार को ट्रांजिट कैंप में प्रारंभ की गई सस्ती दर पर रसोई का उद्घाटन करने के उपरांत योगेंद्र गंगवार ने उपस्थिति से कहा कि राज्य सरकार ने चार धामों पर आने वाले यात्रियों को सस्ते दर पर खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए घोषणा की थी। इसके अनुपालन में फीडिंग इंडिया बाई जोमैटो ने इस सेवा को देने के लिए पहल की है, जिसके अंतर्गत वह चारों धामों में यात्रियों को सस्ते दर

पर खाने-पीने के साथ शीतलपेय भी उपलब्ध कराएंगे। इस दौरान फीडिंग इंडिया बाई जोमैटो के अंजनी कुमार जाजोदिया ने बताया कि चारों धामों में उनकी संस्था की ओर से किफायती दर शुद्ध और वैष्णव भोजन यात्रियों को उपलब्ध करवाया जाएगा, ताकि उन पर आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने चारों धाम की यात्रा इस प्रकार की खाने पीने की उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश दिए हैं। जाजोदिया ने बताया कि उनकी संस्था ने पूरे भारत में कुपोषण मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत उनकी संस्था रात को भूखे सोने वाले लोगों की भुखमरी की समस्या को दूर करने के लिए निरंतर रूप से खाने का वितरण कर रही है। इसी के साथ उनकी संस्था बच्चों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा देने का कार्य भी कर रही है। इसके अतिरिक्त उनकी संस्था समाज सेवा के लिए अनेक कार्य कर रही है। इस प्रकार के कार्य की प्रेरणा देवी शक्ति से प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर अन्य लोग भी उपस्थित थे।

पहले भर्ती प्रक्रिया पर उठते थे सवाल, अब प्रतिभा को मिलता है सम्मान : आदित्यनाथ

– राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी के सिग्नेचर बिल्डिंग में राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। योगी ने राज्य की गैर-भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठते थे, लेकिन अब प्रतिभा को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 6 वर्षों में उ.प्र. पुलिस विभाग में एक लाख 64 हजार से अधिक पदों को पारदर्शी तरीके से भरा गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में जब हमने सूबे की कमान संभाली थी तो उस समय देखने को मिला था कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, उच्चतर शिक्षा चयन आयोग और माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग से जुड़ी परीक्षाओं में शिकायतों का अंबार लगा हुआ था। कई भर्ती प्रक्रियाओं में न्यायालय से स्टे चल रहा था। कुछ मामलों में कोर्ट ने गंभीर टिप्पणियां भी कर रखी थीं। उ.प्र. पुलिस में डेढ़ लाख पद खाली पड़े थे क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे था। योगी ने बताया कि उस समय मैंने अधिकारियों से कहा था कि भर्ती को लेकर जो भी कमियां हैं, उसे दूर करिए। पहले प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी। उस समय भर्ती प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद और जातिवाद का मुखौटा लगाकर योग्यता और प्रतिभा के साथ अन्याय होता था। ऐसे में हमने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी करने के लिए अच्छे ईमानदार लोगों की टीम तैयार की। आदित्यनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम में शिरकत करना मेरे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश के प्रशासन ने विगत 6 वर्षों के अंदर जो कुछ भी किया है उसे आप सभी के माध्यम से देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है। एक आदर्श समाज में संघ लोक सेवा आयोग हो या राज्यों के लोक सेवा आयोग हां, इन सभी की बड़ी भूमिका होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में अकांक्षात्मक जिलों की प्रक्रिया को नीति आयोग ने आगे बढ़ाया था, जिसमें 112 जनपद थे, इसमें आठ जनपद उत्तर प्रदेश के थे। नीति आयोग ने टॉप 10 राज्यों की सूची जारी की तो उसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल था और उसके 8 जनपद भी इसमें शामिल थे। पिछले 6 वर्षों में सरकार ने साढ़े पांच लाख नियुक्तियां की हैं। किसी भी नियुक्ति पर प्रश्नचिह्न नहीं खड़ा हुआ है। योगी ने कहा कि उ.प्र. की आबादी 25 करोड़ है, ऐसे में साढ़े पांच लाख सरकारी नौकरी से काम नहीं चलेगा। प्रदेश के कई युवा ऐसे हैं जो सरकारी नौकरी में नहीं जाना चाहते हैं, वह अपने सेक्टर में कुछ नया करना चाहते हैं। इस पर सरकार काम कर रही है। इसी के तहत प्रदेश के 75 जनपदों की मैपिंग कराई गई, जिसमें से 57 जनपदों के यूनीक प्रोडक्ट्स को नई पहचान दिलाई गई। वहीं 18 जनपदों के लिए भी तय किया है कि इन जनपदों के साथ भी कोई न कोई एक प्रोडक्ट जुड़ना चाहिए। ऐसे में वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट कार्य योजना को लागू किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में जहां कुल एक्सपोर्ट 86000 करोड़ था, आज वह लगभग दो लाख करोड़ तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोडक्ट को डिजाइन करने के साथ उसे पैकेजिंग से जोड़ा गया। उसे हर तरह से प्रोत्साहित किया गया। लोगों को ट्रेनिंग दी गई, उन्हे बैंकों से जोड़ा गया। इतना ही नहीं, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से प्रदेश के कारीगरों को टूल किट उपलब्ध कराई जा रही है। योगी ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था से काफी निवेश आया है। 10 से 12 फरवरी को प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया, जिसमें 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए। प्रदेश की कानून व्यवस्था के चलते देश और दुनिया का हर नागरिक उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहता है। जल्द ही दस लाख करोड़ की ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना कालखंड में लॉकडाउन के समय प्रदेश में सड़कों पर कामगार और श्रमिकों का रेला सभी ने देखा होगा। उस दौरान करीब 40 लाख कामगार और श्रमिक प्रदेश के अंदर आए हुए थे। सभी को सरकार ने प्रदेश में संचालित 96 लाख एमएसएमई यूनिट में समाहित कर दिया। बहुत से ऐसे राज्य थे जिन्होंने अपने कामगारों और श्रमिकों को लेने से इनकार कर दिया था। ऐसे में हमने उ.प्र. में रहने की व्यवस्था की। इतना ही नहीं नेपाल सरकार ने भी अपने लोगों को लेने से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान भी उद्योग धंधे चलते रहे। उसी का परिणाम है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हुआ। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आशाओं की भरमार है। आज हर व्यक्ति के मन में इसको लेकर एक विश्वास पैदा हुआ है। कार्यक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के वरिष्ठ सदस्य राजीव नयन चौबे, लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला, स्टैंडिंग कमेटी ऑफ नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष जॉर्ज, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, पुलिस महानिदेशक राजकुमार विश्वकर्मा, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी के साथ ही देशभर के विभिन्न राज्यों के लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष मौजूद रहे।

जहां कभी सुनाई देती थी गोलियों की तड़तड़ाहट, आज वहां गूंज रहे हैं वेद मंत्र

खूंटी, (हि.स.)। उग्रवाद प्रभावित रनिया थाना क्षेत्र का कोटांगेर गांव, जहां पांच-सात वर्ष पहले तक नक्सलियों की गोली की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहलता था। पहाड़ों और हरे भरे जगलों के बीच इसी कोटांगेर गांव में आज वेद मंत्रोच्चार और घंट-शंख की ध्वनि और अखंड हरिकीर्तन की गूंज सुनकर एक सुखद अनुभूति होती है। इसी गांव में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस मनाया गया है। स्थापना दिवस कार्यक्रम शुक्रवार को कलश यात्रा और कई धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुरू हुआ था, जिसका समापन शनिवार को हवन, महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हो गया। 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन में 16 कीर्तन मंडलियों ने अपने न्त्य-संगीत के साथ हरिभजन कर लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। हालांकि शुक्रवार शाम से शुरू हुआ भंडारे का समापन रविवार सुबह होगा। इस बीच शनिवार रात को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। गांव के इस पंचमुखी मंदिर में भगवान राम के अनन्य भक्त वीर हनुमान की पूजा-अर्चना के लिए हर दिन सैकड़ों लोग पहुंचते हैं।

सचिवालय घेराव मामले में भाजपा नेताओं से धुर्वा थाने में हुई पूछताछ

रांची, (हि.स.)। भाजपा के 11 अप्रैल को सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान हुए उपद्रव को लेकर धुर्वा थाना में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश सहित अन्य नेताओं से पूछताछ हुई है। थाने में रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, कांके विधायक समरी लाल और प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाईक से बंद कमरे में पूछताछ हुई। इन नेताओं के अलावा कई और भाजपा नेता और कार्यकर्ता थाना पहुंचे। कार्यकताओं ने कहा कि अगर प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश को गिरफ्तार किया गया तो हम भी अपनी गिरफ्तारी देंगे। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव भी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार की पुलिस बेबुनियाद आरोप लगाकर हम पर कार्रवाई कर रही है। उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश पर कई धाराएं लगाई गई हैं। उन्हें 11 अप्रैल को सचिवालय घेराव कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न हुई स्थितियों और परिस्थितियों को लेकर 14 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था। 11 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने प्रोजेक्ट भवन का घेराव किया था। इस दौरान हजारों संख्या में भाजपा कार्यकर्ता जुटे थे। धुर्वा क्षेत्र के एक विशेष एरिया में धारा 144 लगाया गया था। इसके बावजूद भी भाजपा नेताओं ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। प्रशासन की तरफ से जो बैरिकेडिंग की गई थी उसे भी तोड़ते हुए भाजपा के नेता आगे बढ़ थे। इस दौरान प्रशासन की तरफ से लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े गए थे। आरोप है कि भीड़ की तरफ से कुछ लोगों ने पथराव किया था। लाठीचार्ज में कई लोगों को गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद उसी दिन देर रात मजिस्ट्रेट के बयान के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

बेगूसराय में 24 अप्रैल को होगा अखिल भारतीय पंचायत परिषद का राज्य सम्मेलन

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में 24 अप्रैल को अखिल भारतीय पंचायत परिषद का राज्य स्तरीय सम्मेलन होगा। यह सम्मेलन राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर अखिल भारतीय पंचायत परिषद के तत्वावधान में होगा। मां तारा कॉलेज विक्रमपुर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस सम्मेलन में राज्य भर के करीब तीन सौ प्रतिनिधि शामिल होंगे। मार्क्समैन में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी आयोजन समिति ने दी। कार्यक्रम संयोजक और भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष राज किशोर सिंह ने कहा कि ग्राम स्वराज की बात होती है तो पहला नाम महात्मा गांधी का आता है। महात्मा गांधी की विदाई के इतने वर्ष हो गए, उसके बाद भी ग्रामीण विकास में बापू का दर्शन लागू नहीं किया गया। अखिल भारतीय पंचायत परिषद पंचायती सरकार को तीसरी सरकार का दर्जा दिलाने को लेकर हमेशा संघर्ष करती रही है। पंचायती राज को 29 विषय का अधिकार तो दिया गया लेकिन उसे पंचायत में केवल झुनझुना बना दिया है। पंचायत के नाम पर फैसला अधिकारी लेते हैं, जो सरासर गलत हैं। इन विषयों में युवाओं के लिए सबसे जरूरी खेल को शामिल नहीं किया गया है। मनरेगा, शौचालय और नाला से कोई भी पंचायत मॉडल नहीं बनेगा। मॉडल बनने के लिए सभी विषयों पर इमानदारी पूर्वक कार्य करना होगा। राज्य स्तरीय सम्मेलन में बिहार के सभी जिलों से जिला परिषद अध्यक्ष, सभी जिला से एक-एक प्रमुख, बेगूसराय के सभी मुखिया, जिला परिषद सदस्य एवं सभी प्रमुख शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान चार सत्र आयोजित किया जाएगा। जिसमें महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खेल गतिविधि पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय महासचिव सोमेश चौधरी ने कहा कि 73वें संशोधन से पंचायती राज मिला लेकिन अभी तक सभी अधिकार नहीं मिलने से पंचायती राज सशक्त नहीं हो सका। ग्रामसभा को अपने हिसाब से खेल को उन विषयों में शामिल करने का अधिकार मिले। बिहार के जिस वैशाली ने दुनिया को पहला लोकतंत्र दिया। उसी बिहार में जब ग्राम पंचायत को सभी अधिकार नहीं मिलेंगे तो वह कैसे सशक्त होंगे।

अमृत महोत्सव पर्व से लेकर शताब्दी महोत्सव तक कमल ही खिला रहेगा : केशव प्रसाद मौर्य

--युवा मोर्चा का कार्यकर्ता भाजपा के जिगर के टुकड़े : उप मुख्यमंत्री

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा युवा सम्मेलन नगर निगम चुनाव केंद्रीय कार्यालय सिविल लाइन में आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के पर्व से लेकर शताब्दी वर्ष तक पूरे देश एवं प्रदेश में कमल ही खिलता रहेगा। हमें पूरा विश्वास है कि उत्तर प्रदेश में होने वाले सभी नगर निगम के चुनाव में सबसे ज्यादा मतों से हम प्रयागराज नगर निगम जीतकर आएंगे और तीर्थराज प्रयाग का गौरव बढ़ाने का काम करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने युवा मोर्चा कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा मोर्चा कभी रुकता नहीं, कभी थकता नहीं और जो संकल्प कर लेता है उसे जब तक पूरा नहीं कर लेता तब तक बैठता नहीं।

उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी का जिगर का टुकड़ा है। नगर निगम चुनाव को लेकर कहा कि युवाओं के बल पर प्रयागराज महानगर में इस बार ट्रिपल इंजन की सरकार बहुमत के साथ आएगी और 100 में 80 वार्डों में कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि जिन कार्यकताओं का टिकट कटा है, वे मायूस न हों, भारतीय जनता पार्टी उन्हें और भी बड़ी जिम्मेदारी देगी। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश और प्रदेश की तरह भ्रष्टाचार मुक्त प्रयागराज बनाएंगे। आने वाले 2025 के कुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रयागराज का विकास न्यूयॉर्क जैसा होगा और विकास के त्रिवेणी की धारा यहां पर बहेगी। उन्होंने सपा, बसपा, कांग्रेस के ऊपर तंज कसते हुए कहा कि नगर निगम प्रयागराज के चुनाव में इनका सूपड़ा साफ होगा और हर बूथों पर विकास का, खुशहाली का, समृद्धि का, नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ का कमल खिलेगा।

अंत में उन्होंने महापौर पद के उम्मीदवार गणेश केसरवानी और पार्षद पद के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष एवं भाजपा महापौर पद के प्रत्याशी गणेश केसरवानी ने कहा कि चुनाव हम नहीं ,युवा मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता लड़ने जा रहा है।

इसलिए जीत जो होगी सिर्फ कार्यकताओं की होगी। इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र के युवा मोर्चा अध्यक्ष शैलेंद्र मौर्य, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष रोहित पप्पू पांडे, गंगापार जिलाध्यक्ष नवीन सिंह पटेल, यमुनापार जिलाध्यक्ष सुधाकर पांडे ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को गदा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सचिन गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर सांसद केसरी देवी पटेल, विधायकगण प्रवीण पटेल, हर्षवर्धन बाजपेई, सुरेंद्र चौधरी, गुरु प्रसाद मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, पूर्व विधायक दीपक पटेल, प्रभाशंकर पांडे, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव संयोजक नगर निगम अवधेश चंद्र गुप्ता, कमलेश कुमार गौतम, राजेश केसरवानी, श्रवण जायसवाल, इंद्रजीत मौर्य, योगेश्वर शुक्ला, श्याम प्रकाश पांडे, पवन मिश्रा, शशांक शेखर पांडे, पार्षद आशीष गुप्ता, दिलीप केसरवानी, सिंटू मिश्रा, लव कुश केसरवानी, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल, हरीश तिवारी एवं युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अध्यापक पर छात्राओं से अश्लीलता करने का आरोप, बीईओ कर रहे जांच

जौनपुर (हि.स.)। जनपद के बदलापुर क्षेत्र के उदपुर गेल्हवा स्थित कंपोजिट विद्यालय में अध्यापक द्वारा छात्राओं से अश्लील हरकत करने का मामला प्रकाश में आया है। शिक्षक की हरकत से परेशान छात्राओं ने विद्यालय से नाम कटवा लिया है। इस प्रकरण में बीएसए ने जांच खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपी है। बदलापुर क्षेत्र के उदपुर गेल्हवा में स्थित कंपोजिट विद्यालय के शिक्षक ने विद्यालय में पढ़ने वाली कक्षा सात की छात्राओं से अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। मामले में प्रधानाध्यापिका सुमन सिंह के बताया कि ऊदपुर गेल्हवा विद्यालय पर कार्यरत अध्यापक अखिलेश कुमार सिंह छात्राओं से अश्लील हरकत किए जाने की शिकायत मिली है। शिक्षक द्वारा अश्लील हरकत करने के कारण छात्राओं ने कंपोजिट विद्यालय से नाम कटवा लिए। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि शिक्षामित्र व सहायक द्वारा मिली शिकायत के आधार पर इसकी शिकायत बदलापुर खंड शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र त्रिपाठी से की है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा.गोरखनाथ पटेल ने बताया कि सोशल मीडिया के द्वारा मुझे एक विद्यालय में छात्राओं से अश्लीलता की जानकारी प्राप्त हुई है। इस मामले में शिक्षक की हरकत पर जांच की जिम्मेदारी खण्ड शिक्षा अधिकारी को दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपी अध्यापक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

खनन घोटाला: दाहू यादव के पिता को कोर्ट में किया गया पेश, ईडी ने न्यायिक हिरासत में भेजा

रांची, (हि.स.)। एक हजार करोड़ के अवैध खनन घोटाला मामले में फरार चल रहे आरोपित दाहू यादव के पिता पशुपति यादव को शनिवार को रांची जज कॉलोनी स्थित ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा के आवासीय कार्यालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से अदालत ने दाहू यादव के पिता को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा कारागार भेज दिया। पशुपति यादव को साहिबगंज जिले के भारतीय कॉलोनी महिला कॉलेज के समीप से गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ ईडी स्पेशल कोर्ट से वारंट निर्गत किया था। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहली बार आठ जुलाई 2022 को दाहू यादव के ठिकानों पर छापेमारी की थी। दाहू यादव अंतिम बार 18 जुलाई को ईडी के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिरी दी थी। इसके बाद से वह फरार चल रहा है। ईडी ने मामले में उसके परिवार के सदस्यों को भी आरोपित बनाया है।

दाहू यादव और उसके भाई सुनील यादव फरार चल रहे हैं।दोनों के खिलाफ कुर्की जब्ती का वारंट निर्गत है। ईडी की टीम साहिबगंज में एक हजार करोड़ से अधिक अवैध खनन घोटाले मामले की जांच कर रही है। इस अवैध खनन घोटाले मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और उसके सहयोगी बच्चू यादव को पहले ही ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है।

फारबिसगंज-सहरसा रेलखंड पर दो ट्रेनों की मिली बोर्ड से मंजूरी

अररिया (हि.स.)। कुसहा त्रासदी के बाद पिछले 15 वर्षों से ट्रेनों के परिचालन की आस का बाट जोह रहे फारबिसगंज-सहरसा रेलखंड और 89 वर्षों के बाद फारबिसगंज-दरभंगा रेलखंड पर शीघ्र ही दो एक्सप्रेस जोड़ी प्रतिदिन दौड़ेगी। सीआरएस के इंस्पेक्शन में हरी झंडी मिलने के बावजूद ट्रेनों के परिचालन शुरू नहीं होने से सीमा क्षेत्र में लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा था और आंदोलन का रूप लेता जा रहा था। इसी क्रम में पिछले दिनों अररिया, सुपौल, सहरसा, दरभंगा समेत कई जिलों के लोगों ने ट्वीटर पर ट्रेन का परिचालन शुरू करने को लेकर ट्रेंड चलाया था। जिसमे 22 हजार से अधिक लोगों ने ट्वीट के माध्यम से प्रधानमंत्री, रेलमंत्री, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सहित जनप्रतिनिधियों से इस रेलखंड पर ट्रेन परिचालन शुरू करने की गुहार लगाई थी। परिणाम स्वरूप रेलवे बोर्ड में ट्रेनों के परिचालन को लेकर फंसा प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई। फिलहाल दो एक्सप्रेस ट्रेन के परिचालन को रैली बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गई है, लेकिन ट्रेन का परिचालन कब से शुरू होगा। इसकी तिथि तय नहीं की गई है। रेलवे मंत्रालय के रेलवे बोर्ड की ओर से दानापुर-जोगबनी डेली एक्सप्रेस और जोगबनी-सहरसा डेली एक्सप्रेस ट्रेन को भाया ललितग्राम और फारबिसगंज होते हुए फिलहाल परिचालन के लिए मंजूरी मिली है। केन्द सरकार के रेलवे मंत्रालय के रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा की ओर से बकायदा इसको लेकर पत्र भी जारी कर दिया गया है। पत्र में ट्रेन का परिचालन कब से शुरू होगा, इसका कोई जिक्र नहीं है।

हीट वेव से निपटने को तैयार योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस भीषण गर्मी से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। नगरीय और ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति करने के अलावा सिंचाई, पशुओं एवं पक्षियों के लिए पेयजल समेत तालाब एवं पोखरों की मरम्मत के कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने हीट वेव की आशंका के मद्देनजर निर्देश दिया है कि मुख्य विकास अधिकारी या एडीएम स्तर के अधिकारी को ग्रीष्म ऋतु के दौरान जलापूर्ति के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया जाए। वहीं लू से बचाव व तापमान को कम रखने के उपाय के रूप में कूल रूफ कॉन्सेप्ट (छत को सफेद रंग से पेंट करना) को बढ़ावा दिया जाए। मालूम हो कि सरकार ने यह तैयारी मौसम विभाग की उस चेतावनी के बाद शुरू की है, जिसमें 2023 में प्रदेश में हीट वेव का पूवानुमान जताया गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभागों को पेयजल आपूर्ति से संबंधित आवश्यक कार्यों को समय से पूर्ण कराने को कहा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सिंचाई विभाग को विशेष अभियान चलाकर समस्त ट्यूबवेल तथा सिंचाई के साधनों को चालू हालत में करने को कहा गया है। जल निगम क्षतिग्रस्त पाइप लाइन व लीकेज को ठीक कराएगा तथा ओवरहेड टैंक की सफाई का जिम्मा संभालेगा। ग्राम्य विकास को पशुओं के पेयजल के लिए तालाब एवं पोखरों को भरवाने की व्यवस्था का जिम्मा होगा। ग्राम्य विकास व जल निगम जिन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित होगी वहां जलापूर्ति के लिए पानी के टैंकरों की व्यवस्था करेंगे। ग्राम्य विकास विभाग ग्रामीण पेयजल योजनाओं का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करेंगे। वहीं वन विभाग वन क्षेत्रों में पशु-पक्षियों के लिए पेयजल आपूर्ति के लिए तालाब व झीलों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। शहरी क्षेत्रों में सिंचाई विभाग विशेष अभियान चलाकर समस्त ट्यूबवेल तथा जलापूर्ति के साधनों को चालू हालत में करने की व्यवस्था करेगा। नगर विकास विभाग व जल निगम पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित आबादी को टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाएगा। नगर विकास विभाग सार्वजनिक स्थलों, बाजारों में नगरीय निकायों के माध्यम से प्याऊ लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। इस कार्य में गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जा सकता है। जल के अनावश्यक उपयोग मसलन, गाड़ी धोने, नल को खुला छोड़ना इत्यादि को रोकने के संबंध में नगर विकास विभाग एडवाइजरी जारी करेगा। उसे लागू भी कराएगा। नगर विकास व श्रम विभाग कार्यस्थलों, निर्माण स्थलों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। विभिन्न पार्कों में विशेष रूप से पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति को सुचारू रखने का कार्य संबंधित विभागों को जिम्मे होंगे।

लोहरदगा में हर्षोल्लास के साथ मनायी गई ईद

लोहरदगा, (हि.स.)। जिले में ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुस्लिम धर्मावलंबी निर्धारित समय पर ईदगाह सहित अन्य मस्जिदों में पहुंचे और ईद की नमाज अदा की। नमाजियों ने देश-दुनिया की तरक्की एवं अमन-चैन की दुआएं मांगी। शहरी क्षेत्र में पहली जमात की नमाज ईदगाह में 7:45 बजे अदा की गई। इमाम कारी मौलाना शमीम रिजवी द्वारा ईदगाह में नमाज अदा कराई गई। इसके पश्चात शहर के अन्य मस्जिदों में 8:15 बजे नमाज अदा की गई। आखिरी जमात की नमाज जामा मस्जिद एवं बेलाल मस्जिद में 8:45 बजे अदा की गई। जामा मस्जिद में हाफिज मुस्तकीम द्वारा नमाज अदा कराई गई। वहीं बेलाल मस्जिद में हाफिज हमीद द्वारा नमाज अदा कराई गई। ईद की नमाज के मद्देनजर पुलिस प्रशासन चौकस रहा। विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती जिला पुलिस द्वारा कराई गई थी। ईदगाह में स्वयं एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह पहुंचे थे। ईद की नमाज के बाद अंजुमन इस्लामिया के ओहदेदारों से गला मिलकर ईद की बधाइयां दी। अन्य मस्जिदों में भी पुलिस अधिकारी पहुंचे थे, जहां नमाज के बाद अधिकारियों द्वारा गले मिलकर ईद की मुबारकबाद नमाजियों को दी गई।

सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ मनाई ईद : सीएम नीतीश कुमार

पटना, (हि.स.)। ईद-उल-फितर के अवसर पर शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गांधी मैदान पहुंच कर इमाम इदैन हजरत मौलाना महसूद अहमद कादरी नदवी से मुलाकात कर उनसे मोसाफा किया और ईद की मुबारकबाद पेश की। इमाम इदैन हजरत मौलाना महसूद अहमद कादरी नदवी ने मौके पर मुख्यमंत्री को भी ईद की मुबारकबाद दी तथा बिहार की सुख, समृद्धि, प्रगति, उन्नति एवं विकास की कामना की। इससे पूर्व इदैन कमिटी के सदर महमूद आलम ने नीतीश कुमार को गुलदस्ता भेंटकर एवं साफा पेश कर उनकी इज्जत अफजाई की। मुख्यमंत्री ने तमाम नमाजियों सहित मुस्लिम भाई-बहनों एवं बिहारवासियों तथा देशवासियों को ईद की मुबारकबाद एवं बधाई दी । इस अवसर पर मुख्यमंत्री लोगों से गले मिलकर, हाथ मिलाकर भी ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि ईद के अवसर पर मैं सभी को मुबारकबाद देता हूं। वर्ष 2006 से ही ईद के मौके पर हम यहां आते रहे हैं। पिछले दो वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना के कारण इसका आयोजन नहीं हो पाया था। ईद के मौके पर यहां आकर मुझे खुशी होती है। यहां अच्छा माहौल है। रमजान के इस पवित्र महीने में लोग एक माह तक रोजा रखते हैं। इस दौरान हम अनेक जगहों पर जाते हैं। सभी लोग प्रेम के साथ इस पर्व को मनाते हैं। सीएम ने कहा कि आपस में प्रेम और भाईचारा का भाव बना रहना चाहिए। सभी लोग प्रेम एवं भाईचारा के साथ ईद मनायें। समाज के हर तबके के उत्थान के लिए हम काम करते हैं। चाहे किसी भी धर्म के माननेवाले हों, सबका सम्मान करते हैं, सबकी इज्जत करते हैं। आपस में प्रेम और भाईचारा का भाव बना रहे, इसके लिए जो संभव हो प्रयास करते हैं। ईद के अवसर पर हमारी सभी को शुभकामनाएं हैं।

संपादकीय

भाजपा के नए सवाल

हिमाचल भाजपा ने इससे पूर्व चुनाव में बहुत खोया और अब एक अध्यक्ष सुरेश कश्यप को जाना पड़ा। ठीक शिमला नगर निगम चुनाव से पहले, लेकिन आगामी लोकसभा चुनाव की गणना में एक सांसद के पास प्रदेश भाजपा की बागडोर का रहना अप्रासंगिक माना गया। कई मायने में भाजपा आलाकमान ने हिमाचल को गोद ले रखा है। कई तरह की आजादियां हिमाचल में पार्टी और सरकार को मिलीं और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने अवतार में करिश्माई शक्ति देकर सींचने की कोशिश भी की, लेकिन रिवाज बदलने का संकल्प औंधे मुंह गिरा। ऐसा सवाल तब भी उठा था, जब एक साथ चार उपचुनाव हारकर भी भाजपा के मंथन से बचकर प्रदेश अध्यक्ष और तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वस्थ व एक छत्र शक्तियों के आका आंके गए थे। भाजपा की लोरियां उस वक्त अपनों को चैन की नींद सुला रही थीं, लेकिन कहीं कार्यकर्ताओं के बीच कमजोर नेतृत्व की तकलीफ का एहसास रहा होगा। राज्य भाजपा के लिए 'हाथी का पांव' बने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का बेशक आधिपत्य रहा है, लेकिन जमीन पर हाजिरी के लिए जो ढांचा आपेक्षित था उसे कहीं नजरअंदाज किया जाता रहा है। पिछले चुनाव में टिकटों का आबंटन और मैदान में विद्रोह की आंधियों के बीच भले ही समाधानों की खेती हुई, लेकिन पार्टी के भीतर खड़पतवार दूर नहीं हुए। ऐसे में कश्यप का इस्तीफा अप्रत्याशित नहीं, बल्कि भाजपा की आगामी रणनीति का पैगाम और पार्टी परिवार के बीच नए समीकरण व संतुलन बनाने की शुरुआत भी है। सुरेश कश्यप के प्रस्थान के बाद नए अध्यक्ष की पारी के लिए, भाजपा अपने इतिहास व राज्य की भौगोलिक क्षमता में नए संदेश देने की कोशिश करेगी। पार्टी के मिशन रिपीट को जाहिर तौर पर कांगड़ा समेत निचले क्षेत्रों में ब्रेक लगा है। ऐसे में संभावना यह भी है कि इस बार पार्टी नेतृत्व के लिए कांगड़ा की जमीन तराशी जाए। स्वाभाविक रूप से विपिन सिंह परमार इस भूमिका में एक चेहरा हैं, जबकि इंदु गोस्वामी की राष्ट्रीय पहचान और पृष्ठभूमि पहले ही आलाकमान के मंथन में बिलौली जा चुकी है। कांगड़ा की ओर भाजपा का मोह इसलिए भी बढ़ रहा है, क्योंकि वर्तमान सत्ता ने भी इस क्षेत्र को सियासी बियाबान समझकर लटकाया हुआ है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष और मंत्रिमंडल की भूमिका में कांगड़ा को फिलहाल रिक्त कर रखा है। बेशक मुख्यमंत्री ने यह जानते-समझते हुए कांगड़ा के पक्ष में कई प्रशासनिक व बजटीय फैसले लिए हैं, लेकिन राजनीतिक तौर पर दूरियां पाटने या दिल जोडन्े के प्रयास अभी नहीं हुए हैं। ऐसे में भाजपा भी अपनी पिछली सत्ता से सबक लेती हुई कांगड़ा के किसी नेता को आगे कर सकती है। दूसरी ओर भाजपा के गणित बताते हैं कि अतीत में सतपाल सत्ती व डा. राजीव बिंदल के कार्यकाल में पार्टी का वजूद हमेशा सत्ता का सूत्रधार बना। ये दोनों नेता अपने-अपने फलक के महारथी बनकर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के रूप में नेताओं के सुर और विभिन्न राजनीतिक क्षेत्रों की धुरियां मिलाने में काफी हद तक सक्षम रहे हैं। यह दीगर है कि पार्टी अपने फैसलों में न तो किसी कयास की मोहताज रही है और न अपने अगले कदम का अंदाजा लगाने देती है। इसलिए संभव है कि किसी अप्रत्याशित तरीके से नए अध्यक्ष का पर्दापण हो जाए। परंपराओं से विपरीत, जातीय व क्षेत्रीय समीकरणों से अलग ऐसा रास्ता चुना जाए जहां कोई नया या अंजान सा चेहरा हमारे सामने आ जाए। भाजपा जिन परिस्थितियों में सत्ताच्युत हुई है, उसके पीछे पिछले पांच साल के कालखंड की समीक्षा करना निहायत जरूरी है। ऐसे कई घटनाक्रम हैं जहां मंत्रियों तक की सीटें बदल गईं या प्रधानमंत्री तक को चुनाव में डटे पार्टी के एक विद्रोही नेता से फोन पर गुजारिश करनी पड़ी थी। पार्टी संगठन में चंद नेताओं का वर्चस्व किस हद तक ले डूबा, इस तथ्य को टाला नहीं जा सकता। सत्ता के नाम पर वित्तीय शक्तियों के आबंटन से कितने मंत्री अछूत हो गए या सरकार के केंद्र बिंदु में कितने नेता अपाहिज हो गए, इस पर भी तो विचार करना होगा। बेशक भाजपा ने अपने मनोबल में अभी हार नहीं मानी है और यह बजट सत्र आते-आते साबित हो गया है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को कैसे विपक्ष से पाला पड़ा है, लेकिन भाजपा की सफल भूमिका का यह अर्थ नहीं कि पार्टी ने अपनी अंदरूनी खामियों को दुरुस्त कर लिया है। पार्टी किस तरह अपने नए अध्यक्ष को पेश करती है, उस पर निर्भर करेगा कि अगला सफर कितना संतुलित, कितना स्वतंत्र और कितना विस्फोटक होता है।

> भाजपा की लोरियां उस वक्त अपनों को चैन की नींद सुला रही थीं, लेकिन कहीं कार्यकर्ताओं के बीच कमजोर नेतृत्व की तकलीफ का एहसास रहा होगा। राज्य भाजपा के लिए 'हाथी का पांव' बने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का बेशक आधिपत्य रहा है, लेकिन जमीन पर हाजिरी के लिए जो ढांचा आपेक्षित था उसे कहीं नजरअंदाज किया जाता रहा है। पिछले चुनाव में टिकटों का आबंटन और मैदान में विद्रोह की आंधियों के बीच भले ही समाधानों की खेती हुई, लेकिन पार्टी के भीतर खड़पतवार दूर नहीं हुए। ऐसे में कश्यप का इस्तीफा अप्रत्याशित नहीं, बल्कि भाजपा की आगामी रणनीति का पैगाम और पार्टी परिवार के बीच नए समीकरण व संतुलन बनाने की शुरुआत भी है।

कुछ अलग

राहुल पर कोर्ट का फैसला

सूरत सत्र अदालत के न्यायाधीश ने सिर्फ एक ही शब्द बोला- 'डिसमिस्ड।' और राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। कांग्रेस नेता ने निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके तहत राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई गई थी। नतीजतन उनकी सांसदी को खारिज कर दिया गया था। यदि यह सजा जारी रहती है, तो राहुल 6 साल तक चुनाव लडन्े को 'अयोग्य' होंगे और तमाम अपीलें खारिज होने के बाद उन्हें जेल भी भेजा जा सकता है। बेशक वह सत्र अदालत के फैसले को अहमदाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे, ऐसा सर्वोच्च अदालत के वरिष्ठ वकील एवं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने खुलासा किया है। अपील के अंतिम निस्तारण तक राहुल गांधी जमानत पर रहेंगे। यह मामला आपराधिक मानहानि का है, लेकिन गांधी परिवार के वर्चस्व और कांग्रेस की राजनीति से ज्यादा जुड़ा है। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष ने 11 अप्रैल, 2019 को कर्नाटक की कोलार चुनावी जनसभा के दौरान सवाल उठाया था कि सारे चोर मोदी-नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेन्द्र मोदी-ही क्यों हैं? अगर ढूंढोगे, तो और भी नाम मिल जाएंगे। 'मोदी सरनेम' में राहुल गांधी ने देश के प्रधानमंत्री मोदी का नाम भी लिया था। हमने बयान को बार-बार सुना है। यकीनन यह घोर आपत्तिजनक और अपमानित करने वाला बयान था। यह प्रधानमंत्री मोदी के प्रति राहुल के निजी पूर्वाग्रह और नफरत को भी प्रतिबिंबित करता है। चुनाव से बयान का सरोकार क्या था? प्रतिक्रिया में सूरत पश्चिम के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस दर्ज करा दिया। पटना में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने भी यह केस दर्ज कराया है। लंदन में ललित मोदी भी राहुल को कटघरे में खींचने की बात कह चुके हैं। शायद राहुल ने कल्पना भी नहीं की होगी कि निचली अदालत ऐसा फैसला दे सकती है, जिसके नतीजतन उनकी लोकसभा सदस्यता भी रद्द की जा सकती है! वह बार-बार हुंकार भरते रहे कि वह गांधी हैं, वह डरा नहीं करते, गांधी माफी भी नहीं मांगा करते। यह उनके अहंकार और हेकड़ी की अभिव्यक्ति ही थी, अलबत्ता कुछ मामलों में वह अदालत से लिखित माफी मांग चुके हैं। अब सत्र अदालत के न्यायाधीश के फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि कानून सभी के लिए समान है। गांधी परिवार कानून और संविधान से ऊपर नहीं है। न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 (3) के तहत सांसद के रूप में गांधी को हटाने या अयोग्य घोषित किए जाने को 'अपूरणीय क्षति' या नुकसान नहीं कहा जा सकता। यदि उन्हें सजा न सुनाई गई होती, तो अनाप-शनाप बोलने का क्रम जारी रहता। बहरहाल इस एक निर्णय से 2024 का राजनीतिक संकट, कांग्रेस के लिए, गहरा सकता है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। वहां ओबीसी करीब 54 फीसदी हैं, लिहाजा भाजपा ने अभी से ओबीसी अपमान का मुद्दा गरमा दिया है। खुद प्रधानमंत्री इसी वर्ग से आते हैं और उनका अपमान किया गया है, लिहाजा उन्होंने चुनाव जनसभाओं में यह मुद्दा उठाया, तो कांग्रेस बखूबी जानती है कि चुनाव किस तरफ मुड़ सकता है। राहुल की वाणी ने अपशब्दों का प्रयोग किया था, लेकिन विडंबना है कि कांग्रेस उसका भी बचाव कर रही है! राहुल के साथ बड़े नेता, तीनों मुख्यमंत्री भी, बस में भरकर सूरत तक गए।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा

सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहे कश्मीर का इतिहास और भूगोल, दोनों ही जानबूझकर बदले गये

प्रह्लाद सबनानी

> जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा। बाद में यह क्षेत्र अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वर्ष 1756 से अफगान शासन के बाद वर्ष 1819 में यह क्षेत्र पंजाब के सिख साम्राज्य के अधीन हो गया था। जब भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था। उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग-अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टूबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

अतिप्राचीन भारत में कैलाश पर्वत के आसपास भगवान शिव के गणों की सत्ता थी। उक्त इलाके में ही दक्ष राजा का भी साम्राज्य था। ऐसा माना जाता है कि कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया था और कश्यप ऋषि के नाम पर ही कश्यप सागर (कैस्पियन सागर) और कश्मीर का प्राचीन नाम पड़ा था। शोधकर्ताओं के अनुसार कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का राज फैला हुआ था। कश्यप की एक पत्नी कद्रू के गर्भ से नागों की उत्पत्ति हुई जिनमें प्रमुख 8 नाग थे- अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। इन्हीं से नागवंश की स्थापना हुई। आज भी कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही कई स्थानों के नाम हैं। कश्मीर का अनंतनाग नागवंशियों की राजधानी हुआ करता था। हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास का पता चलता है। 1184 ईसा पूर्व के राजा गोनंद से लेकर राजा विजय सिम्हा (1129 ईसवी) तक के कश्मीर के प्राचीन राजवंशों और राजाओं के प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा। बाद में यह क्षेत्र अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वर्ष 1756 से अफगान शासन के बाद वर्ष 1819 में यह क्षेत्र पंजाब के सिख साम्राज्य के अधीन हो गया था। जब भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था। उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग-अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टूबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रासदी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब देते हुए कब्जा मुक्ति का अभियान बहुत सफलतापूर्वक चला रही थी लेकिन बीच में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की

घोषणा कर दी जिसके कारण लगभग आधा जम्मू-कश्मीर आज भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। यह तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल मानी जाती है, जिसके चलते यह क्षेत्र पिछले लगभग 70 वर्षों तक अशांत क्षेत्र बना रहा है। हालांकि कश्मीर सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहा है परंतु कश्मीर का इतिहास और भूगोल दोनों ही बदल दिए गए हैं। हमें ऐसा आभास कराया जाता है कि कश्मीर क्षेत्र इस्लाम के कब्जे के क्षेत्र रहा है। तत्कालीन नेहरू सरकार की जम्मू-कश्मीर से सम्बंधित दूसरी सबसे बड़ी गलती थी राज्य में धारा 370 लागू करवाना। इस धारा के अंतर्गत केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू-कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता है, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती थी, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती है, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू-कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था? कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, नागरिकों के हितार्थ पूरे देश में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था एवं इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के चलते कोई भी उद्योगपति अपना निवेश इस क्षेत्र में करने को तैयार ही नहीं होता था। इस क्षेत्र के नागरिकों को लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था। इसके बाद से वहां कई बदलाव दृष्टिगोचर हैं। अब केंद्र के समस्त कानूनों एवं अन्य कई आर्थिक योजनाओं को वहां लागू कर दिया गया है इससे आम नागरिकों को बहुत सुविधा एवं लाभ हुआ है। आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। आतंकवादियों की कमर तोड़ दी गई है। हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। जम्मू-कश्मीर में जिस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उससे राज्य में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हुआ है और कैलेंडर वर्ष 2022 में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 26 लाख से अधिक पर्यटक वहां पहुंचे हैं। भारत की आजादी के बाद से वर्ष 2019 तक जम्मू-कश्मीर में तकरीबन 14,700 करोड़ रुपए का निवेश हो पाया था, जबकि पिछले केवल 3 वर्षों में यह चार गुना बढ़कर 56,000 करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। स्वास्थ्य से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विकास हो रहा है। 2 नए एम्स, 7 नए मेडिकल कॉलेज, 2 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और 15 नर्सिंग कॉलेज खुलने जा रहे हैं। इस सबसे स्थानीय नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

प्रजातंत्र के मुद्दों से भटक रही सियासत

> लोगों को महंगाई की गर्दिश से राहत मिले तथा युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध हों, मगर सत्ता की चौखट पर पहुंचने के बाद आवाम की खिदमत के लिए किए गए वादों के आब-ए-आईना की चमक आमतौर पर धुंधली पड़ जाती है हाल ही में दिल्ली सूबे पर हुकूमत करने वाले सियासी दल के वजीरों ने देश की राजधानी में 'डिग्री दिखाओ' अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान ऐसे वक्त में शुरू हुआ है जब देश में बेरोजगारी के सैलाब में फंसकर रोजगार की जुस्तजू में सबसे बड़ी तादाद डिग्री धारक युवाओं की है। करोड़ों डिग्रीधारकों की फौज देश के रोजगार कार्यालयों के बाहर हाथों में अपनी डिग्रियां लेकर कतारों में लगी होती है। शदीद दुश्वारियों के दौर से गुजर रहे बेरोजगार युवाओं की आधी जिंदगी डिग्रियों की फोटोकॉपी व लेमिनेशन कराने में तथा रोजगार समाचार पत्रों का अध्ययन करके रोजगार कार्यालयों के चक्कर काटने में ही व्यतीत हो जाती है। सुरक्षा एजेंसियां देश के कई शिक्षण संस्थानों का फर्जी डिग्रियों के घोटालों में पर्दाफाश कर चुकी हैं।

'वारांग्नेव नृपनीतिरनेकरूपा'- इस पंक्ति का उल्लेख 'भर्तृहरि' द्वारा रचित नीतिकाव्य 'नीतिशतक' के 47वें श्लोक के अंत में हुआ है, अर्थात राजनीति भी तवायफ की भांति अनेक प्रकार के रूप धारण करती है। शायद महान विद्वान भर्तृहरि ने अपने गहन अनुभव व दूरदर्शी सोच से वर्तमान सियासत के नुक्ता-ए-नजऱ को सैकड़ों वर्ष पूर्व ही भांप लिया था। आम लोग अपने बेशकीमती वोट की ताकत से लोकतंत्र की संस्थाओं में प्रतिनिधि इस उम्मीद से चुनकर भेजते हैं ताकि किसान, मजदूर व युवावर्ग के हितों के मुद्दों पर बहस हो तथा कोई योजना बने। लोगों को महंगाई की गर्दिश से राहत मिले तथा युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध हों, मगर सत्ता की चौखट पर पहुंचने के बाद आवाम की खिदमत के लिए किए गए वादों के आब-ए-आईना की चमक आमतौर पर धुंधली पड़ जाती है। हाल ही में दिल्ली सूबे पर हुकूमत करने वाले सियासी दल के वजीरों ने देश की राजधानी में 'डिग्री दिखाओ' अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान ऐसे वक्त में शुरू हुआ है जब देश में बेरोजगारी के सैलाब में फंसकर रोजगार की जुस्तजू में सबसे बड़ी तादाद डिग्री धारक युवाओं की है। करोड़ों डिग्रीधारकों की फौज देश के रोजगार कार्यालयों के बाहर हाथों में अपनी डिग्रियां लेकर कतारों में लगी होती है। शदीद दुश्वारियों के दौर से गुजर रहे बेरोजगार युवाओं की आधी जिंदगी डिग्रियों की फोटोकॉपी व लेमिनेशन कराने में तथा रोजगार समाचार पत्रों का अध्ययन करके रोजगार कार्यालयों के चक्कर काटनें में ही व्यतीत हो जाती है। सुरक्षा एजेंसियां देश के कई शिक्षण संस्थानों का फर्जी डिग्रियों के घोटालों में पर्दाफाश कर चुकी हैं। रोजगार के लिए डिग्रीधारक छात्रों का विरोध प्रदर्शन बेरोजगारी के दर्द को दर्शाता है। वोट बैंक के लिए जाति, मजहब की सदारत करने वाली सियासत के चलते देश ने 1990 के दशक का वो दौर भी देखा है जब देश की राजधानी दिल्ली में आरक्षण व्यवस्था के विरोध में कई छात्रों ने अपनी डिग्रियां जला डाली थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र सुरेंद्र सिंह चौहान ने 24 सितंबर 1990 को आत्मदाह कर लिया था। आत्मदाह के प्रयास में बुरी तरह झुलस चुके देशबंधु कालेज के छात्र राजीव गोस्वामी की सन्-2004 में जाकर मौत हुई थी। दिल्ली मेट्रो स्टेशन 'राजीव चौक' का नाम उसी राजीव गोस्वामी के नाम से जाना जाता है। प्रश्न यह है कि वीआईपी सुरक्षा के घेरे में महफूज रहने वाले प्रतिनिधियों को क्या लोगों को डिग्रियां दिखाने के लिए चुनकर भेजा है। डिग्रियों का महत्त्व अपनी जगह हो सकता है। देश को उन्नति के शिखर पर पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर योगदान देने वाले सियासी रहनुमाओं की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में दिन-रात संघर्ष करने वाले किसान डिग्रीधारक नहीं हैं, मगर मुल्क की 140 करोड़ आवाम को अनाज मुहैया करवाकर किसान खाद्यान्न क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बना चुके हैं। सशस्त्र बलों की मुस्तैदी से कश्मीर जैसे राज्य में जी-20 का इजलास होने से वैश्विक पटल पर भारत की हैसियत में इजाफा हो रहा है। खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं, लेकिन देश के सैकड़ों डॉक्टर व इंजीनियर निजी क्षेत्र व विदेशों का रुख करने को मजबूर हैं। देश के कई वैज्ञानिक 'नासा' जैसी एजेंसी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भारत के कई प्रतिभावान युवा विदेशी कंपनियों के उच्च पदों पर आसीन हैं। देश में गुरबत से जूझ रही आवाम महंगाई व भ्रष्टाचार से परेशान है। प्रजातंत्र का बुनियादी स्तंभ युवावर्ग रोजगार को मोहताज है। देश में वीआईपी कल्चर व सियासी रसूखदारी का बोलबाला बढ़ रहा है। आम लोगों से जुड़े मुद्दे हाशिए पर जा रहे हैं, मगर सरकारी इदारों पर विराजमान ज्यादातर डिग्रीधारक अहलकारों की योग्यता को आरक्षण व्यवस्था के तहत सहारा दिया जाता है। देश के सियासी रहनुमाओं का मुकद्दर आम लोगों के वोट से तय होता है। जम्हूरियत के निजाम पर हुक्मरानी करने वाले सियासतदान अपने सियासी मुस्तकबिल के लिए बेचैन होकर लोकतंत्र की बुलंदी पर बैठने को बेताब हैं। शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी भाषा के बढ़ते वर्चस्व से देश के निजी शिक्षण संस्थान एक बड़े शिक्षा व्यवसाय का रूप ले चुके हैं। ट्यूशन व कोचिंग के नाम पर करोड़ों रुपए का व्यवसाय हो रहा है। निजी शिक्षण संस्थानों में बेहद महंगी फीस तथा महंगे निजी छात्रावास (पीजी) अभिभावकों को आर्थिक तौर पर कमजोर कर चुके हैं। नतीजतन आधुनिक सुविधाओं की कमी से जूझ रहे दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों की हजारों प्रतिभाएं उच्च शिक्षा ग्रहण करने से महरूम रह कर उच्च शिक्षण संस्थानों की दहलीज तक नहीं पहुंच पाती हैं। आरक्षण व्यवस्था व बेरोजगारी के आगे डिग्रियों की चमक वैसे भी फीकी पड़ चुकी है। देश में चपरासी पद के लिए हजारों की संख्या में डिग्रीधारक आवेदन करते हैं। वास्तव में मौजूदा शिक्षा पद्धति डिग्री हासिल करने तक ही सीमित रह चुकी है। व्यवहार या कौशल की शिक्षा नहीं बनी, जो युवाओं को रोजगार के साधन मुहैया कराए। इसी कारण विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में बेरोजगारी देश के विकास में प्रमुख बाधा बन चुकी है। आखिर डिग्री धारक बेरोजगार हैं तो दोष किसका है, शिक्षा में गुणवत्ता या कौशल व हुनर की कमी, इस मुद्दे पर बहस होनी चाहिए। अतः मौजूदा हालात के मद्देनजर महंगाई, भ्रष्टाचार व नशाखोरी जैसी समस्याओं से राह-ए-निजात तलाशने की जरूरत है। बहरहाल डिग्रियों पर बेवजह विलाप करने वाले सियासतदानों को समझना होगा कि देश को गुलामी की दास्तां से मुक्त कराने के लिए तख्ता-ए-दार पर झूलने वाले इंकलाबी चेहरे डिग्रीधारक नहीं थे। जब देश की सरहदें आतंक के मरकज पाकिस्तान व विस्तारवादी शातिर चीन से सटी हों, दुनिया के दुर्दांत आतंकी संगठन देश को दहलाने की फिराक में बैठे हों, सांप्रदायिक माहौल तैयार करके देश विरोधी तत्व राष्ट्र को खंडित करने का मंसूबा तैयार कर रहे हों तो देश की अस्मिता व स्वाभिमान को महफूज रखने के लिए उम्दा कूटनीति व अदम्य साहस जैसे राष्ट्रवादी गुणों की जरूरत होती है। ऐसे हालात से निपटने के लिए राष्ट्रहित में बड़े फैसले लेने की क्षमता का साहस रखने वाले सियासी नेतृत्व की जरूरत है, डिग्रियों की नहीं। अतः राष्ट्र को हमेशा राजनीति से ऊपर रखने वाली सोच होनी चाहिए।

देश दुनीया से

विपक्ष, भ्रष्टाचार और मोदी की नीति

प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के छापों पर विपक्षी दलों के याचिका वापस लेने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मजबूत चुनावी मुद्दा मिल गया है। भाजपा के नम्बर एक स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के मामले पर विपक्षी दलों को निशाने पर लेने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। पिछले एक महीने के दौरान की तीन जनसभाओं में पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर जमकर खिंचाई की। मोदी विपक्ष की खिंचाई के साथ चुटकी भी ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए तेलंगाना सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार से लडन्ा ही होगा। गौरतलब है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की बेटी कविता दिल्ली के शराब घोटाले में आरोपी है। ईडी कविता से दो बार पूछताछ कर चुकी है। इससे पहले एक समारोह में मोदी ने कहा कि 2014 से पहले हेडलाइंस होती थीं कि इस सेक्टर में इतने लाख करोड़ रुपए का घोटाला, भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता सडक़ों पर उतरी। आज क्या हेडलाइन होती है? भ्रष्टाचार के मामलों में एक्शन के कारण भयभीत भ्रष्टाचारी लामबंद हुए, सडक़ों पर उतरे। पहले घोटाले सुर्खियां बनते थे, लेकिन अब अपने खिलाफ कार्रवाई को लेकर भ्रष्टाचारी आपस में हाथ मिला रहे हैं, इसकी खबर बन रही है। तीसरा मौका था भारतीय जनता पार्टी के 44वें स्थापना दिवस का। प्रधानमंत्री ने इस मौके को भी हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी भ्रष्टाचार से लडन्े और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भगवान हनुमान से प्रेरणा लेती है। भाजपा पार्टी को भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से लडन्े की प्रेरणा भगवान हनुमान से मिलती है। गौरतलब है कि ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग की विपक्षी दलों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि नेताओं को विशेष इम्यूनिटी नहीं दी जा सकती। नेताओं के भी आम नागरिकों जैसे अधिकार हैं। अगर सामान्य गाइडलाइन जारी की तो ये खतरनाक प्रस्ताव होगा। नेताओं की गिरफ्तारी पर अलग से गाइडलाइन नहीं हो सकती। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे। विपक्ष से कहा कि आप चाहें तो याचिका वापस ले सकते हैं। इस पर विपक्षी दलों के पास याचिका वापस लेने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। याचिका वापस ले ली गई। विपक्षी नेताओं को सुप्रीम कोर्ट से मिले तगड़े झटके के बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का अडानी के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान भी कमजोर पड़ गया। इस मुद्दे पर भी पूरा विपक्ष एकजुट नहीं हो सका। सुप्रीम कोर्ट से मिले झटके के बाद रही-सही कसर भी निकल गई। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भाजपा विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कमर कसे हुए है। वर्ष 2014 से जुलाई 2022 तक कांग्रेस के 80 नेताओं पर भ्रष्टाचार को लेकर छापे पड़े हैं। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 41 नेताओं के यहां ईडी ने छापों की कार्रवाई की। तीसरे नंबर पर महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और चौथे नंबर पर अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर छापेमारी हुई। आश्चर्य की बात यह है कि भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेता ईडी और सीबीआई के छापों को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार को कोस बेशक रहे हैं किन्तु देश को इस विषबेल से मुक्त कराने का सुझाव एक भी विपक्षी नेता ने नहीं दिया। विपक्षी नेताओं का सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के पीछे मकसद यही रहा कि सिर्फ उन्हें ही छापों या पूछताछ से छूट मिले, शेष देश के लिए एजेंसियों की छूट किसी ने नहीं मांगी।

> समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी कांग्रेस से सहयोग करने से इंकार कर चुके हैं। इनके आपसी पुराने राजनीतिक झगड़े हैं। अडानी के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के कांग्रेस के साथ नहीं आने से गठबंधन की कवायद ही पलट गई। विपक्षी दलों ने एक-दूसरे पर ही आरोप-प्रत्यारोप लगाए। लालू यादव की पार्टी हो या समाजवादी पार्टी या फिर दूसरे विपक्षी दल, सभी का कहना था कि जब ईडी ने उन पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की, तब कांग्रेस ने उनका साथ नहीं दिया। यही वजह रही कांग्रेस अडानी के मुद्दे पर अकेले खड़ी नजर आई। मौजूदा दौर में देश में जिस तरह के राजनीतिक हालात हैं, उसमें विपक्षी एकता की सूरत नजर नहीं आती है। न्यूनतम साझा कार्यक्रम जैसी कवायद करने से भी विपक्षी दल कतरा रहे हैं।

नागरिक बोध

योगी का यूपी भ्रष्टाचार मुक्त,रोजगार सृजन ,माफिया मुक्त और गुंडागर्दी मुक्त बनने की कटिबद्धता का शुभ संकेत

सत्य और न्यासी इन दो शब्द से सन्यासी शब्द बनता है। इसका अर्थ सत्य को अक्षुण्ण रखने वाला।योगी आदित्यनाथ का शासन सन्यासी भावना के अनुरूप है।यूपी का नाम आते ही दिलोदिमाग में गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार, माफियागिरी, छेड़खानी आदि शब्द जेहन में आते थे। मोदी और अमित शाह का नारा,सबका साथ ,सबका विकास और सबका प्रयास योगी के सन्यासी अर्थों के करीब था । योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद विपक्षी दल योगी पर कटाक्ष करते थकते नही थे। यूपी को हर हमेशा के लिए माफिया गिरी से आजाद कर महिलाओं के सरंक्षण के लिए प्रयासरत है। भाजपा ने सबसे पिछड़ी जातियों को आगे लाकर उम्मीदवार बनाया जाना यूपी की सफलता का सूचक रहा है। योगी की धाक से माफिया और गुंडागर्दी वाले दुबके नजर आ रहे है। एनकाउंटर की बात हो या माफियाओ को पुलिस का डर हमेशा सताता रहता है। यूपी के लिए ऐसे मुख्यमंत्री की ही जरूरत थी जिसका लोहा मनवा लेने में सफलता हासिल कर सके। इस निर्विवाद मुख्यमंत्री को सूबे की जनता ने दूसरी बार स्वीकार किया है। माफिया कभी कभी सिर बिल से बाहर निकालते है तो योगी सरकार कुचलने में आगे है। सन्यासी का जाति, कुल और परिवार नही होता। इस सब मे योगी युपयुक्त होते हुए उनके गृहस्थी परिवार में ध्यान नही देकर उनका नजरिया पूरे सूबे का है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा है कि मैं योगी हूँ और मेरा पूरा प्रदेश परिवार है। उन्होंने आधुनिक रूप दिया है। आज के परिपेक्ष्य में योगी के नाम से गुंडे थरथर कांपते है। यूपी के लिए महत्वपूर्ण था और यूपी की चमक उनके किए प्रयासों का सुफल है। गोरखपुर के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ सामयिक संदर्भो के अतिरिक्त शासक पद स्वीकार करते हुए गोरखपुर मन्दिर में एकत्रित फरियादियों की व्यथा सुनकर निराकरण देने के लिए हमेशा आवागमन करते है। देश मे सन्यासियों की अहम भूमिका रही है। सन्यासियों ने पीड़ित परिवारों की सेवा और गांव गांव में घूमकर अंग्रेजो के विरुद्ध जनता को जागृत किया। आज भी देश मे धर्म से जोड़े रखने का कार्य और धार्मिक उपदेश से समाज को बांधे रखने में अहम भूमिका है। समाजवादी नेता ड्रॉ राम मनोहर लोहिया कहते थे कि धर्म दीर्धकालीन राजनीति है। और राजनीति अल्पकालिक धर्म ।ड्रॉ लोहिया ने गौहत्या के विरोध में संत पर प्रभुदत्त ब्रह्चारी का अनशन तुड़वाया। भारत साधु समाज के कार्यक्रमो में जवाहरलाल नेहरू और गृहमंत्री गुलजारी लाल नन्दा भाग लेते रहते थे। बाबा गोरखपुर शिव के अवतार माने जाते है। इस गोरखनाथ मंदिर में योगी का समय बिता है। मोदी और अमित शाह के विचारों के योगी को दूसरी बार सूबे की जनता ने चुना है।

लंदन में भारतीय-उच्चायोग पर खालिस्तानी हमला साजिश थी: रिटायर्ड अफसर ने कहा- हमलावर हथियारों से लैस थे, पुलिस की कार्रवाई लचर रही

लंदन।
लंदन में भारतीय उच्चायोग पर 19 मार्च को खालिस्तान समर्थकों के हमले को एक महीने बीत चुका है। लंदन के वेस्टमिन्सटर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के बाद अब तक स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन पुलिस) एक ही आरोपी को गिरफ्तार कर पाई, वो भी जमानत पर छूट चुका है। ब्रिटिश पुलिस के एक पूर्व अफसर ने बताया कि उच्चायोग पर हमला एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। कई हमलावर हथियारों से लैस भी थे, लेकिन इसके बावजूद पुलिस की कार्रवाई लचर ही रही है।

स्कॉटलैंड यार्ड की लचर जांच के चलते भारत अपनी राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम को जांच के लिए लंदन भेजने का निर्णय कर चुका है। बातचीत में एक पुलिस अधिकारी ने बताया सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ है कि हमले में शामिल अधिकांश खालिस्तानी समर्थक ब्रिटिश सिख थे। ज्यादातर ब्रिटेन में ही पैदा हुए हैं और ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त हैं। एनआईए इनसे सीधे पूछताछ नहीं कर पाएगी। ऐसी स्थिति में एनआईए को जांच के लिए ब्रिटिश पुलिस पर ही निर्भर होना पड़ेगा।

ब्रिटिश पुलिस ढिलाई क्यों कर रहीं – ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों ने अपने नेटवर्क की जड़ें गहरी कर ली हैं। सोशल फंडिंग के जरिए ये ब्रिटेन में प्रभाव को बढ़ाते हैं। भारत में मानवाधिकार हनन का दुष्प्रचार कर खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सामाजिक संगठनों से अपने लिए सहानुभूति जुटाते हैं। ब्रिटेन की पुलिस और प्रशासन खालिस्तान के मामले को भारत से जुड़ा मुद्दा मानकर अक्सर कार्रवाई करने से कन्नी काटते हैं।

फोन नंबरों को भी ट्रेस नहीं किया गया – हमले के दौरान भारतीय उच्चायोग के आसपास एक्टिव फोन नंबरों और वहां से की गई कॉल्स को भी अब तक ट्रेस नहीं किया जा सका है। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए पुलिस इसे आसानी से पता कर सकती थी। लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई हे। साथ ही ब्रिटिश पुलिस को भारतीय उच्चायोग के बाहर खालिस्तान समर्थकों द्वारा हिंसक प्रदर्शन का सिक्योरिटी इनपुट था, लेकिन इसके बाद भी उच्चायोग के बाहर कोई सुरक्षा तैनात नहीं की गई। ब्रिटिश पुलिस द्वारा उच्चायोग पर हमले के मामले में कार्रवाई नहीं करने पर भारत ने पलट कर कड़ा रवैया अपनाया था।

न्यूज ब्रीफ

जानलेवा, महंगा और सालः 2022 के मौसम को लेकर यूएन की एजेंसी का आकलन, भविष्य को लेकर जताया डर

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी- विश्व मौसम विज्ञान संस्थान (डब्ल्यूएमओ) ने 2022 के मौसम को लेकर अपना आकलन जारी किया है। एजेंसी ने कहा है कि 2022 मौसम के लिहाज से इतना खराब साल था कि ऐसा लगा जैसे लोग इसकी वजह से अव्यवस्था का शिकार हो गए। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में पूरी दुनिया जानलेवा बाढ़, सूखे और लू से जूझती दिखाई दी। डब्ल्यूएमओ की स्टेट ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट 2022 रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी दुनिया में महासागरों में गर्मी और अम्लता (एसिडिटी) अपने रिकॉर्ड स्तर पर थी और अंटार्कटिक की समुद्री बर्फ और यूरोप के बर्फीले एल्प्स ग्लेशियर अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गए थे। इस रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर समुद्रों का जलस्तर बढ़ा है। इसके साथ ही हवा में गर्मी को कैद रखने वाले कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन की मात्रा आधुनिक रिकॉर्ड में सबसे ज्यादा दर्ज की गई है। दुनिया में मौसम के हालात को परखने के लिए वैज्ञानिकों ने जिन ग्लेशियरों को परखा, वे महज 2022 में ही करीब 1.3 मीटर यानी 51 इंच तक पिघल चुके हैं। इसी के साथ यह इतिहास में पहली बार हुआ कि स्विट्जरलैंड के बर्फीले ग्लेशियरों में भी गर्मी के मौसम में बिल्कुल बर्फ नहीं बची। रिपोर्ट में कहा गया है कि समुद्रों का जलस्तर 1990 के दौर में जितनी तेजी से बढ़ता था, अब उससे दोगुनी तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूएमओ के महासचिव पेटेरी तालस ने कहा कि तेजी से पिघलते ग्लेशियरों की वजह से इस सदी के अंत तक महासागरों का जलस्तर 20 से 39 इंच (एक से डेढ़ मीटर) तक बढ़ सकता है।

एस जयशंकर ने जमैका के विदेश मंत्री के साथ की बैठक, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद पर हुई चर्चा

जॉर्जटाउन। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुयाना की राजधानी में जमैका के विदेश मंत्री कामिनाज स्मिथ के साथ चौथी भारत-कैरिकॉम मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद से निपटने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं इससे पहसे एस जयशंकर ने सूरीनाम के अपने समकक्ष अल्बर्ट रामदीन से मुलाकात कर गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिकन गणराज्य की अपनी नौ दिवसीय यात्रा शुरू की। उन्होंने ट्वीट किया कि जमैका के एफएम कामिनाज स्मिथ के साथ कैरिकॉम मुख्यालय में चौथी भारत-कैरिकॉम मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। हम सभी को आमंत्रित करने के लिए एफएम गुयाना ह्यूग टॉड को धन्यवाद। उन्होंने सूरीनाम, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, बारबाडोस, त्रिनिदाद और टोबैगो, डोमिनिका, ग्रेनाडा के कैरिबियाई देशों के अपने समकक्षों और बेलीज और बहामास के प्रतिनिधियों के दृष्टिकोण की सराहना की। जयशंकर ने ट्वीट कर बताया कि हमने व्यापार और अर्थव्यवस्था सहित हमारे व्यापक क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की साथ ही कृषि और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मा, ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईसीटी और ई-गवर्नें, विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण, उच्च शिक्षा, संस्कृति पर भी चर्चा हुई।

फ्रांस में सिनेगॉग पर हमला करने वाले को उम्रकैदः कनाडाई प्रोफेसर ने 1980 में किया अटैक, यह दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सबसे बड़ा हमला

पेरिस। पेरिस में 3 अक्टूबर 1980 को सिनेगॉग (यहूदियों के पूजा स्थल) पर हुए आतंकी हमले में सजा सुनाई गई है। 43 साल बाद इस मामले में पेरिस की एक कोर्ट ने लेबनान और कनाडा की नागरिकता वाले प्रोफेसर हसन दियाब को उम्र कैद की सजा दी है। फैसला सुनाते हुए प्रोसिक्यूटर ने कहा, इस बात में कोई शक ही नहीं है कि वो हमला हसन के अलावा किसी और नहीं किया था। ये सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद फ्रांस की धरती पर यहूदियों पर हुआ सबसे बड़ा हमला था। हमले के दिन पेरिस के रयू कोपर्निक में यहूदी पूजास्थल में 300 लोगों की भीड़ जुटी थी। इनमें इजरायल का एक पत्रकार भी शामिल था। तभी मोटरसाइकिल में रखा एक बम फट गया। इससे ग्लास से बनी पूजा स्थल की छत समेत सारी खिड़कियां टूट गईं। हमले में 4 लोगों की मौत हुई। इनमें पूजा स्थल के पास से गुजर रहा बाइक सवार भी शामिल था। इस हमले ने पूरे फ्रांस में हलचल पैदा कर दी थी।

वर्ल्ड वॉर-2 में डूबे जहाज का मलबा मिला

इस पर सवार थे एक हजार ऑस्ट्रेलियाई कैदी, 1942 में अमेरिकी पहडुब्बी ने किया था हमला

ऑस्ट्रेलिया।
ऑस्ट्रेलिया के इतिहास के सबसे बड़े समुद्री हमले में डूबे जहाज का मलबा 81 साल बाद बरामद हुआ है। इसमें वर्ल्ड वॉर- 2 के करीब 1,060 कैदियों की मौत हुई थी। ये जहाज जापान का स्स मॉन्टेवीडियो मारू था जिसका मलबा साउथ-चाइनी सी में मिला है। पिछले 12 दिन से एक नॉन-प्रॉफिट साइलेंटवर्ल्ड फाउंडेशन के वर्कर्स इसे ढूंढ रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- मुझे उम्मीद है कि जिन लोगों की इस हादसे में मौत हुई थी उनके परिवार वालों को अब कुछ राहत मिली होगी। मलबा बरामद होने के बाद फैसला किया गया है कि उससे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। इसमें मौजूद मानव अवशेष को भी नहीं हटाया जाएगा। टाइटैनिक से भी गहराई में मिले इस जहाज के मलबे को रिसर्च के लिए रखा जाएगा।

1942 में डूबा था जापान का मॉन्टेवीडियो मारू जहाज

जापानी ट्रांसपोर्ट शिप मॉन्टेवीडियो मारू 1 जुलाई 1942 को फिलिपींस के पास डूब गया था। इसमें करीब 1060 वॉर प्रिजनर्स की मौत हुई थी। इनमें से 850 लोग ऑस्ट्रेलिया के सैनिक थे वहीं 129 लोग आम नागरिक थे। इसके अलावा जहाज पर 14 देशों के 210 नागरिक भी मौजूद थे। ये जहाज पापुआ न्यू गिनी से कैदियों को लेकर चीन के हैनान प्रांत जा रहा था। तभी एक अमेरिकी पनडुब्बी स्स स्टर्जियन ने इस पर 4 टॉरपीडो से हमला कर दिया था। दरअसल, उन्हें नहीं मालूम था कि इस जहाज में वर्ल्ड वॉर के कैदी मौजूद हैं। हमले होते ही जहाज पर तुरंत लाइफबोट लॉन्च किए गए थे लेकिन जहाज पलट जाने से 11 मिनट के अंदर ही ये डूब गया। जहाज पर मौजूद लोगों के परिवारों को कई सालों तक उनके परिजनों की मौत की खबर नहीं दी गई थी। जहाज डूबने के बाद उसका मलबा कहां गया था ये अभी तक एक रहस्य था।

परिवार तक चिट्ठी पहुंचने से पहले ही कैदियों की मौत हो गई थी -

जहाज पर जो लोग मौजूद थे उन्हें जापानियों ने जनवरी 1942 में बंदी बनाया था। इन कैदियों के पास से उनके परिवार के नाम कुछ चिट्ठियां मिली थीं। अप्रैल 1942 में जापानी अधिकारियों ने फैसला किया था कि इन चिट्ठियों को कैदियों के परिवार तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद हेलीकॉप्टर के जरिए 4 बैग भरकर इन चिट्ठियों को पापुआ न्यू गिनी के मोरेस्बी पोर्ट पर गिरा दिया गया था। सितंबर 1942 में ये चिट्ठियां ऑस्ट्रेलिया पहुंची थीं। हालांकि तब तक इन कैदियों की हमले में मौत हो गई थी।

मलबा मिलने के बाद कहीं जश्न तो कहीं आंखें नम

जहाज का मलबा ढूंढने वाली टीम ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर उनके साथ 2 ऐसे लोग भी काम कर रहे थे जिनके परिवार के सदस्यों की इस हादसे में मौत हुई थी। मलबा मिलने के बाद एक तरफ टीम के सदस्य जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ कुछ लोगों की आंखे नम थीं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा- इस खोज के पीछे टीम की असाधारण कोशिश इस बात का सबूत है कि हमारे नागरिक देश की सेवा करने वालों को याद रखने और उनका सम्मान करने में विश्वास रखते हैं।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, गर्भपात की गोली मिफेप्रिस्टोन से हटाया प्रतिबंध

वाशिंगटन।
अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली गर्भपात की गोली मिफेप्रिस्टोन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें, पहले इस गोली पर निचली अदालतों ने रोक लगा दी थी।

मिफेप्रिस्टोन से जुड़ी कानूनी लड़ाई उस समय शुरू हुई जब टेक्सास में एक संघीय न्यायाधीश ने इस दवा पर देशव्यापी बैन लगाने का आदेश दिया। कहा गया था कि दवा का इस्तेमाल जन्म लेने से पहले ही बच्चे की हत्या करने के लिए किया जा रहा है। मिफेप्रिस्टोन का इस्तेमाल आमतौर पर गर्भपात के लिए किया जाता है। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने मिफेप्रिस्टोन के गोलियों का सेवन करने को लेकर मान्यता दे रखी है। अमेरिका के टेक्सास और वाशिंगटन में फेडरल जजों ने 7 मार्च 2023 को मिफेप्रिस्टोन दवा को बैन करने का फैसला सुनाया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन के न्याय विभाग ने एक आपातकालीन अपील दायर की थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालत के इस फैसले को रोकने के लिए कहा गया था।

बाइडेन प्रशासन ने दी थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली गर्भपात की गोली मिफेप्रिस्टोन को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की मंजूरी दी। न्याय विभाग और मिफेप्रिस्टोन निर्माता डैंको लेबोरेटरीज की अपील पर अदालत में सुनवाई लंबित होने तक सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसलों को प्रभावी ढंग से रोक दिया है। बाइडेन ने कहा कि निचली अदालत के फैसलों ने एफडीए के चिकित्सा निर्णय को कमजोर कर दिया है और महिलाओं के स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ होता है कि मिफेप्रिस्टोन दवा सुरक्षित है। इस दवा को अमेरिका में साल 2000 में अनुमति मिली थी। अभी तक 50 लाख से अधिक लोगों ने इसका उपयोग किया है। अमेरिका में आधे से अधिक गर्भपात के मामलों में मिफेप्रिस्टोन का उपयोग किया जाता है। अदालत के कार्रवाई करने से पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने कहा था कि पीठ की ओर से जो भी कार्रवाई होगी, प्रशासन उसके लिए तैयार है। अगर जरूरत पड़ी तो हम एक लंबी कानूनी लड़ाई के लिए भी तैयार हैं।

इस साल 10 लाख भारतीयों को वीजा देगा अमेरिका! इन लोगों को दी जाएगी प्राथमिकता

वॉशिंगटन।
अमेरिका इस साल 10 लाख भारतीयों को वीजा दे सकता है। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि बाइडन सरकार जल्द ही वीजा जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। यूएस असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर साउथ एंड सेंट्रल एशिया डोनाल्ड लू ने बताया कि इस हफ्ते से वर्क वीजा जैसे एच-1बी और एल वीजा को प्राथमिकता देना शुरू कर देंगे। बता दें कि भारत के आईटी पेशेवरों में अमेरिका के एच-1बी वीजा की बहुत डिमांड है।

भारतीयों को मिलेगा फायदा

एच-1बी वीजा एक गैर प्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विदेश से तकनीकी दक्ष लोगों को नौकरी देने की सुविधा देता है। तकनीकी खासकर आईटी कंपनियां इसी एच-1बी वीजा की मदद से हर साल हजारों तकनीकी कर्मचारियों को अमेरिका बुलाती हैं। भारत और चीन के कुशल कर्मचारियों को इस वीजा से सबसे ज्यादा फायदा मिलता है।

डोनाल्ड लू ने बताया कि उनकी सरकार इस साल करीब दस लाख वीजा जारी करने वाली है। यह एक रिकॉर्ड है और इसमें रिकॉर्ड नंबर में छात्रों और अप्रवासियों को वीजा जारी किए जाएंगे।

अभी वीजा के लिए इंतजार लंबा

भारत में बड़ी संख्या में लोग अमेरिका जाने की इच्छा रखते हैं। इनमें बड़ी संख्या तकनीकी कर्मचारियों और छात्रों की है। हालांकि भारत में अमेरिकी वीजा के लिए इंतजार का बढ़ता समय चिंता का सबब बना हुआ है। पहली बार अमेरिका के वीजा के लिए अप्लाई करने वालों लोगों को सालभर तक इंतजार करना पड़ रहा है।

क्वीन एलिजाबेथ की पड़पोते-पोतियों के साथ तस्वीर: केट मिडलटन ने शेयर की तस्वीर, इसमें हैरी-मेगन के बच्चे मौजूद नहीं

लंदन।
ब्रिटेन की पूर्व महारानी एलिजाबेथ का 97वां जन्मदिन था। इस मौके पर प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट मिडलटन ने एलिजाबेथ की एक अनोखी तस्वीर शेयर की। इस फोटो में क्वीन पहली बार अपने पड़पोते-पोतियों के साथ नजर आ रही हैं। ये तस्वीर पिछले साल एलिजाबेथ के निधन से पहले बाल्मोरल में एक फैमिली ट्रिप के दौरान ली गई थी।

फोटो में एलिजाबेथ के साथ विलियम-केट के तीनों बच्चे प्रिंस जॉर्ज, प्रिंस लुइस और प्रिंसेज शारलट सहित कुल 10 बच्चे मौजूद हैं। हालांकि, इसमें हैरी-मेगन के बच्चे आर्ची और लिलिबेट नजर नहीं आ रहे हैं।

रॉयल फैमिली ने भी तस्वीर शेयर कर महारानी को याद किया

इसके अलावा रॉयल फैमिली ने भी क्वीन के जन्मदिन पर एक तस्वीर शेयर की। इस पर लिखा हुआ था- इस खास दिन पर हम उनके शानदार जीवन और विरासत को याद कर रहे हैं। एलिजाबेथ के निधन से पहले हर साल अप्रैल में उनका जन्मदिन परिवार के साथ निजी तौर पर मनाया जाता था। इस दिन पूरे ब्रिटेन में रॉयल पार्क और महलों में सैनिक सलामी देते थे।

जून में होता है क्वीन का ऑफिशियल बर्थ-डे

इसके अलावा हर साल जून में क्वीन एलिजाबेथ का ऑफिशियल जन्मदिन भी मनाया जाता था। इस दिन लंदन के हॉर्स गार्ड परेड में वार्षिक मिलिट्री परेड ट्रूपिंग द कलर का आयोजन किया जाता था। इसके बाद महारानी बकिंघम पैलेस की रॉयल बालकनी में खड़े होकर अपने प्रशंसकों का धन्यवाद करती थीं। इस दौरान वो अपने बच्चों के साथ रॉयल एयर फोर्स की फ्लाईपास्ट भी देखती थीं।

पिछले साल 8 सितंबर को हुआ था निधन

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का पिछले साल 8 सितंबर को निधन हो गया था। तब वो स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कासल में मौजूद थीं। वो ब्रिटेन पर सबसे ज्यादा साल (70 साल) तक राज करने वाली महारानी रहीं। उन्होंने 6 फरवरी 1952 को ब्रिटेन का शासन संभाला था। निधन के बाद दिवंगत महारानी को सैल्यूट दिया गया था। क्वीन 96 साल की थीं, इसलिए उन्हें हर साल के हिसाब से 96 राउंड की फायरिंग के साथ गन सैल्यूट दिया गया था। इसके बाद उनके बेटे चार्ल्स को ब्रिटेन का किंग घोषित किया गया।

बिलावल भुट्टो बोले- बातचीत करने भारत नहीं जा रहा

कहा- जाने की वजह एससीओ समिट; भारत ने साफ किया- एक देश पर फोकस नहीं

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो 4 मई को एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत आएंगे। भारत आने से पहले पाकिस्तानी चैनल दुनिया न्यूज में बिलावल भुट्टो ने साफ किया है कि ये दौरा भारत से संबंधों को सुधारने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा, हम एससीओ चार्टर को लेकर प्रतिबद्ध हैं। इस विजिट को भारत से बातचीत के संबंध में नहीं देखना चाहिए। इसे एससीओ तक ही सीमित रखें। इससे पहले जब भारत के विदेश मंत्रालय से बिलावल की विजिट के बारे में पूछा गया तो प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि एससीओ के किसी एक सदस्य पर फोकस करना गलत होगा। 12 सालों के बाद पहली बार ऐसा होगा जब पाकिस्तान का विदेश मंत्री भारत आएगा। इससे पहले 2011 में पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हीना रब्बानी खार भारत आई थीं। भारत ने चीन और पाकिस्तान समेत एससीओ संगठन के आठ देशों को विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए न्योता भेजा है। माना जा रहा है कि चीन और रूस के विदेश मंत्री भी 4 मई से शुरू होने वाली बैठक में शामिल होंगे। भारत को पिछले साल सितंबर में एससीओ संगठन की अध्यक्षता मिली थी। आखिरी बार 2015 में मिले थे भारत-पाक के बड़े नेता भारत और पाकिस्तान के बीच 7 साल से कोई बातचीत नहीं हो रही है। पाकिस्तान के उस समय के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ कई साल बाद आखिरी बार 2014 में भारत आए थे। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया गया था। इसे दोनों देशों के बीच एक नई शुरूआत के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि, ऐसा हो नहीं पाया। नवाज शरीफ की भारत यात्रा के बाद साल 2015 में पीएम मोदी भी पाकिस्तान गए थे। पूर्व एम्बेसडर अनिल त्रिगुनायत ने कहा है, बिलावल के भारत आने से कुछ नहीं बदलेगा। हालांकि, हो सकता है कि इस विजिट में अगर ज्यादा मतभेद न हों तो जुलाई में प्रधानमंत्रियों की बैठक के लिए शाहबाज शरीफ भारत आ जाएं। इस बैठक से पाकिस्तान को अपनी आर्थिक समस्याएं बताने का मौका मिलेगा। इससे उसे कुछ मदद भी मिल सकती है। एससीओ यानी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन का गठन 2001 में हुआ था। एससीओ एक पॉलिटिकल, इकोनॉमिकल और सिक्योरिटी ऑर्गेनाइजेशन है। भारत, रूस, चीन और पाकिस्तान समेत इसके कुल 8 स्थाई सदस्य हैं। शुरुआत में एससीओ में छह सदस्य- रूस, चीन, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान थे।

पाकिस्तान में तेजी से बिगड़ रहे आर्थिक हालात, बड़ी संख्या में देश छोड़ने को तैयार हैं पाक नागरिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री आतिफ मियां ने कहा है कि आगामी आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति और आतंकी हमले बढ़ने के चलते बड़ी संख्या में पाकिस्तानी देश छोड़ने को तैयार हैं। पाकिस्तान में अहमदी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले आतिफ ने 5 वर्ष पूर्व अपनी नौकरी खोनी पड़ी। उन्होंने देश के हालात पर एक लेख वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) में लिखा है। बिगड़ते आर्थिक हालात पर निशाना साधते हुए अर्थशास्त्री आतिफ मियां ने लिखा, पाकिस्तान एक ऐसी जगह है जहां निवेशक जाने को तैयार नहीं हैं जबकि गूगल ट्रेंड्स पाकिस्तान को देखें तो सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले शब्दों में वीजा शब्द शामिल है। उनके अनुसार, भारत या बांग्लादेश में इतनी बड़ी संख्या में खोजें नहीं देखी जाती हैं। इससे पता चलता है कि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी देश छोड़ने को तैयार हैं। आतिफ मियां के मुताबिक राजनेता हों, नौकरशाह हों या सैन्य प्रतिष्ठान, आज सरकार लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पेमरा) ने देश भर के स्थानीय केबल टीवी ऑपरेटरों को भारतीय चैनलों का प्रसारण बंद करने का आदेश दिया। उसने चेताया कि यदि वे आदेशों को नहीं माने तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पेमरा ने यह भी कहा कि अतीत में कई केबल ऑपरेटरों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था। पाकिस्तान पहले भी कई बार भारतीय फिल्मों और टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगा चुका है।

बारह दिन से वर्क सस्पेंड पर चल रहे वकील कल से लौटेंगे

सिरसा (हिंस)। सिविल लाइन थाने में सिरसा के वकीलों पर दर्ज की गई एफआईआर को पुलिस प्रशासन ने कैंसिल कर दिया है। अब जिलेभर के वकील शनिवार व रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार से अपने काम पर लौटेगे। हालांकि शुक्रवार को भी जिले की अदालतों में काम प्रभावित रहा और दिनभर करीब 1003 केसों में सुनवाई नहीं हो पाई। इस मामले को लेकर जिलेभर के वकीलों ने पिछले 12 दिन से अदालतों में वर्क सस्पेंड कर रखा था। जिले की अदालतों में कामकाज प्रभावित हो रहे थे। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान गणेश सेठी व उप-प्रधान सन्नी बब्बर ने बताया कि ये सच्चाई व एकता की जीत है। अब वर्क शुरू हो जाएगा। इस मामले में गत 10 अप्रैल से जिलेभर की अदालतों में वकीलों का वर्क सस्पेंड था। इसके कारण जिलेभर में करीब 11 हजार से अधिक मामलों की सुनवाई ना हो सकी। इन केसों में सुनवाई के लिए एक भी वकील कोर्ट में पेश नहीं हुआ। जिसके चलते कोर्ट में पेश हुए लोग बार एसोसिएशन के तरफ से हर कोर्ट में लगाए गए दो-दो प्रोक्सी कांउसिल के माध्यम से अपने केस की अगली तारीख लेते रहे।

भरतपुर में भड़की आरक्षण की चिंगारी, आगरा-बीकानेर हाइवे जाम

भरतपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले भरतपुर जिले में आरक्षण की मांग तेज हो गई है। माली, कुशवाह, शाक्य और मौर्य समाज ने 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए आज (शनिवार) सुबह अरौंदा गांव के पास आगरा-बीकानेर हाइवे जाम कर दिया है। यह लोग हाइवे पर बैठ गए हैं। जिला प्रशासन ने आंदोलन को देखते हुए जिले के नदबई, वैर और भुसावर में मोबाइल इंटरनेट सेवा पर अस्थाई प्रबंध लगा दिया है। दोपहर तक प्रशासन और आंदोलनकारी नेताओं के बीच बातचीत होने की उम्मीद है। भरतपुर जिले में वैर और डेहरा मोड़ के बीच आंदोलनकारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठे हैं। यहां बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने देहरा मोड़, नदबई, हेलना होते हुए वैकल्पिक मार्ग खुलवाया है, ताकि लोगों को आवागमन में कोई परेशानी नहीं हो। इससे पहले शुक्रवार दोपहर हलैना-वैर मार्ग पर गांव रमासपुर के पास जाम लगाने पर आमादा लाठीधारी आंदोलनकारियों को पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर खदेड़ा। इस पर लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। यह लोग भुसावर क्षेत्र के बल्लभगढ़ पहुंच गए। यहां एक पुलिस गाड़ी का घेराव कर शीशे तोड़

दिए। शुक्रवार शाम करीब सवा सात बजे गांव अरौंदा के पास पुलिस पर पथराव किया गया। आखिर में पुलिस को बैरंग लौटना पड़ा। आंदोलन के केंद्र अरौंदा गांव के आसपास के क्षेत्र को माली, कुशवाह, शाक्य और मौर्य समाज का गढ़ माना जाता है। यहां इन जातियों के वर्चस्व वाले तीन विधानसभा क्षेत्र हैं। इसमें भरतपुर की नदबई और वैर के अलावा दौसा की महवा विधानसभा सीट है। इन लोगों ने 12 जून, 2022 को भी नौ दिन आंदोलन किया था। संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा ने शुक्रवार रात 12 बजे से शनिवार रात 12 बजे तक 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवा को अस्थाई रूप से बंद करने के आदेश जारी किए हैं। नदबई, वैर और भुसावर में यह सेवा बंद हो गई है। आंदोलन कारी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ पहुंचे हैं। आंदोलन स्थल पर महिलाएं भी हाथों में लाठियां लेकर बैठी हुई हैं। अरोदा, हंतरा और बेरी गांवों से गुजर रहे हाइवे पर जगह-जगह अवरोधक के रूप में पत्थर और पूलियां (फसल के गट्ठर) डाल दिए गए हैं। पुलिस भारी वाहनों को उच्चैन तिराहे से आगे नहीं जाने दे रही। आगरा से जयपुर और जयपुर से आगरा जाने वाले वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जयपुर जाने वाले वाहन भरतपुर में ही रोक दिए गए हैं। आंदोलन में छात्र नेता भी कूद गए हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र नेता किरोड़ी लाल सैनी ने कहा कि पांच-सात साल से सैनी समाज आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहा है। सरकार लॉलीपॉप थमाकर आंदोलन खत्म करा देती है। मंत्री और विधायकों के इशारे पर पुलिस ने आंदोलनकारियों पर बल प्रयोग किया है। सम्राट अशोक सेना की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजली ने कहा कि नवकुश कल्याण बोर्ड का सरकार गठन करे। छात्र नेता विनोद भुट्टोलिया ने कहा कि इस बार आर-पार की लड़ाई होगी। हाइवे तो जाम रहेगा पर एंबुलेंस आदि को रास्ता दिया जाएगा। इस बीच आंदोलनकारियों ने फुले आरक्षण समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी को सरकार से रिहा करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि मुरारीलाल सैनी के नेतृत्व में आरक्षण आंदोलन संघर्ष समिति ने मांगें न मानने पर हाइवे रोकने की चेतावनी दी थी। इस दौरान उन्हें कुछ लोगों के साथ हिरासत में ले लिया गया था।

राजस्थानी भाषा को प्रदेश की राजभाषा बनाने के लिए गहलोत सरकार गंभीर : ओएसडी लोकेश शर्मा

बीकानेर (हिंस)। दो दिवसीय बीकानेर दौरे पर आए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने कहा कि अपनी मातृभाषा में बोलना बड़े गर्व की बात है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी मातृभाषा के लिए बेहद गंभीर हैं। राजस्थानी मोट्यार परिषद, बीकानेर टीम ने द्वारा राजस्थानी भाषा को प्रदेश की राजभाषा बनाने के लिए दिए ज्ञापन के बाद यह बात लोकेश शर्मा ने कही। राजस्थानी मोट्यार परिषद के प्रतिनिधि मंडल में एडवोकेट राजेश कड़वासरा, एडवोकेट हिमांशु टाक, प्रशान्त जैन, रामावतार उपाध्याय, मुकेश रामावत, सरजीत सिंह, योगेश व्यास, कमलकिशोर मारू, मुकेश सिंढ़ायच, भगवानाराम, राजुनाथ,बाबूलाल आदि शामिल थे। टीम द्वारा बताया गया कि टीम के प्रयासों से वर्तमान के 200 में से 160 पक्ष एवं विपक्ष के विधायक एवं मुख्यमंत्री को राजस्थानी भाषा को राजभाषा बनाने के लिए पत्र लिख चुके हैं, अब राजस्थान सरकार किसका इंतजार कर रही है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही राजस्थान विधानसभा में 25 अगस्त 2003 को सर्व सहमति से संकल्प- प्रस्ताव पारित हुआ था, किंतु आज तक केंद्र सरकार ने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान नहीं की है, अतः राजस्थान-वासियों को नौकरियों में ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिले इसके लिए राजस्थान में अन्य राज्यों की तरह अपनी मातृभाषा को राजभाषा एवं शिक्षा में शामिल करना बड़े गर्व की बात होगी।

जालंधर पहुंचे सांसद मनीष तिवारी: कहा जब पाकिस्तान के नेताओं का भारत दौरा होता है, आतंकी हमले करवाए जाते हैं

जालंधर। जालंधर उपचुनाव के चुनाव प्रचार के बीच शनिवार को जालंधर पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और श्री आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी ने केंद्र और पंजाब सरकार पर जमकर हमले बोले। पंजाब प्रेस क्लब में सांसद तिवारी ने कहा कि पुंछ सेक्टर में आतंकी हमले में जो जवान शहीद हुए, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं साथ ही राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक की रिपोर्ट पर केंद्र सरकार से जवाब भी मांगता हूं कि इंटेलिजेंस फैलियर के कारण पठानकोट, उरी जैसे आतंकी हमले अंजाम दिए गए। तिवारी ने कहा कि पुंछ हमले के शहीदों में चार जवान पंजाब के थे और पंजाबी हमेशा से सरहद पर बलिदान देते आए हैं और दूसरी तरफ हमारी सरकारें पंजाबियों को राष्ट्रीय खतरा और देशद्रोही बता रही हैं। फरवरी 2017

से अब तक पंजाब के 102 जवान आतंकी हमलों और उनसे लड़ाई में शहीद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह हमला सुनियोजित तरीके से किया गया क्योंकि 4 से 5 मई को पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत आ रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब भारत या पाकिस्तान के राजनेता आए हो और आतंकी हमला ना हुआ हो। पाकिस्तान आतंकवाद को एक्सपोर्ट करता आया है। सांसद ने कहा कि केंद्र ने पॉलिसी बनाई थी कि पाकिस्तान से आतंकी हमलों के बीच बातचीत संभव नहीं फिर अब वह पॉलिसी कहां गई। जालंधर उपचुनाव, विपक्षी एकता और महंगाई के मुद्दों पर सांसद तिवारी ने कहा कि किन परिस्थितियों में चुनाव हुए यह देखना बहुत जरूरी है। विपक्षी एकता की बात करने वाली पार्टियों को देखना चाहिए कि जालंधर में कांग्रेस का सिटिंग एमपी था, सांसद चौधरी को श्रद्धांजलि देते हुए विपक्षी पार्टियों को उम्मीदवार ना उतारकर गठबंधन में चुनाव लड़ना चाहिए था क्योंकि केंद्र और भाजपा को सबक सिखाने के लिए जालंधर उपचुनाव बहुत बड़ा मंच था। जालंधर के विकास की बात करने वाले बताएं कि एक सांसद से विकास की क्या उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि जो कभी सांसद थे आज वह प्रदेश के मुख्यमंत्री है और उनके एरिया में जाकर देखो कितना विकास हुआ है। शिरोमणि अकाली दल पर तंज कसते हुए सांसद तिवारी ने कहा कि किसान बिल पर भाजपा से अलग होने वाले यह रोना रोते हैं कि दिल्ली में उनकी कोई बात नहीं सुनता था तो 10 साल सरकार कैसे चल गई। तिवारी ने कहा कि केंद्र और पंजाब में एकजुटता दो अलग मंच है और एक नीति नहीं चलेगी। पार्टियों को सोचना है कि भाजपा को सत्ता से कैसे दूर रखा जा सकता है। महंगाई पर सांसद तिवारी ने कहा कि गरीब 1100 का सिलेंडर और 100 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल खरीद रहे हैं यही अच्छे दिन हैं। सांप्रदायिक सौहार्द पर किसकी सरकारें ज्यादा नहीं टिकतीं। जालंधर उपचुनाव रेफरेंडम ऑफ भारत है और विपक्षी पार्टियों के लिए एकता दिखाने का यही सही समय है आपस में लड़ते रहे तो नुकसान सभी का होगा। जी-20 सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए सांसद तिवारी ने कहा कि यूपीए सरकार में देश सुरक्षित था जहां पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की फॉरेन पॉलिसी से सभी एकजुट थे। भाजपा की 9 साल की सरकार तो आसपास भी नहीं है, जी-20 सम्मेलन की मेजबानी सभी देशों को मिलती है और भारत भी उसका हकदार है, केंद्र और भाजपा इसे अपनी वाहवाही समझते हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में संदिग्ध हलचल के बाद बीएसएफ ने चलाया तलाशी अभियान

सांबा (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार सुबह जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर के रामगढ़ क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कुछ संदिग्ध हलचल के बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। पूरे क्षेत्र को अलर्ट पर रखा गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार सुबह तकरीबन 5 बजे नारायणपुर पोस्ट के पास पाकिस्तान की तरफ से संदिग्ध गतिविधियों को बीएसएफ के जवानों ने देखा। इसके बाद जवानों ने उस ओर फायरिंग की, जिसके बाद जेहड़ा गांव के पास बीएसएफ की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वह खेतों में जाते समय सावधानी बरतें और अगर किसी तरह की संदिग्ध वस्तु उन्हें दिखती है तो इसकी जानकारी तत्काल सुरक्षाबलों को दें। खबर लिखे जाने तक बीएसएफ का अभियान जारी था।

पंजाब में 411 नए पॉजिटिव मामले, एक की मौत

चंडीगढ़। पंजाब में कोरोना से शुक्रवार को जालंधर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि बीते 24 घंटे के दौरान राज्य में 8087 सैंपलों की टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर 411 नए मरीजों की पुष्टि हुई। इन मरीजों में से चार को आईसीयू में दाखिल किया गया है। इसके साथ ही राज्य में कोरोना के सक्रिय केसों की कुल संख्या 1995 तक पहुंच गई है जबकि मरने वालों की संख्या 229 हो गई है। राज्य के विभिन्न अस्पतालों में 34 मरीजों को आक्सीजन सपोर्ट पर, 10 मरीजों को क्रिटिकल केयर लेवल-3 में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मोहाली जिले में सबसे ज्यादा 66 नए मरीजों की पुष्टि हुई जबकि पटियाला में 44, लुधियाना में 42, फाजिल्का में 41, बठिंडा में 28, नवांशहर में 23, जालंधर में 22, होशियारपुर में 20, फिरोजपुर में 18, मुक्तसर व संगरूर में 17-17, रोपड़ में 15, अमृतसर मे 13, मोगा में 11, फरीदकोट में 9, बरनाला व गुरदासपुर में 7-7, मानसा में 4, फतेहगढ़ साहिब में 3, पठानकोट में 2, कपूरथला व मालेरकोटला में 1-1 नए मरीज की पुष्टि हुई है। हरियाणा में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 1348 नए मरीज मिले हैं। अब प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 5468 पहुंच गई है। संक्रमण दर बढ़कर 13.82 फीसदी पहुंच गई है। रिकवरी दर 98.48 और मृत्यु दर 1 प्रतिशत है।

सत्यपाल मलिक विपक्ष का मोहरा बने हुए हैं : जयप्रकाश दलाल

भिवानी (हिंस)। कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को लेकर एक बड़ा ब्यान देते हुए कहा कि सत्यपाल मलिक विपक्ष का मोहरा बने हुए हैं। उनका ध्येय है कि बुढ़ापे में कोई राजनीतिक दल उन्हे राज्यसभा भेज दें। कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि सत्यपाल मलिक बुजुर्ग व्यक्ति है, उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा निकाला है। जब वे पद पर थे, उस समय उनके सामने कुछ मामले संज्ञान में आए थे। जिनकी जानकारी उन्होंने उस समय छिपाई, यह अपराध है। यह बात कृषि मंत्री ने लोहारू में ईद-उल-फितर व भगवान परशुराम जयंती कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। कृषि मंत्री ने कहा कि ओलावृष्टि व बेमौसमी बारिश से खराब हुई फसलों का डाटा जिला स्तर पर रिकॉर्ड किया जा चुका है तथा एफसीआर से मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही किसानों के खातों में फसल खराबे की धनराशि डाल दी जाएगी। कृषि मंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी हरियाणा प्रदेश की मंडियों का दौरा कर चुके है तथा गेहूं खरीद को लेकर अधिकारियों को आदेश दे चुके हैं। वाड्रा डीएलएफ मामले में कांग्रेस द्वारा वाड्रा को क्लीन चिट दिए जाने के ब्यान पर कृषि मंत्री ने कहा कि अभी इस मामले में जो एफआईआर दर्ज थी, उसकी जांच चल रही थी तथा मामले से जुड़े तहसीलदार ने सिर्फ यही माना है कि रजिस्ट्री में कोई गड़बड़ नहीं है तथा रजिस्ट्री में टैक्स चोरी नहीं हुए। ऐसे में सिर्फ इस आधार पर कांग्रेस पर क्लीन चिट मिलने की बात कहकर गुमराह करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की नासमझी है, अभी जांच पूरी नहीं हुई, जबकि मामला भ्रष्टाचार का है। कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने ईद-उल-फितर व भगवान परशुराम जयंती पर कार्यक्रम में शिरकत करते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी तथा कहा कि ये त्यौहार प्यार-प्रेम व भाईचारे का संदेश देते है। इस मौके पर कृषि मंत्री ने लोहारू में नवनिर्मित परशुराम धर्मशाला व सैनी धर्मशाला का उद्घाटन भी किया।

जिला शिक्षा अधिकारी की टीम ने तीन बड़े बुक डिपो पर की छापेमारी

सिरसा (हिंस)। रानियां नगर में प्राइवेट पब्लिशर्स व नकली एनसीईआरटी की किताबों की जांच के लिए शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी की टीम ने तीन बड़े बुक डिपो पर छापेमारी की। इसके अलावा उन्होंने दो निजी स्कूलों की जांच की। छापों के दौरान बुक डिपो और उनके गोदाम की गहन पड़ताल की गई। जिला शिक्षा अधिकारी आत्म प्रकाश मेहरा ने बताया कि सरकारी अवकाश के दिन भी स्कूल खुले होने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसके बाद शहर के दो निजी स्कूलों में पहुंचकर जांच की गई। निजी स्कूलों की जांच के दौरान स्कूल में कोई छात्र मौजूद नहीं था। वहीं सरकार के निर्देशानुसार सभी निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक एनसीईआरटी की किताबें लगाई गई है। इसके बावजूद भी कुछ निजी स्कूल प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबे स्कूलों में लगा रहे हैं। जिन किताबों पर वह अपनी इच्छा अनुसार रेट लगाते हैं। जिसके चलते अभिभावकों को लूटा जा रहा है।

नेता को बाजार में हथकड़ी पहनाना एसएचओ को पड़ा महंगा

चंडीगढ़। धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार शिअद नेता को बाजार में हड़कड़ी पहनाने पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एसएचओ पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए यह राशि हाईकोर्ट कर्मचारी कल्याण के लिए जमा करवाने का आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए सुरेश कुमार सतीजा ने बताया कि उसने 2017 में अबोहर विधानसभा क्षेत्र से शिरोमणि अकाली दल की तरफ से चुनाव लड़ा था। चुनाव में सत्तासीन कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार की हार हुई थी। इसके बाद द्वेष के चलते याचिकाकर्ता पर धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में 17 जून 2018 को एफआईआर दर्ज करवा दी गई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया और उसे एक दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। याची के वकील ने बताया कि इसके बाद सतीजा को प्रताड़ित किया गया। जांच के दौरान उसे बाजार में ले जाकर एसएचओ ने हथकड़ी पहना दी। शिअद नेता ने सार्वजनिक स्थल पर हथकड़ी लगाने को अधिकारों का हनन बताते हुए जांच अधिकारी अबोहर के एसएचओ बलविंदर सिंह के खिलाफ न्यायालय की अवमानना के तहत कार्रवाई की मांग की। एसएचओ की ओर से बताया गया कि जांच के दौरान जब सुरेश कुमार सतीजा को बाजार लेकर गए थे तो उस दौरान भारी संख्या में उसके समर्थक मौजूद थे। स्थिति का आंकलन और शिअद नेता के भागने की संभावना को देखते हुए उसे हथकड़ी लगाई गई थी। उसकी दलील थी कि विभाग की ओर से गठित एसआईटी ने उसे क्लीनचिट दी है। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि एसएचओ ने परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लिया लेकिन इस प्रकार हथकड़ी लगाना गलत था।

धूप में भी बच्चों का उल्लास परवान पर

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर में मुस्लिम समाज ने ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को हर्षोल्लास से मनाया। बच्चों का उल्लास भी परवान पर रहा। चिलचिलाती धूप में भी बच्चे चकरी-डोलर का लुत्फ लेते नजर आए। रमजान के महीने के बाद ईद का उल्लास सुबह से ही मुस्लिम बहुल मोहल्लों में दिखाई देने लगा। उदयपुर में आय ? स्थित ईदगाह को तिरंगी छटा के गुब्बारों से सजाया भी गया। उदयपुर की चेतक सर्कल स्थित प्रमुख मस्जिद पलटन पर साढ़े आठ बजे ईद की नमाज हुई जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा की और देश में अमन व खुशहाली की दुआ मांगी। अलग-अलग मस्जिदों में अलग-अलग समय ईद की नमाज हुई। ईद की नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। इस बीच, कब्रिस्तान में भी मरहूमों की मगफिरत में फातेहा पढ़ी गई। इसके बाद मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों को ईद की मुबारकबाद का दौर चला। बच्चों को बड़ों ने

ईदी बांटी। दिन भर मुस्लिम बहुल मोहल्लों में ईद की रेलमपेल नजर आई। वहां लगे चकरी-डोलरों पर बच्चों का उल्लास गूंजता रहा। ईद के त्योहार पर नए परिधान पहने बच्चों ने चकरी-डोलर के साथ आइसक्रीम-कुल्फी व अन्य चाट-पकौड़ी का लुत्फ उठाया। मोहल्लों में सामूहिक रूप से भी युवाओं ने ईद के मौके पर विविध आयोजन रखे।

फर्जी खेल सर्टिफिकेट बनवाकर तीन युवकों ने पाई सरकारी नौकरी

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद के तीन युवकों द्वारा खेल के फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर सरकारी नौकरी लेने का मामला प्रकाश में आया है। इनमें से दो युवक वर्तमान में फतेहाबाद में बेलदार के पद पर तैनात है, जबकि एक युवक सिरसा जिले में पशुपालन विभाग में ड्यूटी कर रहा है। इस मामले में फतेहाबाद पुलिस ने शुक्रवार को सीएम फ्लाइंग के इंस्पेक्टर की शिकायत पर तीनों युवकों के खिलाफ, फर्जी एसोसिएशन के प्रधान व सचिव तथा तत्कालीन जिला खेल अधिकारी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। सीएम फ्लाइंग हिसार से इंस्पेक्टर रिछपाल सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि वर्ष 2019-20 के दौरान जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी द्वारा आवेदकों से मिलीभगत करके फर्जी डी ग्रेट के स्पोर्टस ग्रेडेशन सर्टिफिकेट जारी करने व आवेदकों द्वारा उन फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर खेल कोटे से सरकारी नौकरी प्राप्त करने बारे सूचना मिली थी। इस पर जब जांच की गई तो पता चला कि जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी फतेहाबाद द्वारा वर्ष 2019-20 में 122 खिलाडियों के स्पोर्ट्स ग्रेडेशन सर्टिफिकेट बनाए गए थे, जिनमें 109 ग्रेड डी व 13 ग्रेड सी के थे। जांच में सामने आया कि राहुल कुमार निवासी बनावाली को ग्रेड डी का सर्टिफिकेट जारी किया गया है। राहुल ने कराटे प्रमाण पत्र के आधार पर लोक निर्माण विभाग में नौकरी पाई। वर्तमान में राहुल लोक निर्माण विभाग फतेहाबाद में बेलदार के पद पर तैनात है। इसके अलावा गांव ढाण्ड निवासी मक्खन को भी इसी दिन सर्टिफिकेट जारी किया गया और मक्खन ने कराटे प्रमाण पत्र के आधार पर लोक निर्माण विभाग गुरूग्राम में ग्रुप डी की नौकरी पाई और वर्तमान में वह एनीमल अटेंडेंट, पशुपालन विभाग में गांव कुम्हारिया जिला सिरसा में तैनात है। इसके अलावा गांव बनावाली के महावीर सिंह ने फर्जी कराटे प्रमाण पत्र के आधार पर सिंचाई विभाग में ग्रुप डी की नौकरी पाई और वर्तमान में वह सिंचाई विभाग फतेहाबाद के ब्लाक भट्टूकलां में बेलदार के पद पर तैनात है।

विष्णु के छठे अवतार हैं भगवान परशुराम : मूलचंद शर्मा

परशुराम जयंती पर कैबिनेट मंत्री ने की समाज में सुख-समृद्धि की पूजा-अर्चना

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने शनिवार को गांव कुलेना में भगवान श्री परशुराम जयंती के शुभ अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर में पूजा अर्चना की। इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मंदिर में अपनों के बीच बैठकर सभी लोगों से विचार विमर्श किया और उनका हाल-चाल जानते हुए भगवान परशुराम जी से प्रार्थना की कि देश प्रदेश में सुख शांति अमन चैन बना रहे। उन्होंने कहा कि परशुराम जी की जयंती वैशाख मास में शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। इस पावन दिन को अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर भगवान विष्णु के अवतार परशुराम का जन्म हुआ था। भगवान परशुराम भार्गव वंश में जन्मे भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं, उनका जन्म त्रेतायुग में हुआ था। माना जाता है कि इस दिन किया गया दान-पुण्य कभी क्षय नहीं होता। अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने के कारण ही भगवान परशुराम की शक्ति भी अक्षय थी। इतना ही नहीं इनकी गिनती

तो महर्षि वेदव्यास, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, ऋषि मार्कंडेय सहित उन आठ अमर किरदारों में होती है जिन्हें कालांतर तक अमर माना जाता है। वहीं गांव की समस्त सरदारी ने मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा का गांव कुलैना में पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ जोरदार स्वागत भी किया।

निर्यात में सुस्ती के बावजूद अर्थव्यवस्था में लचीलापन बरकरार, क्या कहते हैं आंकड़े

नई दिल्ली।
भारत की आर्थिक गतिविधि मार्च में लचीली रही, हालांकि निर्यात की कमजोर गति और बेरोजगारी में वृद्धि ने देश के लिए विकास के अनुमानों को घटा दिया है। अर्थव्यवस्था के कई मानक इस बात के संकेत दे रहे हैं कि भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रही थी। ब्लूमबर्ग की ओर से संकलित आठ उच्च आवृत्ति संकेतकों वाले समग्र गतिविधि ट्रैकर इस बात की पुष्टि करता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मई के बाद पहली बार ब्याज दरों में 250 बेसिस अंकों की वृद्धि के प्रभाव का आकलन करने के लिए ब्याज दरों को स्थिति रखने का फैसला किया है। खुदरा और थोक महंगाई में भी महीनों बाद कमी दर्ज की गई है। पिछले हफ्ते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कोशिश कर रही है कि अर्थव्यवस्था में तेजी बनी रहे, हालांकि उन्होंने ओपेक+ उत्पादन में कटौती और यूक्रेन में रूस के युद्ध से जुड़े प्रभाव पर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित वस्तुओं और सेवाओं की मांग में कमजोरी भारत के आर्थिक विकास पर दबाव बना सकता है।

व्यावसायिक गतिविधि – क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षणों से पता चला है कि कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने से आपूर्ति शृंखलाओं पर दबाव कम होने से विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में सुधार हुआ है। भारतीय सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मार्च में 12 साल के उच्चतम स्तर से घटीं हैं, जिससे कंपोजिट सूचकांक फरवरी के 59 से घटकर 58.4 पर आ गया। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा, सेवा कंपनियों के एक बड़े हिस्से ने बढ़ती लागत से बचाव के लिए अपनी बिक्री की कीमतों में वृद्धि की है।

निर्यात – मार्च में निर्यात में 13.9प्रतिशत की गिरावट आई। लगातार चौथे महीने इसमें गिरावट आई जबकि एक साल पहले की तुलना में इसमें 7.90प्रतिशत गिर गया। बार्कलेज पीएलसी के अर्थशास्त्री राहुल बाजोरिया ने कहा, धीमी वैश्विक अर्थव्यवस्था से आने वाली चुनौतियों का निर्यात पर और ज्यादा असर पड़ना शुरू हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में एक साल पहले की तुलना में मार्च में 57प्रतिशत की वृद्धि हुई है क्योंकि प्रमुख मोबाइल उपकरण निर्माता चाइना प्लस वन की रणनीति के साथ भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बढ़ते ब्याज दरें और उच्च महंगाई से असुरक्षित कर्ज डूबने का खतरा बढ़ा, आरबीआई ने बैंकों को किया आगाह

नई दिल्ली। बढ़ती ब्याज दरें और उच्च महंगाई दर से असुरक्षित कर्ज पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को आगाह किया है। इसने कहा है कि आने वाले समय में इस तरह के कर्ज पर डिफॉल्ट का खतरा बढ़ सकता है। पिछले माह बैंकों के साथ बैठक में केंद्रीय बैंक ने यह निर्देश दिया था। असुरक्षित कर्ज में ज्यादातर पर्सनल और क्रेडिट कार्ड के कर्ज आते हैं। इनके लिए बैंक कोई भी गिरवी नहीं रखते हैं। इसलिए इस तरह के कर्ज पर ज्यादा जोखिम की आशंका बनी रहती है। कोरोना कम होने से अब बैंक असुरक्षित कर्ज बांटने में फिर तेजी दिखाने लगे हैं। क्रेडिट कार्ड पर बैंकों ने जनवरी, 2023 तक कुल 1.87 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया है। जनवरी, 2022 में यह 1.53 लाख करोड़ रुपये था। एक साल में इसमें 34 हजार करोड़ की बढ़त आई है। एक निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, असुरक्षित कर्ज देने में जोखिम आरबीआई के रडार पर रहा है। आरबीआई निजी तौर पर बैंकों को इस तरह के जोखिमों के प्रति आगाह करता रहा है। उन्हें अंडरराइटिंग प्रैक्टिस को कड़ा करने के लिए कहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सितंबर, 2022 तक सभी उत्पाद श्रेणियों में कुल कंज्यूमर क्रेडिट में धोखाधड़ी का स्तर सरकारी बैंकों के लिए 4.3 फीसदी और निजी बैंकों के लिए 1.5 फीसदी था। एक साल पहले यह क्रमशः 4.8 फीसदी और 2.4 फीसदी पर था। आक्रामक उधार देने से ज्यादा डिफॉल्ट हो सकता है। अगर चेक और बैलेंस बनाए नहीं रखा जाता है तो संपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है। बैंकरों का कहना है कि आरबीआई इस बात को लेकर चिंतित है कि ब्याज दरों में तेज वृद्धि कर्ज डिफॉल्ट को और बढ़ावा दे सकती है। इससे अधिक जोखिम पैदा होने की आशंका है।

सेबी का प्लान, परफॉर्मेंस से तय होगी फंड की फीसः बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन करने पर ज्यादा शुल्क, लेकिन बेसिक फीस हो जाएगी कम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में नई व्यवस्था लाने जा रहा है। एक प्रस्ताव के मुताबिक, एसेट मैनेजर से जुड़े चार्ज उसके परफॉरमेंस से तय होंगे। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सेबी के प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि कोई फंड लगातार संबंधित बेंचमार्क इंडेक्स (जैसे सेंसेक्स) से बेहतर प्रदर्शन करता है तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी ज्यादा फीस ले सकती है। सेबी के प्रस्ताव का मतलब है कि निवेशकों को आने वाले समय में ऊंचा रिटर्न देने वाली म्यूचुअल फंड स्कीम के लिए ज्यादा फीस चुकानी पड़ सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। म्यूचुअल फंड के लिए बेसिक फीस कम हो जाएगी। अतिरिक्त फीस तभी वसूली जाएगी जब फंड का परफॉरमेंस आम रुझान से बेहतर होगा।

यस बैंक का मुनाफा 45प्रतिशत घटा, संकट से उबरने की कोशिश कर रहे बैंक के लिए क्या मायने हैं

नई दिल्ली । वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में यस बैंक के मुनाफे में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी से मार्च तिमाही में बैंक का शुद्ध 45 प्रतिशत घट गई है। ऐसा बैंक की ओर से खराब ऋण के लिए प्रावधानों को बढ़ाने के कारण हुआ है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ घटकर 2.02 अरब रुपये रह गया, पिछले वर्ष इसी अवधि में बैंक का मुनाफा पिछली 3.67 अरब डॉलर था। उस समय पिछली तिमाही की तुलना में बैंक के शुद्ध मुनाफे में तीन गुने की वृद्धि दर्ज की गई थी। रिफाइनिटिव के आंकड़ों के अनुसार, यस बैंक का मुनाफा विश्लेषकों की ओर से लगाए गए मुनाफे के अनुमान 2.88 अरब रुपये से काफी कम है।

स्टारबक्स को टक्कर देने कॉफी बिजनेस में उतरे अंबानी

प्रेट ए मैनजर का पहला स्टोर मुंबई में ओपन किया, 5 साल में भारत में 100 आउटलेट खोलेंगे

नई दिल्ली।
टाटा ग्रुप के स्टारबक्स को टक्कर देने के लिए बिलिनेयर मुकेश अंबानी के रिलायंस ब्रांड्स ने अपना पहला प्रेट ए मैनजर सैंडविच एंड कॉफी आउटलेट लॉन्च किया है। प्रेट ए मैनजर ब्रिटिश सैंडविच एंड कॉफी चैन है, जिसे मुकेश अंबानी अब भारत लेकर आए हैं। इंडिया में प्रेट ए मैनजर का पहला स्टोर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के मेकर मैक्सिटी में ओपन किया गया है।

रिलायंस रिटेल की सहायक कंपनी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड ने इस साल ब्रिटिश सैंडविच एंड कॉफी चैन के साथ मिलकर भारत में टोटल-10 प्रेट ए मैनजर स्टोर ओपन करने का प्लान बनाया है। रिलायंस ब्रांड्स और ब्रिटिश चैन ने पिछले साल फ्रेंचाइजी पार्टनरशिप की अनाउंसमेंट की थी।

5 साल में भारत में 100 स्टोर खोलेंगे – रिलायंस ब्रांड्स के एमडी दर्शन मेहता ने कहा कि कंपनी भारत में अपना पहला प्रेट शॉप ओपन कर के बेहद खुश है। पिछले साल मेहता ने कहा था कि ब्रांड भारत में एयरपोर्ट्स पर फोकस करेगा। एग्रीमेंट के अनुसार, अगले पांच सालों में भारत में करीब 100 प्रेट ए मैनजर स्टोर खोले जाएंगे।

स्टारबक्स के 30 शहरों में 275 स्टोर्स – कॉफी बिजनेस में अभी टाटा स्टारबक्स सबसे बड़ा प्लेयर है, जिसके 30 शहरों में 275 स्टोर्स हैं। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और अमेरिकन कॉफी चेन स्टारबक्स के बीच 50: 50 की जॉइंट वेंचर डील है। भारत में 50 नए स्टारबक्स स्टोर लॉन्च किए गए हैं, जो कंपनी के लिए एक साल में सबसे ज्यादा है।

स्टारबक्स का बड़ा कॉम्पिटिटर साबित होगा – नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अवनीश रॉय का मानना है कि रिलायंस ब्रांड्स का प्रेट ए मैनजर लॉन्ग टर्म में टाटा स्टारबक्स के लिए एक बड़ा कॉम्पिटिटर साबित होगा। प्रेट ए मैनजर के आने से स्टारबक्स की हाई प्राइसिंग खतरे में आ सकती है।

प्रेट ए मैनजर के सीईओ ने क्या कहा – प्रेट ए मैनजर के सीईओ पानो क्रिस्टोउ ने कहा कि भारत आना लंबे समय से हमारा लक्ष्य रहा है और मुंबई में पहला स्टोर खोलना कंपनी के इंटरनेशनल एक्सपेंशन प्लान का एक ऐतिहासिक पल है। उन्होंने कहा, हम भारतीय कंज्यूमर्स को बेहतर ऑफर करने के लिए आरबीएल (रिलायंस ब्रांड्स) टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रेट ब्रांड में लोकल प्रेफरेंसेस और फूड हैबिट्स को भी शामिल करेंगे।

पिछले कुछ सालों में कई कॉफी ब्रांड्स और चैन्स भारत आए – पिछले कुछ सालों में कई कॉफी ब्रांड्स और चैन्स ने भारत में अपने स्टोर्स ओपन किए हैं। कनाडा की कॉफी और बेक्ड गुड्स चैन टिम हॉर्टन्स ने अगस्त 2022 में दिल्ली में दो स्टोर खोले थे। अब अगले तीन सालों में कंपनी का प्लान भारत में टोटल 120 स्टोर ओपन करने का है। इसके लिए कंपनी टोटल 240 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेगी।

इंडियन कॉफी मार्केट 2025 तक 34.48 हजार करोड़ रु का होगा – टिम हॉर्टन्स इंडिया के सीईओ नवीन गुरनानी ने कहा था कि इंडियन कॉफी मार्केट का साइज 2025 तक 4.2 बिलियन डॉलर यानी 34.48 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का होने की उम्मीद है। जिसमें आउट-ऑफ-होम कंजम्पशन लगभग 20प्रतिशत होगा। भारत में बूम में कई प्राइवेट इक्विटी-फंडेड कॉफी और कॉफी से जुड़े स्टार्टअप्स सामने आए हैं। जिसमें ब्लू टोकाई, स्लीपी आउल, स्ले कॉफी, रेज कॉफी, थर्ड वेव कॉफी, बीनली और कंट्री बीन जैसे नाम शामिल हैं। यह सभी ग्राउंड कॉफी पाउडर, रोस्टेड कॉफी बीन्स, कोल्ड कॉफी, पोर-ओवर कॉफी, हॉट ब्रू बैग्स और नेस्प्रेस्सो पॉड्स से लेकर सब कुछ बेचते हैं। इस बीच ब्रांड्स ने रेडी-टू-यूज कॉफी डेकोक्शन भी लॉन्च किया है।

भारत में 10 मिलियन किलोग्राम कॉफी की खपत हुई – देश में कॉफी ड्रिंकिंग कल्चर नया नहीं है। हालांकि, यह काफी हद तक देश के साउदर्न पार्ट तक ही सीमित है, जहां सबसे ज्यादा प्रोडक्शन होता है।

फॉरेक्स रिजर्व 9 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, 1.65 अरब डॉलर बढ़कर 586.41 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.657 अरब डॉलर बढ़कर 586.412 अरब डॉलर हो गया। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह वृद्धि हुई। पिछले नौ महीने से अधिक समय में ऐसा पहली बार हुआ। पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.306 अरब डॉलर बढ़कर 584.755 अरब डॉलर हो गया था। डॉलर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्य में वृद्धि या गिरावट का प्रभाव शामिल था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की को जारी साप्ताहिक सांख्यिकीय पूरक के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार 52.1 करोड़ डॉलर घटकर 46.125 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.412 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ में देश का मुद्रा भंडार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.19 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये में बढ़त देखने को मिली। आंशिक रूप से परिवर्तनीय रुपया 82.0950 के स्तर पर कारोबार करते हुए 82.1750 पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर सूचकांक (डीएक्सवाई), जो मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले ग्रीनबैक के मूल्य को ट्रैक करता है 0.03प्रतिशत बढ़कर 101.88 पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ने अपने मासिक बुलेटिन में कहा कि वैश्विक आर्थिक स्थिति अनिश्चितताओं से घिरी हुई है इससे बाजार अस्थिर बना हुआ है। इसमें कहा गया है कि देश में कुल मांग की स्थिति लचीली बनी हुई है, सेवाओं की मांग में सुधार से मांग को सपोर्ट मिला है। रबी की बंपर फसल की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे पर राजकोषीय जोर और चुनिंदा क्षेत्रों में कॉर्पोरेट निवेश में सुधार अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत है। हेडलाइन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित (सीपीआई) मुद्रास्फीति धीरे-धीरे अप्रैल 2022 में 7.8 प्रतिशत के अपने शिखर से घटकर मार्च 2023 में 5.7 प्रतिशत हो गई है और वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में इसके और कम होकर 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सुंदर पिचाई को 2022 में 1,854 करोड़ रुपए की कमाईः इसमें से 1,788 करोड़ रुपए स्टॉक रिवॉर्ड से मिले

वाशिंगटन।
गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने उसके सीईओ सुंदर पिचाई को 2022 में कुल 1,854 करोड़ रुपए (22.6 करोड़ डॉलर) का पेमेंट किया है। इस कमाई का बड़ा हिस्सा कंपनी के शेयर्स से हुई कमाई का है। कंपनी ने अमेरिकी शेयर मार्केट को इस बारे में डिटेल्स दी हैं। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की सैलरी में स्टॉक ऑप्शन भी शामिल होते हैं। ऐसे में उनके कुल पेमेंट में स्टॉक रिवॉर्ड करीब 1,788 करोड़ रुपए (21.8 करोड़ डॉलर) का रहा है।

एम्प्लॉई की ऐवरेज सैलरी 2,95,884 डॉलर

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन फाइलिंग के अनुसार, पिछले साल अल्फाबेट के एमप्लॉइज की ऐवरेज सैलरी करीब 2.42 करोड़ (2,95,884 डॉलर) थी। अमेरिका की 20 सबसे बड़ी टेक कंपनियों की तुलना में, अल्फाबेट ने अपने एमप्लॉइज को कॉम्पिटिटर्स की तुलना में 153प्रतिशत ज्यादा पेमेंट किया।

छंटनी को लेकर प्रदर्शन कर रहे एम्प्लॉई

इस साल जनवरी में गूगल ने अपनी टोटल वर्कफोर्स में से 6प्रतिशत यानी 12,000 एम्प्लॉइज की छंटनी करने की अनाउंसमेंट की थी। इसके बाद से दुनिया के अलग-अलग देशों में गूगल के एम्प्लॉइज सैलरी में अंतर, कॉस्ट कटिंग और छंटनी को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी महीने की शुरुआत में कंपनी के लंदन ऑफिस के बाहर छंटनी को लेकर सैकड़ों एम्प्लॉईज ने प्रदर्शन किया था। इससे पहले मार्च में गूगल के ज्यूरिख ऑफिस में 200 से ज्यादा लोगों की छंटनी किए जाने के बाद एम्प्लॉईज ने प्रदर्शन किया था।

ट्विटर ने ब्लू टिक हटाया, डॉर्सी ने लॉन्च किया ब्लूस्काईः ऐप में मिलेंगे ट्विटर जैसे फीचर्स, इसका इंटरफेस यूज करने में आसान

नई दिल्ली ।
ट्विटर के पूर्व चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जैक डॉर्सी ने एंड्रॉयड यूजर्स के लिए ब्लूस्काई ऐप लॉन्च कर दिया। इसे सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म ट्विटर के अल्टरनेटिव ऑप्शन के रूप में उतारा गया है। खास बात ये है कि आज ही ट्विटर ने लोगों के अकाउंट से लीगेसी ब्लू टिक हटा दिए हैं। अब यूजर्स को ब्लू टिक के लिए ट्विटर का सब्सक्रिप्शन प्लान लेना होगा।

256 शब्दों में कर सकते हैं पोस्ट

फिलहाल, ब्लूस्काई ऐप डेवलपिंग फेज में है, इस ऐप को सिर्फ एक इनवाइट कोड के साथ एक्सेस किया जा सकता है। ऐप एक आसान यूजर इंटरफेस देता है, जहां आप 256 वर्ड्स की एक पोस्ट बनाने के लिए प्लस बटन पर क्लिक कर सकते हैं, जिसमें फोटो भी शामिल हो सकती है। इसमें कुछ फीचर्स ट्विटर जैसे दिए गए हैं।

जैक डॉर्सी की वेबसाइट ने कहा कि ब्लूस्काई ऐप सोशल नेटवर्किंग के लिए एक नई नींव साबित होगा। ये ऐप आने वाले दिनों में यूजर्स को और ज्यादा ऑप्शन और क्रिएटर्स को प्लेटफॉर्म्स से और ज्यादा फ्रीडम देगा। हम यूजर को उनके अनुभव शेयर करने का एक नया ऑप्शन देने की कोशिश करेंगे।

अभी ब्लूस्काई ऐप के 20 हजार एक्टिव यूजर हैं

ब्लूस्काई ऐप में लाइक, बुकमार्क की निगरानी, ट्वीट को मॉडिफाई, रिट्वीट, इनडायरेक्ट मैसेज और हैशटैग जैसी बुनियादी सुविधाएं मौजूद नहीं हैं।

यह ऐप को ट्विटर का एक अधिक स्टैंडर्ड संस्करण बना देगा, जैसा कि ट्विटर के शुरुआती दौर में दिखाई देता था। ब्लूस्काई ऐप की लॉन्चिंग के बाद मांग बढ़ रही है और अभी इसके 20 हजार एक्टिव यूजर हैं।

साल 2019 से चल रहा था काम

जैक डॉर्सी ने साल 2019 में ही ट्विटर के साथ काम करते हुए ब्लूस्काई को एक साइड प्रोजेक्ट के रूप में तैयार करना शुरू कर दिया था। जैक के ट्विटर छोड़ने के बाद ये प्रोजेक्ट भी अलग हो गया। पिछले साल अक्टूबर में डॉर्सी ने ट्विटर पर एक पोस्ट की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि ब्लूस्काई प्रोजेक्ट का मकसद उन कंपनियों का प्रतियोगी बनना है जो सोशल मीडिया यूजर्स के 'डेटा का मालिक' बनने की कोशिश कर रही हैं।

चौथी तिमाही में आरआईएल का नेट प्रॉफिट 19प्रतिशत बढ़कर 19,299 करोड़ रु रहा, जियो का मुनाफा 13प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के रिजल्ट्स अनाउंस कर दिए हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 19.10प्रतिशत बढ़कर 19,299 करोड़ रुपए रहा। यह कंपनी का अब तक का सबसे हाईएस्ट क्वार्टरली नेट प्रॉफिट है।

आरआईएल का रेवेन्यू 2.13 लाख करोड़ रुपए रहा

पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 16,203 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। इससे पहले की तिमाही में नेट प्रॉफिट 15,792 करोड़ रहा था। इस हिसाब से तीसरी तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में यह 22.21प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का रेवेन्यू 2.8प्रतिशत बढ़कर 2.13 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 2.07 लाख करोड़ रुपए रहा था।

आरआईएल का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 38,440 करोड़ रुपए रहा

कंपनी का इस तिमाही में बढ़कर 38,440 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 31,366 करोड़ रुपए रहा था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 37,247 करोड़ रुपए रहा था। ऑपरेटिंग मार्जिन 18.05 प्रतिशत रहा, जो दिसंबर तिमाही में 16.2प्रतिशत और पिछले साल की सामान तिमाही में 15.1प्रतिशत रहा था। नेट प्रॉफिट मार्जिन इस तिमाही में 8.9प्रतिशत रहा, जो दिसंबर तिमाही में 7.4प्रतिशत और पिछले साल की सामान तिमाही में 7.7प्रतिशत रहा था।

जियो का नेट प्रॉफिट 13प्रतिशत बढ़कर 4,716 करोड़ रु रहा

वहीं रिलायंस ग्रुप की टेलिकॉम कंपनी जियो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 13प्रतिशत बढ़कर 4,716 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले साल समान तिमाही में 4,173 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। इससे पहले की तिमाही में नेट प्रॉफिट 4,638 करोड़ रहा था। यानी जियो का नेट प्रॉफिट तिमाही आधार पर 1.7प्रतिशत बढ़ा है।

वैल्यू ऑफ सर्विसेस से जियो की इनकम चौथी तिमाही में बढ़कर 27,539 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले साल की सामान तिमाही में यह 24,602 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में यह 27,055 करोड़ रुपए रही थी।

कंपनी का रेवेन्यू 12प्रतिशत बढ़ा

कंपनी का रेवेन्यू 12प्रतिशत बढ़कर 23,394 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 20,901 करोड़ रुपए रहा था। वहीं दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22,998 करोड़ रुपए रहा था। इस हिसाब से कंपनी का रेवेन्यू तिमाही आधार पर 1.7प्रतिशत बढ़ा है। सेल्स साल-दर-साल आधार पर 11.9प्रतिशत और तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 1.7प्रतिशत बढ़ी है।

ऑपरेटिंग प्रॉफिट 16प्रतिशत बढ़ा

कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट इस तिमाही में 16प्रतिशत बढ़कर 12,210 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 10,554 करोड़ रुपए रहा था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 12,009 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन 52.2प्रतिशत रहा, जो दिसंबर तिमाही में भी इतना ही रहा था।

उड़ान योजना का 5वां चरण शुरू, देश के दूर-दराज इलाकों में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने का लक्ष्य

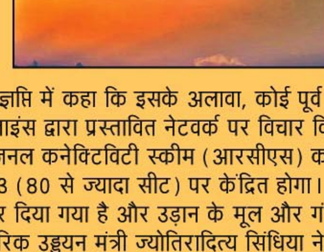

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने देश के दूर-दराज इलाकों में कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के पांचवें चरण की शुरुआत की। उड़ान 5.0 के तहत प्रदान की जाने वाली व्यावहारिक अंतर वित्तीय सहायता (वीजीएफ) को प्राथमिकता और गैर-प्राथमिकता वाले दोनों क्षेत्रों के लिए ऊपरी सीमा 600 किलोमीटर की दूरी पर निर्धारित की जाएगी, जबकि पहले यह 500 किलोमीटर थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इसके अलावा, कोई पूर्व निर्धारित रूट पेश नहीं किया जाएगा। केवल एयरलाइंस द्वारा प्रस्तावित नेटवर्क पर विचार किया जाएगा। उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) या रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) का पांचवां चरण श्रेणी-2 (20-80 सीट) और श्रेणी-3 (80 से ज्यादा सीट) पर केंद्रित होगा। पहले चरण की 600 किमी की सीमा को समाप्त कर दिया गया है और उड़ान के मूल और गंतव्य के बीच की दूरी के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, उड़ान योजना का यह नया और मजबूत संस्करण गति को बढ़ाएगा, नए मार्गों को जोड़ेगा और हमें निकट भविष्य में 1000 मार्गों तथा 50 अतिरिक्त हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और जल हवाई अड्डों के संचालन के लक्ष्य के करीब लाएगा।

फिल्म कृष 4 को सिद्धार्थ आनंद नहीं करेंगे निर्देशित

-राकेश रोशन ही होंगे निर्देशक

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में निमार्ता-निर्देशक राकेश रोशन ने साफ किया है कि कृष फ्रेंचाइजी की अपकमिंग फिल्म कृष 4 को सिद्धार्थ आनंद निर्देशित नहीं करेंगे। साल की शुरूआत में ऐसी खबरें थी कि कृष 4 के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद होंगे। कृष 3 कृष फ्रेंचाइजी में रिलीज हुई आखिरी फिल्म थी। इससे पहले इस सीरीज में कोई मिल गया. ।कृष और कृष 2 आ चुकी हैं। राकेश रोशन ने कहा- ये तो पहली बार है जब मैं ऐसा कुछ सुन रहा हूं। वहीं एक सोर्स ने बात करते हुए कहा- ये सुनने में ही बहुत बुरा लग रहा है। इस सीरीज की सारी फिल्मों को राकेश रोशन निर्देशित करते आए हैं। तो फिर इस फिल्म के साथ क्या कुछ बदल जाएगा? उन्होंने बताया- फिलहाल, रोशन फैमिली कृष 4 के प्लॉट पर काम कर रही है। जैसे ही स्क्रिप्ट तैयार होती है, वो इस फिल्म की अनाउंसमेंट कर देंगे। अपकमिंग कृष फिल्म को भी राकेश रोशन ही निर्देशित करेंगे। जानकारी के मुताबिक ऋतिक रोशन अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए किसी हॉलीवुड निर्देशक की तलाश में थे। सोर्स के मुताबिक- तब ऋतिक खुद कृष बनना चाहते थे। उस समय ये उनका इनर कॉल था। उन्होंने अपने आस-पास भी लोगों से, अपने सम्पर्कों से काबिल निर्देशक की तलाश करने को कहा था। उन्होंने अपनी टीम से सम्भावित निर्देशक के नाम शोर्ट लिस्ट करने को कहा था। सोर्स ने आगे कहा- क्या पता ऋतिक रोशन कब लॉस एंजेलिस जाकर खुद अपनी फिल्म के लिए निर्देशक फाइनल कर लें। ऋतिक रोशन और प्रियंका चोपड़ा के अलावा कृष 3 में विवेक ओबेरॉय, कंगना रनोट, आरिफ जकारिया और राजपाल यादव भी थे। जून 2021 में करीब 4 सालों बाद ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपकमिंग फिल्म की छोटी वीडियो क्लिप शेयर की थी। उन्होंने ये पोस्ट करते हुए लिखा था- पास्ट जा चुका है, अब देखना है कि फ्यूचर में हमारे लिए क्या है ? कृष4 15 इयर्स ऑफ कृष। बता दें कि पठान की बम्पर सफलता के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनन्द को लेकर कई प्रकार के समाचार सिने गलियारों में सुनाई देते रहते हैं। कुछ दिन पूर्व ही यह सुनाई दिया था कि सिद्धार्थ आनन्द ऋतिक रोशन के घरेलू बैनर की फिल्म कृष-4 का निर्देशन करने जा रहे हैं।

शहनाज बन-ठन कर बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में पहुंची

- एक्ट्रेस के पाकिस्तानी लुक पर फिदा फैंस

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों एक्ट्रेस शहनाज गिल बन-ठन कर बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में पहुंची, जहां वह अपने लुक्स से लाइमलाइट चुराती दिखीं। इसी लुक में मिस गिल ने जबरदस्त फोटोशूट भी करवाया, जिस्की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि शहनाज गिल रेड एंड गोल्डन कलर के सूट में पाकिस्तानी लुक दे रही हैं।सूट के गले और स्लीव्स पर काफी वर्क किया गया है और इसके साथ मैचिंग सलवार है। इस सूट को शहनाज ने मैचिंग दुपट्टे के साथ ड्रेस-अप किया है और पैरों में मैचिंग हील्स पेयर की है। कानों में बड़े झूमके, मिनिमल मेकअप और खुले बालों में एक्ट्रेस की खूबसूरती देखते ही बन रही है। कैमरे के सामने हसीना कभी शमार्ते हुए, कभी नजाकत दिखाते तो कभी एटिट्यूड के साथ शानदार पोज दे रही हैं। फैंस शहनाज की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। काम की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी पहली हिंदी मूवी किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म में वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ नजर आएंगी। बता दें कि एक्ट्रेस शहनाज गिल आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम बन गई हैं। न सिर्फ उन्होंने अपने काम बल्कि लुक्स और अंदाज से भी हमेशा लोगों का दिल जीता है। वह जहां भी जाती हैं उनके लुक के चर्चे हमेशा होते हैं।

अंगद ने दौड़ प्रतियोगिता में मेडल जीता

-बेदी को हमेशा से खेलों के प्रति रहा जुनून

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अंगद बेदी ने दौड़ प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता है। प्रतियोगिता का आयोजन माया नगरी मुंबई में किया गया था। बेदी को हमेशा से खेलों के प्रति जुनून रहा है। अंगद हमेशा एक सच्चे उत्साही खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने दिल्ली में अपने स्कूल और कॉलेज के दिनों में ट्रेनिंग लिया और एक पूर्व क्रिकेटर रहे। जो कोई भी अभिनेता के सोशल मीडिया पर फॉलो करता है, वह जानता होगा कि अंगद बेदी का दिमाग हमेशा एक खिलाड़ी के रूप में रहा है, खासकर जब फिटनेस की बात आती है, और उन्होंने फिटनेस पर अपने क्षितिज का विस्तार करने और एक नई चुनौती का सामना करने के लिए दौड़ना शुरू किया। कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन में हफ्तों के गहन प्रशिक्षण के बाद, अंगद बेदी टूनार्मेंट में एक शानदार फिनिश हासिल करने में सफल रहे। अभिनेता की जीत उनके दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के लिए एक वसीयतनामा के रूप में आती है, यह साबित करती है कि पर्याप्त समर्पण के साथ, कोई भी व्यक्ति अपने द्वारा चुने गए किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है। अभिनेता ने 31-40 वर्ष की श्रेणी में 66 सेकंड के भीतर 400 मीटर की दौड़ पूरी करने के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। अंगद बेदी ने कहा, मैं हमेशा खेलों की ओर आकर्षित रहा हूं और मैं यह देखने के लिए खुद को आगे बढ़ाना चाहता था कि मैं एक नए क्षेत्र में कितनी दूर जा सकता हूं। पिछले कुछ सप्ताह कठिन रहे हैं, लेकिन सिल्वर मेडल ने इसे इसके लायक बना दिया है। मैं इस पूरी यात्रा में उनके अटूट समर्थन और मार्गदर्शन के लिए अपने कोच और अपनी टीम का आभारी हूं। इस टूनार्मेंट में कई प्रसिद्ध एथलीटों की भागीदारी देखी गई, लेकिन अंगद बेदी का असाधारण प्रदर्शन शानदार रहा, जिसके लिए उन्हें योग्य सिल्वर मेडल मिला। स्प्रिंटिंग टूनार्मेंट में अंगद बेदी की जीत ने न केवल उनके पिता को गौरवान्वित किया है बल्कि उनके प्रशंसकों और अनुयायियों को निडर होकर अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अभिनेता का समर्पण और सफलता एक अनुस्मारक के रूप में काम करती है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

देबिना ने बर्थडे पर दी शानदार पार्टी

एक्ट्रेस देबिना बनर्जी ने हाल ही में अपना 40वॉ जन्म दिन मनाया। देबिना ने टीवी सीरियल रामायण में सीता के किरदार से लोगों का दिल जीता था। अपने खास मौके पर एक्ट्रेस ने घर पर शानदार पार्टी होस्ट की और दोस्तों के साथ खूब जश्न मनाया। देबिना ने अपने बर्थडे पर एक नहीं, बल्कि कई केक काटे और सेलिब्रेशन की तस्वीरें अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

किरदार शांता और मुझमें एकमात्र समानता: राधिका मदान

- एक्ट्रेस बोली- हम भावुक और उत्सुक दोनों हैं

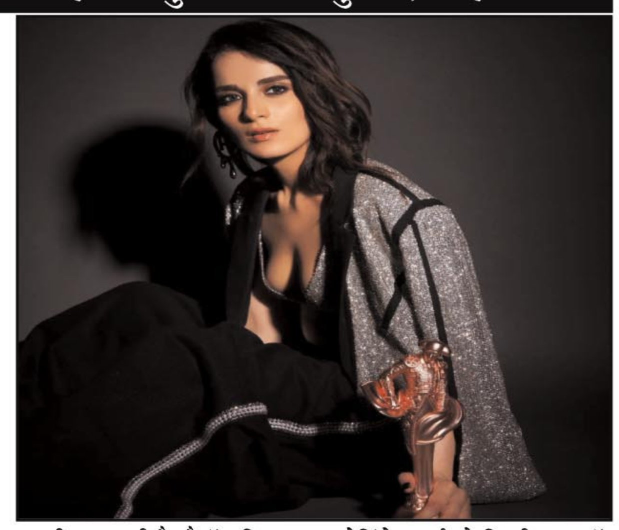

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की एक्ट्रेस एक्ट्रेस राधिका मदान ने शो सास बहू और फ्लेमिंगो को लेकर कहा, शो मेरा किरदार शांता और मैं हमारे द्रष्टिकोण बिल्कुल अलग हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे बीच एकमात्र समानता यह है कि हम भावुक और उत्सुक दोनों हैं। जब बात उनके शब्दों की आती है तो शांता कहीं अधिक शांत, आत्मविश्वासी, और गणनात्मक है, और एक अभिनेता होने के नाते, मैं बदलाव चाहती हूं, जो मुझे हर कदम पर खुद को चुनौती देने के लिए प्रेरित करें। मैं सीख रही हूं, अपने किरदारों के नजरिए से चीजों को देखती हूं और प्रत्येक भूमिका और उनके सफर से नए सबक लेती हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे पास शांता जैसी स्पष्टता की कमी है, क्योंकि एक अभिनेता के रूप में हमें नए रास्ते तलाशने के लिए अधिक बदलाव की आवश्यकता होती है और मैं उससे अधिक ऊजर्वान हूं, लेकिन मुझे शांता की भूमिका निभाने में बहुत अच्छा लगा और अब जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो उसकी याद आती है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित सीरीज का निर्देशन होमी अदजानिया द्वारा किया गया है और इसमें डिंपल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। सास बहू और फ्लेमिंगो 5 मई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। बता दें कि एक्ट्रेस राधिका मदान ने शो सास बहू और फ्लेमिंगो में शांता की भूमिका निभाने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे यह किरदार उनके लिए अलग था, फिर भी वास्तविक जीवन में उनके जैसा ही रहा।

पूजा हेगड़े ने करवाया हॉट फोटो शूट

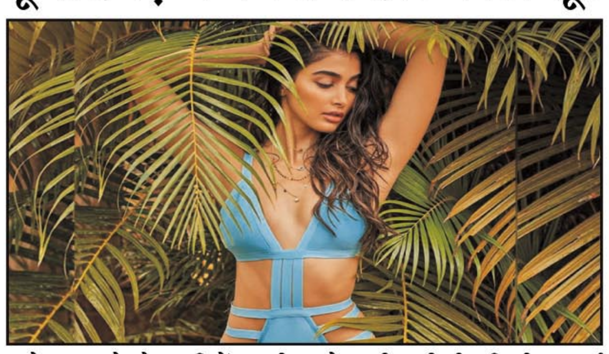

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इससे पहले फिल्म की स्टारकास्ट इसे प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। इसी बीच किसी का भाई किसी की जान की लीड एक्ट्रेस ने हॉट फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कर हलचल मचा दी है। फैंस पूजा की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं।

केबीसी अपने 15वें सीजन के साथ वापसी के लिए तैयार

-प्रोमो में होस्ट की सीट पर बिग बी को देखा जा सकता बैठे हुए

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे का लोकप्रिय शो कौन बनेगा करोड़पति अपने 15वें सीजन के साथ वापसी के लिए तैयार है। यह घोषणा करते हुए निमार्ताओं ने प्रोमो जारी किया है कि शो के लिए पंजीकरण 29 अप्रैल से शुरू होगा। हाल ही में जारी प्रोमो में बिग बी को होस्ट की सीट पर बैठे हुए देखा जा सकता है जबकि एक महिला हॉटसीट तक पहुंचने का रास्ता खोजने के लिए मैप को देखती है। अंत में वह हॉटसीट पर पहुंच जाती हैं। वह बिग बी से खेल खेलने के लिए कहती हैं, जिस पर वह जवाब देते हैं, हॉटसीट पर पहुंचने के लिए उलूल-जुलूल हाथकंडे मत अपनायिये। वह कहते हैं कि बस फोन उठाएं क्योंकि 29 अप्रैल को रात 9 बजे से पंजीकरण करने का यही एकमात्र तरीका है। मेरे प्रश्न का उत्तर दें और आपका पंजीकरण शुरू हो जाएगा।

14वां सीजन 7 अगस्त, 2022 को शुरू हुआ था, जिसने आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया था। इसमें आमिर खान, मैरी कॉम और सुनील छेत्री सहित स्पोर्ट्स आइकॉन, मिताली मधुमिता, वीरता पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला अधिकारी और भारत के पहले ब्लेड रनर मेजर डीपी सिंह ने भाग लिया। यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है। यह एपिसोड यह 30 दिसंबर, 2022 को समाप्त हुआ। अक्षय कुमार और पद्म श्री डीजी प्रकाश सिंह, विक्की कौशल, कियारा आडवाणी और मधुर शिल्पा राव सहित कई अन्य लोगों ने शो की शोभा बढ़ाई।

किडनैपिंग और मारपीट के आरोपों को हनी सिंह ने बताया निराधार

एक इवेंट कंपनी के मालिक की ओर से मुंबई पुलिस में किडनैप और मारपीट की शिकायत दर्ज कराने के बाद हनी सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। हनी सिंह ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को 'झूठा और निराधार' बताया है। उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी कानूनी टीम अपहरण और मारपीट का आरोप लगाने वाले इवेंट कंपनी के मालिक के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज करने की योजना बना रही है। पुलिस में 19 अप्रैल को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार विवेक रमन ने 15 अप्रैल को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में गायक के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया था। पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। मुंबई पुलिस के मुताबिक विवेक रमन की लिखित शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। हनी सिंह ने कहा मेरी कंपनी या शिकायतकर्ता के बीच कोई संबंध या समझौता नहीं है, जिसे मीडिया सुबह से दिखा रहा है। मैं मुंबई शो के लिए 'ट्राइबेवाइब' नाम की एक कंपनी के माध्यम से जुड़ा था, जो 'बुक माय शो' की एक सहायक कंपनी है। मेरी कानूनी टीम पहले से ही मानहानि का मामला दर्ज करने के लिए काम कर रही है।

लुक्स को लेकर चर्चा में रहती है एशले

अपने लुक्स को लेकर हॉलीवुड सिंगर एशले रॉबर्ट्स अक्सर चर्चा में रहती है। सिंगर को लंदन में स्पॉट किया गया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो एशले ब्लू और ऑफ व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही है। इसके साथ सिंगर ने हील पेयर की हुई है। लाइट मेकअप, पोनी और शेड्स से एशले ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। सिंगर मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज दे रही है। इस लुक में एशले बेहद गॉर्जियस लग रही है। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक रहे हैं। बता दें एशले सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। सिंगर फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है, जिन्हें फैंस खूब प्यार भी देते हैं। जब भी सिंगर अपने घर से बाहर निकलती है तो मीडिया की नजरों से बच नहीं पाती है।

खूब वायरल हो रही शाहरुख के परिवार की तस्वीरें

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और उनके परिवार की कई सारी अनसीन तस्वीरें सामने आई हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। दरअसल, कुछ देर पहले गौरी ने एक फोटो शेयर की थी, जहां शाहरुख और गौरी के साथ साथ उनके तीनों बच्चे भी नजर आ रहे हैं। फैंस को यह फोटो खूब पसंद आ रही है। इन खूबसूरत तस्वीरों में पूरी फैमिली ब्लैक एंड व्हाइड ड्रेस में नजर आ रही है। बता दें कि एक अच्छे पति होने के साथ साथ शाहरुख खान बेहतरीन पिता भी हैं। अपने तीनों बच्चों के साथ उनकी बॉन्डिंग काफी अच्छी है। पोस्ट पर लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। वहीं अब किंग खान के फैन पेज से भी शाहरुख के पूरे परिवार की कई सारी तस्वीरें शेयर की गई हैं, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं हैं।

सूडोकु नवताल- 6409

★★★✯☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6408 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7156

पी	क	ल	व	ग	सा	ना	क	प	ल	आ
र	ब	ल	न	व	ग	ग	से	म	ल	म
त	स	र	ल	र्म	वा	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	ग	पु	न	न	प	न	ली	क
यू	क	दो	ग	द	लं	का	ब	ग	झ	क
क	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	बू	घ	को
लि	अ	दे	व	ना	र	ल	श	र	ल	ल
प्ट	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
स	बा	चे	न	पी	प	ल	र	नी	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	म	स्ता
गु	ल	मो	ह	र	न	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में ऐसे 10 वक्षों के नाम ढूंढिए, जिससे हमें इमारती लकड़ी प्राप्त होती है.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

पीपल, नीम, बरगद, आम, देवनार, बबूल, सागवान, गुलमोहर, सेमल, यूकलिप्टस

शब्दजाल - 7155 का हल

सं	ज	य	मां	ज	रे	क	र	अ	झ	क
प	ज	ग	प	डी	रिं	पू	ना	जी	शा	सु
वि	ज	य	व	सं	जे	दि	श	त	ला	नी
वि	कु	र	अ	सी	ब	गां	प	वा	श	ल
ज	ति	म	न	ज	म	र	धी	डे	वी	गा
य	रं	न	प	व	ट	जा	ऐ	क	प	व
ह	र	लां	श	चें	ज	क	फ	र	ल	स्क
जा	बा	बा	म	म	क	छ	र	र	श	र
रे	स	य	य	व	दि	ने	श	मों	गि	या
द	ज	र	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
वि	क	सा	गु	ल	मो	ह	म्म	द	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6109

	7		4		6	
6	37		29	2	29	
2		5	1	3		6
4	32		29		35	
	6			7	2	
	33	2	32	6	37	7
5		7	4			3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6108 का हल

3	2	7	6	4	5	1
4	31	2	31	2	31	7
2	5	6	3	1	7	4
6	31	3	29	5	38	6
5	3	1	4	6	7	2
7	31	5	36	3	35	5
1	5	4	6	7	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

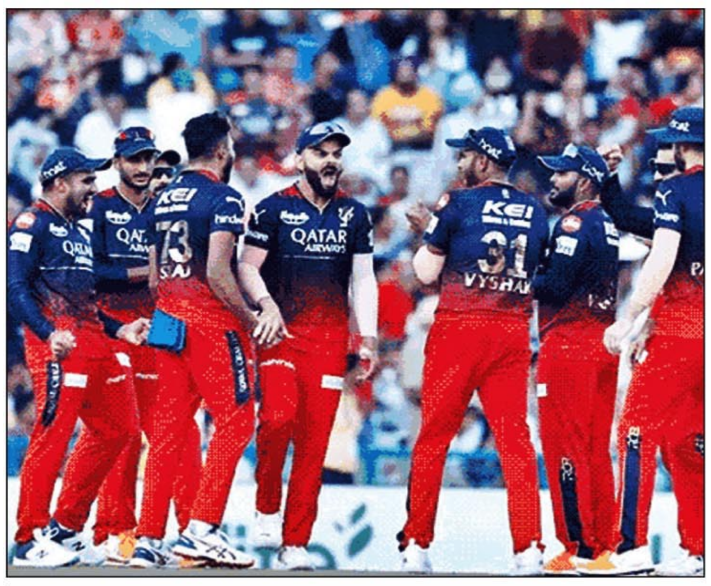

आईपीएल खिलाड़ियों की सुरक्षा में चूक: चंडीगढ़ के जिस होटल में ठहरे थे विराट कोहली और टीम, वहां से 3 अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़।

चंडीगढ़ में आईपीएल के स्टार खिलाड़ियों की सुरक्षा में सेंध लगी। यहां जिस होटल में विराट कोहली समेत अन्य खिलाड़ी रुके हुए थे, वहां पर तीन हिस्ट्रीशीटरों ने भी कमरे बुक किए थे। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्यारे गैंगस्टर दीपक टीनू का साथी भी शामिल है। इन आरोपियों से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाना चाहते थे। आईटी पार्क थाना के रोहताश यादव ने कहा कि सट्टेबाजी वाले एंगल पर भी जांच की जा रही है। फिलहाल इन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। मामला 20 अप्रैल का है। बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला गया था। जिसमें विराट की कप्तानी वाली आरसीबी को जीत मिली। इस मैच के बाद आरसीबी की टीम आईटी पार्क स्थित होटल ललित में रुकीं। जिनमें भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली समेत अन्य कई नामी खिलाड़ी शामिल थे।

पुलिस ने तीन आरोपी दबोचे – चंडीगढ़ पुलिस को इसी होटल में 3 अपराधियों द्वारा कमरा बुक कराने की गुप्त सूचना मिली थी। गुप्त सूचना के आधार पर आईटी पार्क थाना इंस्पेक्टर रोहताश यादव ने रात करीब साढ़े 10 बजे तुरंत पुलिस टीम सहित होटल में छापामारी कर इन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीरकपुर की रॉयल एस्टेट सोसाइटी निवासी रोहित (33), सेक्टर-26 बापूधाम कॉलोनी निवासी मोहित भारद्वाज (33) और हरियाणा के जिला झज्जर, बाहदुरगढ़ के रहने वाले नवीन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों को प्रिवेंटिव एक्शन की कार्रवाई के तहत अरेस्ट किया है।

पांचवी मंजिल पर ठहरे थे खिलाड़ी – पुलिस सूत्रों के मुताबिक होटल की चौथी और पांचवी मंजिल पर क्रिकेट टीम ठहरी हुई थी। पांचवी मंजिल पर विराट कोहली समेत टीम के अन्य खिलाड़ियों के कमरे थे। चौथी मंजिल पर क्रिकेट टीम के साथ आया स्टाफ रुका हुआ था। जबकि यह आरोपी तीसरी मंजिल पर रुके थे। पुलिस ने इन्हें वहीं से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने कि सेक्टर-26 बापूधाम कॉलोनी का मोहित भारद्वाज को इससे पहले चंडीगढ़ क्राइम सेल ने अक्तूबर, 2022 में गिरफ्तार किया था। वह मूसेवाला के हत्यारे गैंगस्टर दीपक टीनू का साथी है। उससे डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल ने एक पिस्टल भी बरामद की थी। इस पर आईटी पार्क पुलिस थाने में उस पर आर्म्स एक्ट का केस दर्ज हुआ था। वहीं उसके खिलाफ सरकारी कर्मी से मारपीट का सेक्टर-17 पुलिस थाने में दर्ज हुआ था। वहीं दूसरा केस सेक्टर 7 के ग्राफो क्लब के बाहर मारपीट का है। उसने दीपक उर्फ टीनू के कहने पर सीआईए मानसा के निलंबित एसआई प्रीतपाल सिंह को चंडीगढ़ में खरीदारी समेत ऐश करवाई थी। गिरफ्तार आरोपियों में मोहित और रोहित उर्फ रिम्मी सेक्टर 26 की बापूधाम कॉलोनी के रहने वाले हैं। वहीं नवीन हरियाणा के बहादुरगढ़ का निवासी है।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नई-अहमदाबाद में होंगे आईपीएल -16 के प्लेऑफ मुकाबले: 23 मई को पहला, 26 को दूसरा क्वालिफायर; नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा फाइनल

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन के प्लेऑफ मुकाबलों की तारीख और वेन्यू तय हो गए हैं।

आईपीएल ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इस बात की जानकारी दी। चेन्नई और अहमदाबाद में क्वालिफायर, एलिमिनेटर और फाइनल मिलाकर कुल 4 मैच होंगे। दोनों शहरों को 2-2 मैच दिए गए हैं। आईपीएल में प्लेऑफ के कुल 4 मुकाबले होते हैं। पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमों के बीच क्वालिफायर-1, तीसरे और चौथे नंबर की टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालिफायर-2 खेलेगी। एलिमिनेटर जीतने वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंचेगी। क्वालिफायर-2 जीतने वाली टीम क्वालिफायर-1 की विजेता से फाइनल खेलती है। आईपीएल के नए शेड्यूल अनुसार, 23 मई को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में क्वालिफायर-1 और 24 मई को चेन्नई में ही एलिमिनेटर मुकाबला होगा। 26 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालिफायर-2 और 28 मई को अहमदाबाद में ही फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल के लीग स्टेज में इस बार भी पिछली बार की तरह 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 31 मार्च से शुरू हुए लीग स्टेज के मुकाबले चलेंगे। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर 3:30 बजे से मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 69वां और बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच लीग स्टेज का 70वां मैच खेला जाएगा।

आईपीएल में 143 मैचों से सुपर ओवर का इंतजार: साल 2009 में पहली बार खेला गया; अब तक कुल 14 बार हुआ, 2020 में सबसे ज्यादा

मुंबई। सुपर ओवर...क्रिकेट मैच के रोमांच की चरम सीमा। इसका उपयोग तब होता है जब टी-20

मैच बराबरी पर समाप्त हुआ हो। इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले 143 मैचों से सुपर ओवर नहीं खेला गया। आखिरी सुपर ओवर 25 अप्रैल 2021 को 14वें सीजन के 20वें मैच में देखने को मिला था। तब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स ने यह मैच जीता था। उस सीजन में सुपर ओवर के बाद 40 मुकाबले खेले गए थे, 2022 में 74 और इस सीजन में 29 मैच खेले जा चुके हैं, लेकिन कोई मैच सुपर ओवर में नहीं गया। कुल मिलकर आईपीएल में 143 ऐसे मैच खेले जा चुके हैं, जिनमें सुपर ओवर नहीं हुआ है। इस सीजन में कई ऐसे मुकाबले खेले गए जिनका रिजल्ट आखिरी बॉल पर निकला। कई बार ऐसा लगा कि मुकाबला सुपर ओवर में जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आईपीएल में सुपर ओवर का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है। आईपीएल में पहली बार साल 2009 में सुपर ओवर का प्रयोग हुआ था। आईपीएल इतिहास में अब तक कुल 14 सुपर ओवर मुकाबले खेले गए हैं।

जोकोविच 11 साल में पहली बार सर्बियाई खिलाड़ी से हारे: हमवतन खिलाड़ी दुसान लाजोविक ने 6-4, 7-6 से हराया

मुंबई। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 11 साल में पहली बार सर्बियाई खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा है। सर्पस्का ओपन के क्वार्टर फाइनल में हमवतन खिलाड़ी दुसान लाजोविक ने 6-4, 7-6 (6) से हराया। इससे पहले जोकोविच को साल 2012 में मैड्रिड में जांको टिप्सारेविच ने हराया था। दुसान लाजोविक पहली बार अपने टेनिस करियर में जोकोविच को हराने में सफल हुए हैं। जोकोविच ने 16 में से एक केवल एक ब्रेक को चांस में बदलने में सफल हुए हैं। वहीं उन्होंने टाईब्रेकर में तीन सेट पॉइंट गंवाए। लाजोविक ने जीत के बाद कहा कि यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरे दोस्त हैं। वह सर्बियाई युवाओं के लिए टेनिस स्टार हैं। उनको हराने के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता था। वहीं हार के बाद जोकोविच ने कहा दुसान शानदार इंसान हैं। मैं इन्हें लंबे समय से जानता हूं। डेविस कप में एक साथ खेले हैं। एक साथ हमने ट्रेनिंग भी की है।

धर्मशाला में आईपीएल मैचों के टिकटों की बिक्री शुरू

ऑनलाइन खरीदें दर्शक, 17-19 मई को मुकाबले, किंग्स-रॉयल्स और दिल्ली के बीच टक्कर

धर्मशाला।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियमों में शुमार इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए तैयार है। करीब 10 साल बाद स्टेडियम में 17 और 19 मई को 2 आईपीएल मैच खेले जाएंगे। पंजाब किंग्स इलेवन, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली की टीमें खेलने आएंगी।

दोनों मैचों के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू हो गई है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि 22 अप्रैल से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पेटीएम इनसाइडर वेब साइट पर शुरू कर दी गई है। दर्शक आधिकारिक वेबसाइट आईपीएल 2023 पर जाकर टिकट खरीद सकते हैं।

विशेष पूजा हवन कराया जाएगा – अवनीश परमार ने बताया कि स्टेडियम में पिच की तैयारी मई के पहले सप्ताह में शुरू की जाएगी। मैचों के दौरान बारिश नहीं होने और इनके सफल आयोजन के लिए खनियारा स्थित धर्मशाला के पीठासीन देवता इंद्रुनाग मंदिर में से 7 मई विशेष पूजा के साथ हवन किया जाएगा। स्टेडियम में इस बार राई घास के अलावा बरमूडा घास की नई किस्म का बीज लगाया गया है। 14-15 मई को पंजाब और दिल्ली, 17 मई को आएगी राजस्थान की टीम अवनीश ने बताया कि 17 मई को होने वाले मैच के लिए पंजाब किंग्स इलेवन की टीम 14 मई को और दिल्ली कैपिटल्स की टीम 15 मई को धर्मशाला पहुंच जाएगी। राजस्थान रॉयल्स की टीम 17 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। होटल पवेलियन में टीमों के ठहरने की व्यवस्था रहेगी। सभी टीमें प्रैक्टिस शाम 6 बजे से 9 बजे तक फ्लड लाइट्स में मस्टडियम में मध्य विकेट पर करेंगी।

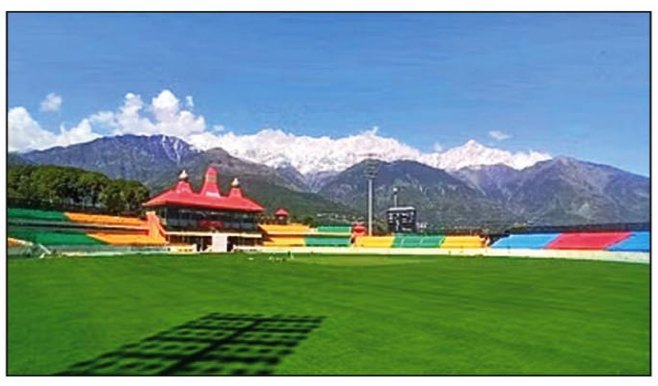

पिच की तैयारी मई के पहले सप्ताह में – एलीट पैनल के पिच क्यूरेटर एवं के मुख्य पिच क्यूरेटर सुनील चौहान ने बताया कि मैदान आईपीएल मैचों के लिए तैयार है। पिच की तैयारी मई के पहले सप्ताह में शुरू कर दी जाएगी। मैदान को 6 महीने की कड़ी मेहनत के साथ तैयार किया गया। धौलाधार की वादियों में बना धर्मशाला का मैदान अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए विश्व विख्यात है, लिहाजा हमारी कोशिश भी यही है कि इस मैदान को और भी सुंदर बनाया जाए।

25-30 ग्राउंड स्टाफ की रहेगी ड्यूटी – सुनील चौहान ने बताया कि आईपीएल मैचों के दौरान 25 से 30 ग्राउंड स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके लिए धर्मशाला के अलावा अन्य स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ को भी बुलाया जाएगा, ताकि वे एक-दूसरे से अनुभव साझा कर सकें।

बरमूडा घास वाला पहला स्टेडियम – धर्मशाला स्टेडियम देश का पहला क्रिकेट स्टेडियम है, जहां बरमूडा की नई किस्म की घास लगाई जा रही है। पसप्लम नामक यह घास गर्मी और सर्दी के मौसम में अलग-अलग रंग में नजर आएगी। मैच के दौरान खिलाड़ियों को इस पर दौड़ लगाने में आसानी होगी। इस घास की सबसे बड़ी खासियत है कि लगाने के बाद इसे 8 साल तक बदलना नहीं पड़ता।

गोल्फ मैदान में लगाई जाती ऐसी घास – इस किस्म की घास ज्यादातर गोल्फ मैदान में लगाई जाती है। जब गोल्फर शॉट लगाता है तो गेंद एक जगह न रुककर आगे निकल जाती है। बरमूडा घास ब्रिटेन सहित दुबई के मैदानों में लगाई गई है। इसके अलावा भारत में भी यह घास गोल्फ मैदानों में लगाई गई है।

20 मिनट में सूख जाएगी आउटफील्ड – धर्मशाला स्टेडियम देश का पहला ऐसा स्टेडियम है, जहां बारिश होने की सूरत में महज 20 मिनट बाद मैच पुनः शुरू हो सकेगा। इसके लिए मई 2021 में स्टेडियम की आउट फील्ड को खोदकर ग्राउंड के नीचे नया ड्रेनेज सिस्टम बिछाया गया था। इस ड्रेनेज सिस्टम के लिए 12.50 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन बिछाई गई है। मैदान के नीचे वाटर टैंक भी बनाया गया है। बारिश के पानी की निकासी के लिए सुपर शॉकर मशीन लगाई गई है। बारिश के बाद 20 मिनट के अंदर मैच शुरू किया जा सके, इसके लिए यूरोपीय तकनीक सब-एयर के तहत स्टेडियम को तैयार कर दिया है। यूरोप की इस तकनीक को इससे पहले भारत के बैंगलुरु स्टेडियम में भी अपनाया गया है।

धर्मशाला स्टेडियम में हैं 9 पिच – वर्तमान में स्टेडियम कुल 9 पिच मैदान में हैं। धर्मशाला स्टेडियम में 25 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। बीसीसीआई के पास भारत में 10 स्टेडियम हैं, जिनमें धर्मशाला तीसरे नंबर पर आता है। समुद्र तल से 1317 मीटर ऊंचाई पर बने इस स्टेडियम और यहां से दिखने वाले व्यू की तारीफ कई विदेशी क्रिकेटर भी कर चुके हैं। धर्मशाला स्टेडियम पंजाब किंग्स का दूसरा घरेलू मैदान है। यह खूबसूरत क्रिकेट मैदान 2003 में बनाया गया था।

हैदराबाद मैच के बाद धोनी ने संन्यास के संकेत दिए

बोले- यह मेरे करियर का अंतिम फेज है; इसका लुत्फ उठाना जरूरी

मुंबई।

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के संकेत दिए हैं। ऐसी अटकलें हैं कि धोनी का मौजूदा सीजन आखिरी है। आईपीएल 2023 के बाद उनके संन्यास की घोषणा करने की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में जीत के बाद धोनी ने खुद स्वीकार किया कि वह अपने करियर के अंतिम फेज का आनंद लेना चाहते हैं।

चेपॉक स्टेडियम में हैदराबाद के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने के बाद धोनी ने कहा, चाहे मैं जितना भी लंबा खेलूं, लेकिन यह मेरे करियर का अंतिम फेज है। इसका लुत्फ उठाना जरूरी है। दो साल बाद प्रशंसकों को यहां आकर देखने का मौका मिला है। यहां आकर अच्छा लग रहा है। दर्शकों ने हमें बहुत प्यार और स्नेह दिया है। उन्होंने हमेशा मुझे बहुत सपोर्ट किया है।

चेन्नई ने धोनी की कप्तानी में चार आईपीएल ट्रॉफी जीती

एमएस धोनी 41 साल के हैं और 240 आईपीएल मैचों का हिस्सा रहे हैं। चेन्नई ने धोनी की कप्तानी में चार आईपीएल ट्रॉफी जीती है। उन्होंने छह मैचों की चार पारियों में 59 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी का औसत 59 और स्ट्राइक रेट 210.71 का रहा है। उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए हैं।

उन्होंने मुझे बेस्ट कैच का अवार्ड नहीं दिया- धोनी

धोनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच लिया। धोनी को इस बात की उम्मीद थी कि मैच में बेस्ट कैच का अवार्ड उन्हें मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। धोनी ने मैच के बाद मजाक-मजाक में कहा, उन्होंने मुझे बेस्ट कैच का अवार्ड नहीं दिया। मुझे लगा कि यह एक शानदार कैच है। मुझे एक बहुत समय पहले का मुकाबला याद है। बहुत समय पहले जब राहुल द्रविड़ कीपिंग करते थे, उन्होंने भी एक ऐसा ही कैच लिया था। आप अपने कौशल से इस तरह का कैच नहीं ले सकते। आपको डटे रहना पड़ता है।

मैच के बाद हैदराबाद के युवा खिलाड़ियों से मिले धोनी

मैच के बाद धोनी हैदरबाद के युवा खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें 'गुरु' मंत्र दिए। धोनी हमेशा युवा खिलाड़ियों से चर्चा करते हैं। हैदराबाद के खिलाफ मैच जीतने के बाद भी ऐसा ही देखा गया। जब हैदराबाद के युवा खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। इनमें तेज गेंदबाज उमरान मलिक, आकाश त्यागी जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। इनसे धोनी ने काफी देर तक बात की।

लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए खेसारी ने गाया टीम एंथम, भोजपुरी का फिर लहराया दुनिया भर में परचम

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की इन दिनों धूम मची हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स के विसल पोडू, राजस्थान रॉयल्स के हल्ला बोल और मुंबई इंडियंस के एंथम गीत ये है मुंबई मेरी जान की धूम मची ही हुई है। और, अब भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव ने लखनऊ सुपरजाएंट्स की टीम के लिए खेले सुपरजाएंट्स लखनऊवा एंथम गीत गाया है। लखनऊ सुपरजाएंट्स टीम का गठन साल 2021 में हुआ। पिछले साल इस टीम ने पहली बार आईपीएल में भाग लिया था। इस साल आईपीएल का सीधा प्रसारण अंग्रेजी और हिंदी के अलावा भोजपुरी सहित कई क्षेत्रीय भाषाओं में हो रहा है। भोजपुरी सिनेमा के सितारे और सांसद रवि किशन भोजपुरी में कमेंट्री कर रहे हैं। जो भोजपुरी दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक है और उसी रोमांच को बढ़ाने के लिए भोजपुरी के हिट मशीन खेसारी लाल यादव ने एक गाना लांच कर दिया है। खेसारी लाल यादव ने लखनऊ सुपरजाएंट्स की टीम के लिए खेले सुपरजाएंट्स लखनऊवा एंथम गीत गाकर खिलाडियों का मनोबल बढ़ाया है। यह गीत खूब पसंद किया जा रहा है। लखनऊ सुपरजाएंट्स की टीम के लिए गाए एंथम गीत 'खेले सुपरजाएंट्स लखनऊवा के बारे में खेसारी लाल यादव कहते हैं, यूपी बिहार की जुबान भोजपुरी को इस बार आईपीएल में एक सम्मान मिला है। ऐसे में

अपनी टीम के लिए एक गाना तो बनता था जो हम लेकर अभी आ गए हैं। यह गीत लखनऊ सुपरजाएंट्स के मनोबल को बढ़ाने वाला है। हमने गाने में लखनऊ सुपरजाइंट्स के दमखम का बखान किया है और हम सभी भोजपुरी भाषियों की कामना है कि आईपीएल का ट्रॉफी लखनऊ सुपरजाएंट्स के नाम ही हो। भोजपुरी सिनेमा के स्टार खेसारी लाल यादव का गीत खेले सुपरजाएंट्स लखनऊवा सारेगामा भोजपुरी ने अपने यूट्यब चैनल पर रिलीज किया है। यह गाना भोजपुरिया क्रिकेट प्रेमी को ध्यान में रखकर बनाया है जिसे खेसारी लाल यादव ने गाया है, इस गाने में म्यूजिक वीडियो में खेसारी लाल यादव लूंगी और गमछा पहने बैटिंग करते नजर आए हैं। गाने में खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी अभिनेत्री शिल्पी राघवानी, नेहा सिंह, खुशी और तान्या भी झूमती नजर आ रही हैं।

एशिया कप में न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे भारत के मुकाबले: पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल को भेजा प्रस्ताव

मुंबई।

इस साल सितंबर में होने वाला एशिया कप पाकिस्तान में ही हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट के सभी मैच पाकिस्तान में होंगे, लेकिन टीम इंडिया के जितने भी मैच होंगे, उन्हें न्यूट्रल वेन्यू पर कराया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के मैचों का आयोजन न्यूट्रल वेन्यू पर कराने के साथ एशिया कप की मेजबानी का प्रस्ताव एशियाई क्रिकेट परिषद को दिया है।

पीसीबी प्रमुख नजम सेठी ने बताया कि उन्होंने इस प्रस्ताव को एसीसी के पास भेजा है। इसमें भारत अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेल सकता है जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और एशिया कप को न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट करने की मांग की थी। सेठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हमने इसे 'हाइब्रिड मॉडल' पर कराने का फैसला किया है जहां पाकिस्तान एशिया कप के मैच अपने घरेलू मैदान पर और भारत अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद को यह हमारा प्रस्ताव है। सेठी ने कहा, अगर पाकिस्तान भारत के सभी मैच

न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट करता है तो भारत को भी इस साल अक्टूबर-नवंबर में अपनी मेजबानी में वर्ल्ड कप के दौरान ये हाइब्रिड मॉडल अपनाना होगा। हमें लगता है कि आगामी वर्ल्ड कप के दौरान भी यह हाइब्रिड मॉडल लागू हो सकता है। पहले पाकिस्तान में सुरक्षा का मुद्दा था लेकिन अब ऐसी कोई समस्या नहीं है तो भारत पाकिस्तान में खेलने के लिए क्यों तैयार नहीं है। वहीं बीसीसीआई के मौजूदा महा सचिव जय शाह भी हैं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। इस बार का एशिया कप सितंबर के पहले हफ्ते में शुरू होना है। 13 दिनों तक चलने वाले 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में फाइनल समेत कुल 13 मैच होंगे। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। उनके साथ एक टीम क्वालिफाई करके पहुंचेगी। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में हैं। आयोजन स्थल को लेकर अनिश्चितता के कारण अभी मैचों के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है। पिछले साल 20 ओवर फॉर्मेट का एशिया कप अगस्त के दौरान यूएई में खेला गया था। इसकी मेजबानी श्रीलंका को सौंपी गई थी, लेकिन श्रीलंका में आर्थिक और राजनीतिक दिक्कतों के कारण इसे यूएई शिफ्ट कर दिया गया था।

रेसलर-डब्लूएफआई अध्यक्ष विवाद पर फिर बोलीं विनेश फोगाट

कहा- क्यों हमारा सिस्टम बृजभूषण शरण जैसे माफियाओं के आगे नतमस्तक हुआ

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच कमेटी गठित हुए पूरे 3 महीने हो गए हैं, लेकिन रिपोर्ट का कुछ पता नहीं है। 21 जनवरी को गठित की गई 2 जांच कमेटियों को अपनी जांच रिपोर्ट महज 4 हफ्ते में पेश करनी थी, उन्होंने 12 सप्ताह बाद भी रिपोर्ट की भनक नहीं लगने दी। आरोप लगाने वाले खिलाड़ियों को भी ये बात समझ नहीं आ रही है। इसी बीच विनेश फोगाट ने इस मुद्दे पर फिर 2 ट्वीट किए हैं। हालांकि इस मामले में सांसद बृज भूषण शरण की प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

18 अप्रैल की दोपहर 2:30 बजे किया पहला ट्वीट

क्यों हमारा पूरा सिस्टम बृजभूषण शरण जैसे माफ़ियाओं के आगे नतमस्तक हो गया है क्या देश के खिलाड़ियों के प्रति किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं रह गई है जो उसके शिकार हुए हैं.... विनेश के इस ट्वीट पर एक यूजर ने लिखा है कि बबीता फोगाट ले डूबी। वर्ना धरने वाले दिन ऑडी में चढ़कर नहीं भागते तो आज कुछ और ही परिणाम होता। मगर भाजपा प्रेम तुम्हें ले डूबा। जिस पर विनेश ने जवाब दिया कि भाई साहब भागे नहीं हैं। आज भी सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं और हमेशा लड़ते रहेंगे। इसके अलावा भी अनेकों यूजरों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि जब समर्थन में पूरा देश खड़ा था, तब तुमने हर किसी का अपमान किया और लीडर्स की बातों में आकर चलते रहे।

19 अप्रैल की शाम 7:03 बजे दूसरा ट्वीट

कटेंगे 'पर' मेरे फिर भी मेरी परवाज बोलेगी, मेरी खामोशियों में मेरी आवाज़ बोलेगी। कहां तक तुम मिटाओगे 'मेरी हस्ती' मेरा जज्बा, ये मिट्टी जर्रे जर्रे से मुझे 'जांबाज़ 'बोलेगी. ! जंतर-मंतर पर रेसलर्स का प्रदर्शन और बड़े आरोप 18 जनवरी को रेसलर्स विनेश फोगाट, साक्षी मलिक व

बजरंग पूनिया ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान विनेश फोगाट ने रोते हुए आरोप लगाए कि फेडरेशन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कोच नेशनल कैंप में महिला रेसलर्स का यौन उत्पीड़न करते हैं। विनेश ने यह भी कहा कि बृजभूषण खिलाड़ियों के होटल में रुकते थे, जो नियमों के खिलाफ है। टोक्यो ओलिंपिक में हार के बाद डब्लूएफआई के अध्यक्ष ने मुझे खोटा सिक्का कहा। सांसद की सफाई, आरोप सही हुए तो फांसी पर लटक जाऊंगा इसी दिन संघ अध्यक्ष बृजभूषण सामने आए। उन्होंने कहा- किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं हुआ है। अगर हुआ है तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने धरने को स्पॉन्सर्ड बताते हुए इसके पीछे हरियाणा कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को बताया था। उन्होंने कहा था कि अब ये खिलाड़ी नेशनल लेवल पर भी खेलने योग्य नहीं रहे हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री से बातचीत, फिर धरना

19 जनवरी को खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से रेसलर्स की करीब पौने चार घंटे बातचीत हुई। उन्हें कुश्ती संघ के अध्यक्ष के जवाब का इंतजार करने को कहा। पहलवानों ने डब्लूएफआई अध्यक्ष को हटाने को कहा। 20 जनवरी को खिलाड़ियों ने खेल मंत्री से बातचीत के बाद फिर से जंतर-मंतर पर धरना शुरू किया। यहां से आंदोलनकारी खिलाड़ियों ने ऐलान किया कि वे अब न्याय मिलने तक कोई कैंप जॉइन नहीं करेंगे। न ही वे किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अब वे खेल और खिलाड़ियों के हक की लड़ाई लड़ेंगे।

2 जांच कमेटियां बनीं

21 जनवरी को आंदोलन बढ़ता देख भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने जांच कमेटी बनाई। जिसकी अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कमेटी की अध्यक्ष मैरीकॉम को बनाया। 7 सदस्यों की कमेटी बनाकर जांच करने के निर्देश दिए। इस कमेटी में बॉक्सर मैरीकॉम, तीरअंदाज डोला बनर्जी, बैडमिंटन प्लेयर अलकनंदा अशोक, फ्री स्टाइल कुश्तीबाज योगेश्वर दत्त, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव और 2 वकील शामिल हैं। इसी दिन अनुराग ठाकुर की पहलवानों से देर रात 7 घंटे तक मीटिंग में खेल मंत्रालय ने एक ओवरसाइट कमेटी बनाने का फैसला लिया। इसका अध्यक्ष भी एमसी मैरीकॉम को बनाया गया। इसके सदस्यों में ओलिंपिक मेडल विजेता रेसलर योगेश्वर दत्त, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित तृप्ति मुरगुंडे, सीईओ राजगोपालन और राधा श्रीमन शामिल थे।

ऐसे बढ़ाएं अपना वजन

आज जहां पर ज्यादातर लोग अपने शरीर का वजन घटाने के लिए पसीना बहा रहे हैं, वहां पर अभी भी कुछ लोग हैं जो की वजन बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ लोग वजन कम होने के कारण लोगों के सामने शर्मिंदगी महसूस करते हैं। ऐसे में उन्हें कुछ ऐसे उपाय चाहिए होते हैं जिनकी मदद से वे वजन बढ़ा सकें। यूं तो वजन घटाने की तरह वजन बढ़ाना भी आसान नहीं है। कुछ ऐसे टिप्स हैं जो एक महीने में वजन बढ़ा सकते हैं।

कैलोरी पर ध्यान दें

वजन बढ़ाने के लिए सबसे बड़ा कदम है अपने द्वारा ली जाने वाली कैलोरी का ध्यान रखें, जो कि आप रोजाना लेते हैं क्योंकि इस से इस बात का अंदाजा लग जाएगा कि आपको रोजाना कितनी कैलोरी और लेनी है।

आहार पर ध्यान दें

आप कितना खाते हैं और आप क्या खाते हैं, यह आपके वजन बढ़ाने के ऊपर काफी प्रभावित करता है। रोजाना अपने आहार में 500 अतिरिक्त कैलोरी जोड़ दें। पर अगर आप कुछ प्रकार के शारीरिक कार्यों को अपने जीवन में सम्मिलित करते हैं तो आपके द्वारा ली गई कैलोरी की संख्या बढ़ा दें ताकि आप उस कैलोरी की पूर्ति कर सकें जो कि आपने कसरत करने में खो दी है।

अंतराल पर खाएं

सामान्य रूप से आप दिन में तीन बड़े आहार लें और उन के बीच में 2-3 छोटे-छोटे अल्पाहार लें। अपने दिन की शुरुआत पेट भरने वाले नाश्ते के साथ करें और उसके बाद अलग-अलग तरह के खाने की चीजें खाएं।

पौष्टिक आहार लें

उन खाद्य पदार्थों को खाएं जो स्वच्छ हों, पोषक तत्त्वों से युक्त हों और कैलोरी से भरे हुए हों। आपको यह सुझाव दिया जाता है कि आप बहुत ज्यादा हानिकारक और वसा युक्त खाने के पदार्थों को न खाएं क्योंकि इससे आप अस्वस्थ्य तरीके से वजन ग्रहण करेंगे, जिसकी वजह से आपमें कई रोग हो सकते हैं।

फल, दूध व नट्स लें

आपके लिए एक बहुत ही बढ़िया आहार विकल्प है कि आप एक ग्लास दूध केले के साथ या सेब के साथ या कुछ नट्स के साथ लें। इसके आलावा चिकन, अंडे, फल, सब्जी, पनीर और तरह-तरह के नट्स भी आपके आहार का ज्यादातर हिस्सा बनना चाहिए।

बच्चों की कैलोरी खपत..

अधिकांश बच्चे थाली में स्वादिष्ट भोजन देखकर उस पर टूट पड़ते हैं, जबकि कैलोरी से भरपूर वह भोजन बच्चों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन तीन से पांच साल के बच्चों में कैलोरी युक्त भोजन और उसके आकार में हस्तक्षेप कर कैलोरी खपत को घटाया जा सकता है। अभिभावक बच्चों के लिए कम कैलोरी वाला भोजन का चुनाव कर बच्चों में कैलोरी डेंसिटी (सीडी) की खपत को कम कर सकते हैं। ऐसे कई स्वीकार्य और सहज उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी सहायता से घर में ही कैलोरी पर नियंत्रण किया जा सकता है। कम कैलोरी युक्त भोजन के बड़े हिस्से या उच्च कैलोरी युक्त भोजन के छोटे हिस्सों में हुए परिवर्तनों से बच्चे भी आसानी से जुड़ सकते हैं।

मक्का खाने से दूर होती है झुर्रियां

भुट्टे के दानों यानी मक्का या कॉर्न में स्वास्थ्यरक्षक पदार्थ होते हैं, जो सेहत को संवारते हैं। विटामिन-सी, बायोफ्लेवोनॉयड, कैराटेनॉयड और फाइबर की प्रचुरता से मक्का कोलेस्ट्रॉल कम करता है। धमनियों में रुकावट को समाप्त कर हृदय को स्वस्थ बनाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनॉयड होते हैं जो कैंसर का खतरा घटाते हैं। कॉर्न में फॉलिक एसिड है जो ब्रेस्ट और लिवर के ट्यूमर के आकार को कम करता है।

शीतपित्त से कैसे पाएं राहत?

शीतपित्त या अर्टिकेरिया एक रोग है जिसमें सारे शरीर में स्थान-स्थान पर लाल सुर्ख चकत्ते उत्पन्न होकर जोरों की खुजली उत्पन्न करते हैं। खुजलाने से या रगड़ने से और अधिक खुजली उठती है। आधुनिक मतानुसार यह एक प्रकार का एलर्जिक रोग है, जिसमें हिस्टामीन नामक एक टाक्सिस त्वचा में प्रवेश कर खुजली के साथ चकत्ते पैदा कर इसकी उत्पत्ति करता है।

साधारण भाषा में पित्ती उछलना कहते हैं। इसमें रोगी के शरीर में खुजली मचती रहती है, दर्द होता है तथा व्याकुलता बढ़ जाती है। कभी- कभी ठंडी हवा लगने या दूषित वातावरण में जाने के कारण भी यह रोग हो जाता है। शीतपित्त पेट की गड़बड़ी तथा खून में गरमी बढ़ जाने के कारण होता है। वैसे साधारणतया यह रोग पाचन क्रिया की खराबी, शरीर को ठंड के बाद गरमी लगने, पित्त न निकलने, अजीर्ण, कब्ज, भोजन ठीक से न पचने, गैस और डकारें बनने तथा दवाएं अधिक मात्रा में सेवन करने से भी हो जाता है। कई बार अधिक क्रोध, चिन्ता, भय, बर्रें या मधुमक्खी के डंक मारने, स्त्रियों को जरायु रोग, खटमल या किसी जहरीले कीड़े के काटने से भी इसकी उत्पत्ति हो जाती है।

ये करें परहेज

- हरी साग-सब्जी, फल, रेशेदार खाद्य पदार्थ, पुराने चावल, जौ, मूंग, चना आदि का सेवन करें। नहाने में गर्म पानी का उपयोग करें।
- यदि पित्ती उछल रही है तो उस समय नहाना नहीं चाहिए, ठंड़ी हवा से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति में यदि कूलर या एसी चल रहा हो तो उसे बन्द कर दें।
- साग-सब्जी तथा दालों में नाममात्र नमक डालें। खटाई, तेल, घी आदि का प्रयोग कम करें।
- पित्त को कुपित करने वाली चीजें, जैसे- सिगरेट, शराब तथा कब्ज पैदा करने वाले गरिष्ठ पदार्थ बिलकुल न खाएं।
- प्याज, लहसुन, अंडा, मांस, मछली आदि शीतपित्त में नुकसान पहुंचाते हैं, अतः इनका भी सेवन न करें। जाड़ों में गुनगुना तथा गरमियों में ताजे जल का प्रयोग करें।

शीत पित्त के लक्षण

- पित्त बढ़ जाने के कारण हाथ, पैर, पेट, गरदन, मुंह, जांघ आदि पर लाल-लाल चकत्ते या ददोरे पड़ जाते हैं।
- जलन और खुजली होती है।
- कान, होंठ तथा माथे पर सूजन आ जाती है।
- कभी-कभी बुखार की भी शिकायत हो जाती है।

शीतपित्त के कारण

- गर्मी से आने के बाद ठंड़ा पानी, कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम खाना।
- तेल-मिर्च, गर्म मसाले और अम्ल रसों से बने चटपटे खाद्य पदार्थों और बाजार में बिकने वाले फास्ट फूट व चाइनीज खाना खाने से भी यह रोग होता है।

घरेलू उपचार

- सबसे पहले रात को दो से चार चम्मच एक एरण्ड का तेल दूध में पीकर सुबह दस्तों के द्वारा पेट साफ कर लें। फिर छोटी इलायची के दाने 5 ग्राम, दालचीनी 10 ग्राम और पीपल 10 ग्राम - सबको कूट-पीसकर चूर्ण बना लें। इसमें से आधा चम्मच चूर्ण प्रतिदिन सुबह मक्खन या शहद के साथ चाटें।
- काली मिर्च पीसकर घी में मिलाकर चाटने से शीत पित्त में आराम मिलता है।
- गेरु, हल्दी, मजीठ, काली मिर्च, अडूसा सब 10-10 ग्राम लेकर कूट- पीसकर मिलाकर सुबह-शाम चाटने से शीत पित्त में आराम होता है।
- गुड के साथ हल्दी भुनकर खाने से शीत - पित्त और खुजली में बहुत आराम मिलता है।
- अजवाइन और गुड़ खाने से शीतपित्त मिट जाता है।
- शीतपित्त में चिरौंजी का सेवन करें।
- 2 ग्राम नागकेसर को शहद में मिलाकर चाटें।
- एक चम्मच हल्दी, एक चम्मच गेरू तथा दो चम्मच शक्कर -सबको सूजी में मिलाकर हलवा बनाकर खाएं।
- एक चम्मच त्रिफला चूर्ण शहद में मिलाकर कुछ दिनों तक सेवन करें।
- आंवले के चूर्ण में गुड़ मिलाकर खाने से गरमी के कारण उछली पित्ती ठीक हो जाती है।
- 5 ग्राम सोंठ तथा 5 ग्राम गेरू - दोनों को शहद में मिलाकर चाटें।
- नीम की चार निबौलियों का गूदा शहद में मिलाकर सेवन करें।
- आधा चम्मच हल्दी तवे पर भूनकर उसे दूध या शहद के साथ लें।
- पित्ती उछलने पर घी में हींग को मिलाकर ददोरों पर मलें।
- पानी में नीबू निचोड़कर स्नान करने से भी काफी लाभ होता है।
- नारियलतेल में कपूर मिलाकर मालिश करें।
- सरसों के तेल में अदरक का रस मिलाकर मालिश करें।
- 10 ग्राम गुड़ में एक चम्मच अजवायन तथा 10 दाने पीपरमेंट मिलाकर सेवन करें।
- यदि पित्ती गरमी से उत्पन्न हुई हो तो शरीर पर चंदन का तेल मलें।
- आधा चम्मच गिलोय के चूर्ण में आधा चम्मच चंदन का बुरादा मिलाकर शहद के साथ सेवन करें।
- पानी में पिसी हुई फिटकिरी मिलाकर स्नान करें। नागर बेल के पत्तों के रस में फिटकिरी मिलाकर शरीर पर लगाएं।
- थोड़े से मेथी के दाने, एक चम्मच हल्दी तथा चार-पांच पिसी हुई कालीमिर्च - सबको मिश्री में मिलाकर चूर्ण बना लें। सुबह आधा चम्मच चूर्ण शहद या दूध के साथ सेवन करें।
- पटोल, नीम की छाल, त्रिफला तथा अडूसा - सभी 4-4 ग्राम लेकर काढ़ा बनाकर सेवन करें।

आपके पैर भी कुछ कहते हैं

जब भी किसी व्यक्ति को कोई बीमारी होती है तो हम अक्सर ऐसे लक्षणों की ओर ध्यान नहीं देते जो कि शरीर से दिखाई देते हैं। ऐसे कई लक्षण हैं जो हमारे पैरों से दिखाई देते हैं। जानते हैं कैसे? शरीर के अंगों से हमें बीमारी के लक्षणों का पता चलता है जैसे कि हमारे हाथों में सूजन का मतलब है कार्पेल टनल सिंड्रोम। ऐसे लक्षणों पर शुरुआत में ही गौर कर लेना चाहिए ताकि भावी परेशानी से बचा जा सके। पैर हमारे स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। यह हमारे शरीर का एक मुख्य सिग्नल पॉइंट है। पैरों में होने वाले परिवर्तन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है क्यों कि हो सकता है कि वो बीमारी की शुरुआत हो। पैरों में कुछ बदलाव दिखाई देने पर यह शुगर, थाइराइड या फिर दिल की बीमारी का लक्षण हो सकता है।

सूखे और पपड़ीदार पैर

यह थाइराइड का मुख्य कारण हो सकता है। यदि आप ज्यादा मोइश्चर लगा रहे हैं और फिर भी पैर सूखे हैं तो आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। यह भी उन लक्षणों में है जो कि हमारे पैर दिखाते हैं।

ठीक न होने वाला घाव

यदि आपके पैरों में या शरीर के अन्य अंगों पर किसी दुर्घटना का घाव है और वह ठीक नहीं हो पा रहा है तो यह शुगर का लक्षण हो सकता है। क्यों कि रक्त में शुगर ज्यादा होने से यह आपकी रक्त वाहनियों को क्षति पहुंचाता है और रक्त का संचार शरीर में सही नहीं हो पाता है खास तौर पर पैरों में।

दर्दभरा अंगूठा

खाने में प्युरीन की ज्यादा मात्रा लेना इसका मुख्य कारण है। यह एक केमिकल मिश्रण है जो कि लाल मांस, मछली और कुछ प्रकार के एल्कोहल में पाया जाता है। प्युरीन की ज्यादा मात्रा होने से यह यूरिक एसिड को बढ़ा देता है और पेशाब ज्यादा लगता है। ऐसे में एक अच्छे डाइटीशियन से सही आहार के बारे में सलाह लें। यह भी पैरों से दिखाई देने वाला मुख्य लक्षण है।

अंगूठे के नाखून

यह हार्ट इन्फेक्शन का मुख्य लक्षण है। इसमें पैर के अंगूठे के नाखूनों पर लाल धारियां दिखाई देती हैं। यह तब होता है जब रक्त वाहनियां टूट जाती हैं। यह स्थिति स्प्लिंटर हेमोर्हेज्स कहलाती है। जो लोग केमोथैरेपी ले रहे हैं और एचआईवी या डाइबिटीज के पेशेंट्स में खास तौर पर यह लक्षण दिखाई देता है। जब भी इस तरह का लक्षण दिखाई दे तो तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें।

क्लबिंग

जब पैरों की अंगुलियों में क्लबिंग यानी अंगुलियों का आगे से चौड़ा और मोटा होना दिखाई दे तो यह फेफड़ों के कैंसर का लक्षण है। इसके अलावा क्लबिंग फेफड़ों में संक्रमण, दिल की बीमारी और आंत की बीमारी का भी लक्षण है। यदि इस तरह का लक्षण दिखाई दे तो तुरंत जांच कराएं। ये विभिन्न बीमारियों के कुछ लक्षण हैं जो हमारे पैरों दिखाई देते हैं।

मरीज इंजीनियरिंग में बेहतर भविष्य की राह

लहरों के साथ ही कॅरियर भी मारेगा उछाल

इन दिनों मरीन इंजीनियरिंग में आप बेहतर भविष्य तलाश सकते हैं। मरीन इंजीनियर का कार्य पोत या जहाज की मुरम्मत करना तथा उसकी देखरेख करना होता है। आजकल के आधुनिक जहाज नवीनतम तकनीक और उपकरणों का प्रयोग करते हैं। समुद्री इंजीनियर को इन नवीनतम उपकरणों को समझना होता है।

अनुशासन...

इस कार्य में उच्च कोटि के अनुशासन की आवश्यकता होती है। क्योंकि जब तक चीफ इंजीनियर के पास जहाज की जिम्मेदारी होती है, तब तक जहाज में लदे लाखों डॉलर के माल की देखरेख का जिम्मा उसी पर होता है। यह काम डैक अधिकारी के काम से बिल्कुल अलग है, जो जहाज के परिवहन, माल की प्राप्ति और निर्वहन तथा प्रशासनिक कार्य संभालता है। समुद्री इंजीनियर को मालवाहक जहाज, कंटेनर जहाज या फिर एक तेल अथवा गैस के टैंकर में नियुक्त किया जा सकता है। ये काम चुनौतियों से भरा है।

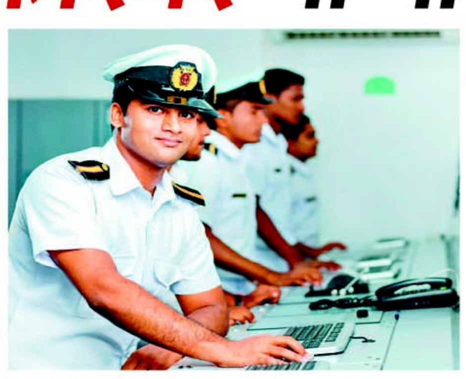

स्टडी सेंटर्स...

- इंडियन मैरीटाइम विश्वविद्यालय, चेन्नई
- उन्नत समुद्री अध्ययन एवं अनुसंधान, एलबीएस कालेज, नई दिल्ली
- मरीन इंजीनियरिंग और रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैंगलुरू

इनकम...

परिचालन स्तर पर (छह महीने के प्रशिक्षण के पश्चात) समुद्री इंजीनियर का वेतन 1000 डॉलर से 2000 डॉलर प्रतिमाह होता है। (औसत 70,000 रुपए प्रतिमाह एक जूनियर इंजीनियर के लिए) मुख्य इंजीनियर को प्रतिमाह 10,000 डॉलर मिलते हैं। ये आंकड़े जहाज के आकार, उसकी महत्ता तथा उसके कार्य के आधार पर बदल सकते हैं।

कार्यशैली: जूनियर इंजीनियर जहाज पर नजर रखता है, जबकि अन्य इंजीनियरों को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक रिपेयरिंग व रख-रखाव का कार्य करना होता है। यह उनका नियमित काम होता है। हालांकि जब जहाज बंदरगाह पर होता है तो सभी इंजीनियरों और चालक दल के सदस्यों को तट पर और अपनी पसंद के स्थानों पर घूमने की अनुमति होती है।

सुंदरता ही नहीं चैतन्यता भी बढ़ाता है सिंदूर

हिंदू धर्म में सिंदूर विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए मांग में सजाती हैं लेकिन सिंदूर का महत्व बस इतना ही नहीं है। सिंदूर घर में नकारात्मकता के साथ वास्तुदोष को भी दूर करता है।

महिलाएं मांग में जिस स्थान पर सिंदूर लगाती है वह स्थान समाधि योग का प्रथम स्थान ब्रह्मरन्ध्र के ठीक ऊपर का भाग होता है। स्त्री के शरीर में यह भाग पुरुष की अपेक्षा विशेष कोमल होता है, अतः उसकी संरक्षा के लिए शास्त्रकारों ने सिंदूर का विधान किया है। सिंदूर में पारा जैसी अलभ्य धातु बहुत मात्रा में होती है। जिससे यह स्त्री के मस्तिष्क को हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है और बाहरी दुष्प्रभाव से बचाता है। सिंदूर महिलाओं के श्रंगार के साथ ही उनकी सौंदर्य में भी वृद्धि करता है। सिंदूर के कारण चेहरे पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं।

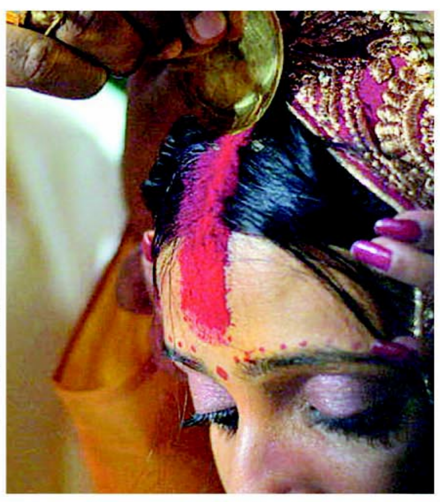

निगेटिविटी को नो

बहुत से लोग घर के मुख्य द्वार पर भी सरसो का तेल और सिंदूर मिला कर स्वस्तिक चिन्ह और शुभ-लाभ लिखते हैं। जिससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। सरसों का तेल शनि देव का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही घर को बुरी नजर के प्रभाव से बचाता है। वास्तु के अनुसार मुख्य द्वार पर सिंदूर और तेल लगाने से घर में निगेटिव शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती और वास्तुदोष भी समाप्त होते हैं।

ये है मान्यता

एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अतः माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

रेसिपी

चायनीज भेल

सामग्री

3 कप तले हुए नूडल्स, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/4 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप पतले लंबे कटे गाजर, 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पत्तागोभी, 1/4 कप सेज़वान सॉस, 1/4 कप टोमैटो कैचप, नमक स्वादअनुसार,

सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन या वॉक में तेल गरम करें, लहसुन डालकर तेज आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, शिमला मिर्च, गाजर और पत्तागोभी डालकर, तेज आंच पर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। सेजवान सॉस, टोमैटो कैचप और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। आंच से हटाकर एक गहरे बाउल में निकाल लें। तले हुए नूडल्स् डालकर हल्के हाथों मिला लें। हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते से सजाकर तुरंत परोसें।

वेजिटेबल साते

सामग्री

मिलाकर मेरीनेड बनाने के लिए: 1 कप गाढा लो-फैट दही 2 टी-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून अदरक का पेस्टए 1 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून कसुरी मेथी, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार

अन्य सामग्री: 1 1/2 कप लो-फैट पनीर के टुकड़े, 1/2 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप प्याज़ के टुकड़े, 2 टी-स्पून तेल, चुपड़ने और पकाने के लिए

विधि

पनीर, शिमला मिर्च, प्याज और मेररीनेड को एक बाउल में मिलाकर हल्के हाथों मिला लें और 10-15 मिनट के लिए मेरीनेट करने के लिए रख दें। एक प्याज़ का टुकड़े, 2 पनीर के टुकड़े और एक शिमला मिर्च के टुकड़े को साते स्टिक में फंसा लें। बची हुई सामग्री का प्रयोग कर 19 और साते बना लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, 1/2 टी-स्पून तेल से चुपड़े और 10 साते रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 10 साते का एक और बैच बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)